www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार... राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025 | वर्ष-18 | अंक -117 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

झारग्राम में भाषा आंदोलन का नेतृत्व करेंगी ममता 02
■ 'विकसित दिल्ली' की ओर अग्रसर राजधानी
■ हॉट एयर बैलून में जल्द सफर कर सकेंगे दिल्लीवासी 03
■ ईरान और भारत जैसे देशों पर अपनी इच्छा थोपने...
■ कंबोडिया ने पकड़े गए सैनिकों को थाईलैंड से रिहा... 07
'हाउसफुल-5' में शूट से पहले चित्रांगदा थीं नर्वस 10

ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था पर की सख्त टिप्पणी

भारत की अर्थव्यवस्था में दम नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान में तेल भंडार विकास के लिए किया समझौता

■ भारत और रूस के घनिष्ठ संबंधों पर तीखा हमला बोला
■ पाकिस्तान के साथ नए व्यापार ढांचे को अंतिम रूप दिया

मुझे इसकी परवाह नहीं कि भारत रूस के साथ क्या करता है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे मिलकर अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को डुबो दें : डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति अमेरिका

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और रूस के बीच दशकों पुराने सहयोग और मित्रता से बुरी तरह चिढ़े हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क और जुर्माना लगाने के बाद अब पाकिस्तान के तेल भंडार के विकास में सहयोग के लिए उसके साथ एक नया समझौता किया है। श्री ट्रम्प ने भारत और रूस की अर्थव्यवस्थाओं को लेकर एक बहुत ही हताशा भरा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि दोनों अर्थव्यवस्थाएं मृत हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर बुधवार रात पाकिस्तान के तेल भंडार विकास समझौते की घोषणा की। उन्होंने लिखा कि पाकिस्तान से एक नए व्यापार ढांचे को अंतिम रूप दे दिया गया है। इससे पहले अमेरिका ने बुधवार को भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की और रूस से सैन्य उपकरण तथा तेल खरीदने के कारण जुर्माना लगाने की बात भी कही थी। अब एक बार फिर श्री ट्रम्प ने भारत और रूस के घनिष्ठ संबंधों पर तीखा हमला बोला और कहा कि दोनों देश मिलकर अपनी 'मृत अर्थव्यवस्थाओं' को ध्वस्त करने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, मुझे इसकी परवाह नहीं कि भारत रूस के साथ क्या करता है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे मिलकर अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को डुबो दें। हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, उनके शुल्क बहुत ज़्यादा हैं। उन्होंने भारत की व्यापार नीतियों को 'कठिन और परेशान करने वाला' करार दिया। भारत के साथ व्यापार फायदेमंद नहीं है।

ट्रंप ने भारत पर लगाया है 25 फीसदी टैरिफ

ट्रंप ने एक अगस्त से भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की। उन्होंने रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने के लिए भी भारत पर जुर्माना लगाने की घोषणा की। इस घोषणा को भारत पर अमेरिका की मांगों को मानने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। यूएस ने हाल ही में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ मनमुताबिक ट्रेड डील किए हैं।

पाकिस्तान-अमेरिका तेल भंडार विकसित करेंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम उस तेल कंपनी को चुनने की प्रक्रिया में हैं, जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जाने, शायद वे किसी दिन भारत को तेल बेचेंगे!

अमेरिकी शुल्क पर पीयूष गोयल का संसद में बयान

सरकार राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगी

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को संसद में कहा कि भारत के निर्यात पर सीमा शुल्क लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ताजा घोषणाओं की सरकार समीक्षा कर रही है और वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। श्री गोयल ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार के संबंध में राष्ट्रपति ट्रम्प की घोषणाओं पर राज्य सभा में स्वत: दिए गए एक वक्तव्य में कहा कि सरकार अपने देश के किसानों , मजदूरों और सूक्ष्म, लघु तथा मझोले उद्यमों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच कहा कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए चार दौर की बातचीत हुई है तथा अक्टूबर, नवंबर तक समझौते के पहले चरण के लागू होने की उम्मीद की जा रही थी।

मोदी ने अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया : राहुल

प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक नीतियां पूरी तरह विफल हो गई हैं

■ किसान कुचले गए हैं, युवाओं के पास नौकरियां नहीं हैं
■ मोदी सिर्फ एक ही व्यक्ति अडानी के लिए काम करते हैं

नई दिल्ली, 31 जुलाई (देशबन्धु)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि आज सबसे बड़ी समस्या देश की आर्थिक नीति, रक्षा नीति और विदेश नीति की है जिसे मोदी सरकार ने बर्बाद कर दिया है।

श्री गांधी ने संसद भवन परिसर में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुये सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक नीतियां पूरी तरह विफल हो गई है और उसने देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था मर चुकी है। मोदी ने इसे खत्म कर दिया है। इस राज में अडानी-मोदी साझेदारी, नोटबंदी और त्रुटिपूर्ण जीएसटी, असफल असेम्बल इन इंडिया, एमएसएमई का सफाया, किसान कुचले गए हैं। मोदी ने भारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है क्योंकि नौकरियां नहीं हैं। श्री मोदी इस देश को बर्बाद कर रहे हैं। वह सिर्फ एक ही व्यक्ति अडानी के लिए काम करते हैं। इन लोगों ने सारे के सारे छोटे कारोबार खत्म कर दिए हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था आज एक मृत अर्थव्यवस्था बन गई है। पूरी दुनिया जानती है- भारत की इकॉनामी डेड इकानामी है और भाजपा ने देश की इकॉनामी को खत्म किया है। क्यों खत्म किया है- अडानी की मदद करने को खत्म किया है।

इन्हें देश चलाना ही नहीं आता, भ्रमित हैं

एक तरफ अमेरिका, भारत को भला-बुरा कह रहा है तो दूसरी तरफ चीन हमारे पीछे पड़ा है। जब आप अपना डेलिगेशन दुनिया भर में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता। कांग्रेस नेता ने श्री मोदी पर हमला करते हुये कहा कि ये देश को कैसे चला रहे हैं- इन्हें देश चलाना ही नहीं आता, पूरी तरह से भ्रमित हैं।

सार संक्षेप

भारत के लिए अमेरिका चीन-पाकिस्तान का गठबंधन खतरनाक : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों पर चुप्पी साधने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समझ लेना चाहिए कि भारत के खिलाफ अमेरिका पाकिस्तान तथा चीन का गठजोड़ बन रहा है और यह अत्यंत खतरनाक है। श्री खरगे ने कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर श्री ट्रंप के बयानों पर श्री मोदी ने संसद में मौन व्रत धारण कर रखा था। सवाल है कि अब श्री ट्रंप ने भारत पर जो बेबुनियाद आरोप लगाए हैं, क्या उस पर भी प्रधानमंत्री चुप रहेंगे।

भारत, यूएई रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाएंगे

नई दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से टेलीफोन पर बात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के लोगों के साझा लाभ के लिए सहयोग का दायरा बढ़ाने पर ज़ोर दिया।

अजित कुमार चतुर्वेदी बीएचयू के नए कुलपति नियुक्त

नई दिल्ली। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर अजित कुमार चतुर्वेदी को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति के पद पर नियुक्त किया गया है। श्री चतुर्वेदी की नियुक्ति तीन वर्षों अथवा 70 वर्ष की आयु तक के लिए की गई है।

मालेगांव बम ब्लास्ट मामला

सबूतों के अभाव में सातों आरोपी बरी

■ 17 साल बाद विशेष अदालत ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मालेगांव बम ब्लास्ट मामले में 17 साल के लंबे इंतजार के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने फैसला सुनाया। सबूत के अभाव में कोर्ट ने सभी सातों आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि एटीएस और एनआईए की चार्जशीट में काफी अंतर है। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि बम मोटरसाइकिल में था। प्रसाद पुरोहित के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला कि उन्होंने बम बनाया या उसे सप्लाई किया। यह भी साबित नहीं हुआ कि बम किसने लगाया। घटना के बाद विशेषज्ञों ने सबूत इकट्ठा नहीं किए, जिससे सबूतों में गड़बड़ी हुई। कोर्ट ने यह भी कहा कि धमाके के बाद पंचनामा ठीक से नहीं किया गया, घटनास्थल से फिंगरप्रिंट नहीं लिए गए और बाइक का चेसिस नंबर कभी रिकवर नहीं हुआ। साथ ही, वह बाइक साध्वी प्रज्ञा के नाम से थी, यह भी सिद्ध नहीं हो पाया। इस मामले में सात लोग, जिनमें लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, प्रज्ञा ठाकुर और रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय शामिल हैं, जिन पर मुकदमा चल रहा है।

2008 में मालेगांव में विस्फोट हुआ था

29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में रमजान के पवित्र महीने में और नवरात्रि से ठीक पहले एक विस्फोट हुआ। इस धमाके में छह लोगों की जान चली गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। एक दशक तक चले मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 323 गवाहों से पूछताछ की, जिनमें से 34 अपने बयान से पलट गए। शुरुआत में, इस मामले की जांच महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने की थी। हालांकि, 2011 में एनआईए को जांच सौंप दी गई।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर चर्चा के लिए अड़ा विपक्ष

एसआईआर समेत विभिन्न मुद्दों पर राज्यसभा तीन बार हुई स्थगित

■ छत्तीसगढ़ में दो नन की गिरफ्तारी का मुद्दा भी उठाया

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा में विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर गुरुवार को राज्यसभा में जोरदार हंगामा किया जिसके कारण तीन बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। तीसरे स्थगन के बाद जब सदन साढ़े चार बजे पुन: समवेत हुआ तो उप सभापति हरिवंश ने अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाये गए आयात शुल्क और रूस से हथियार तथा तेल खरीदने पर लगाए गए दंडात्मक शुल्क के संबंध में वक्तव्य देने के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का नाम पुकारा। श्री गोयल के खड़े होते ही विपक्ष के सदस्य अपनी जगहों से उठकर आसन के निकट आकर नारेबाजी करने लगे। केन्द्रीय मंत्री ने हंगामे के बीच ही अपना वक्तव्य सदन में रखा। उनका वक्तव्य समाप्त होने के बाद भी विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते रहे जिसे देखते हुए उप सभापति ने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सुबह विपक्षी दलों ने ओड़िशा में महिलाओं के खिलाफ बढती अपराध की घटनाओं, बंगाली आव्रजक श्रमिकों के साथ दूसरे राज्यों में भेदभाव , छत्तीसगढ़ में दो नन की गिरफ्तारी और अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए शुल्क तथा जुर्माने के मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग को लेकर नियम 267 के अंतर्गत कार्यस्थगन प्रस्ताव के नोटिस दिए थे।

लोकसभा में भी एसआईआर पर चर्चा की मांग

बिहार में एसआईआर प्रक्रिया वापस लेने और इस पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों ने गुरुवार को लोक सभा में जोरदार हंगामा किया जिसके कारण कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक और दूसरी बार चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। पूर्वाह्न 11 बजे जैसे ही प्रश्नकाल शुरू हुआ, विपक्षी सदस्य इसी मांग को लेकर हंगामा करने लगे, जिसके कारण सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे सदन जैसे ही समवेत हुआ, कांग्रेस, सपा, द्रमुक, अन्य विपक्षी दलों के सदस्य एसआईआर वापस लेने की मांग करते हुए शोरशराबा करने लगे।

मौसम नहीं दे रहा साथ, यात्रा मार्ग चलने लायक नहीं रहे

अमरनाथ यात्रा का दस दिन पहले ही समापन !

■ गुरुवार को जम्मू से कोई यात्रा काफिला नहीं गया

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 31 जुलाइ (देशबन्धु)। हालांकि मौसम में सुधार के बाद अमरनाथ यात्रा एक दिन स्थगित रहने के बाद बहाल कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण यात्रा को एक दिन रोका गया था परंतु वीरवार को यात्रा बालटाल मार्ग से फिर से शुरू हो गई।

हालांकि खराब मौसम के कारण जम्मू से इसे स्थगित कर दिया गया। पहले से दी गई सूचना के तहत सुबह जम्मू से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा तक तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को जाने की अनुमति नहीं दी गई। पर अगर अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के सूत्रों की मानें तो इस बार अमरनाथ यात्रा को दस दिन पहले ही समाप्त कर दिया जाएगा।

कश्मीर वादी में खराब मौसम के कारण यात्रा मार्ग अब चलने लायक नहीं रहे हैं और मौसम भी बेदर्द होने लगा है। जबकि अब जम्मू आने वाले श्रद्धालु भी नजर नहीं आ रहे हैं। 31 जुलाई से जम्मू से कोई यात्री श्रीनगर के लिए भी रवाना नहीं होगा जिसका मतलब यह है कि 9 अगस्त को संपन्न होने वाली यात्रा को 31 जुलाई को ही संपन्न करा दिया गया है।

3.93 लाख से अधिक तीर्थयात्री दर्शन कर चुके

इस बार की अमरनाथ यात्रा के दौरान अब तक 3.93 लाख से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में दर्शन कर चुके हैं। जम्मू कश्मीर में मौसम बहुत ही खराब बना हुआ है जिसके चलते बुधवार को पहलगाम और बालटाल के रास्ते किसी भी श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा की तरफ जाने की इजाजत नहीं दी गई थी।

बिहार में एसआईआर का प्रारंभिक चरण पूरा

■ आज जारी होगी मसौदा मतदाता सूची

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया। विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रारंभिक चरण पूरा हो गया है।

अब एक अगस्त को बिहार की मसौदा मतदाता सूची जारी की जाएगी। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार के मतदाताओं, बिहार की मसौदा मतदाता सूची शुक्रवार यानी 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित की जाएगी। इसे चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी जाकर चेक किया जा सकता है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना जल्द

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 के लिए निर्वाचक मंडल की सूची तैयार कर ली है। आयोग ने गुरुवार को एक प्रेस नोट जारी कर यह जानकारी दी। भारत निर्वाचन आयोग ने प्रेस नोट में बताया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत निर्वाचन आयोग को उपराष्ट्रपति के चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तेलंगाना में विधायकों की अयोग्यता का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने 3 महीने में फैसला लेने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना में बीआरएस के 10 विधायकों की अयोग्यता मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को तीन महीने में फैसला लेने का निर्देश दिया है। इन 10 बीआरएस विधायकों ने कांग्रेस पार्टी ज्वॉइन की थी, लेकिन तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष ने इनकी अयोग्यता पर लंबे समय तक कोई फैसला नहीं लिया। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मामले में सुनवाई करते हुए तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष को निर्देश दिया कि वह 10 बीआरएस के विधायकों की अयोग्यता पर तीन महीने में फैसला लें। सुनवाई के दौरान कोर्ट के समक्ष यह दलील दी गई कि अनुच्छेद 136 और 226 व 227 के तहत स्पीकर के निर्णयों पर न्यायिक समीक्षा की सीमाएं बहुत संकीर्ण हैं। यह भी कहा गया कि चूंकि यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट की एक बड़ी पीठ के समक्ष लंबित है, इसलिए मौजूदा सुनवाई नहीं होनी चाहिए।

जानकारी — *मध्य प्रदेश को मिली एक और नई रेल लाइन*

रेलवे की चार परियोजनाओं को मिली मंजूरी

■ रेलवे परियोजनाओं पर 11,169 करोड़ रुपए का आएगा खर्च
■ मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने किया फैसला

नई दिल्ली, 31 जुलाई (देशबन्धु) सरकार ने देश भर में आवागमन एवं माल परिवहन के बुनियादी ढांचे के विस्तार को गति देने के लिए गुरुवार को छह राज्यों में विभिन्न रेल खंडों पर अतिरिक्त लाइनों के निर्माण के लिए कुल 11,169 करोड़ रुपए की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसके तहत महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के 13 जिलों में 574 किलोमीटर नई रेल लाइन बिछाई जाएगी।

प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने महाराष्ट्र में इटारसी-नागपुर मार्ग पर चौथी लाइन के निर्माण, संभाजीनगर (औरंगाबाद)-परभणी रेललाइन के दोहरीकरण, बिहार में अलुआबाड़ी रोड से न्यू जलपाईगुड़ी के बीच तीसरी और चौथी लाइन के निर्माण तथा झारखंड में डांगोआपोसी से ओडिशा में जारोली के बीच तीसरी और चौथी लाइन के निर्माण के लिए रेल मंत्रालय के प्रस्तावों को मंजूरी दी। ये परियोजनाएं इन राज्यों के 13 जिलों में फैली हैं। मंत्रिमंडल और आर्थिक मामलों की समिति के प्रस्तावों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सरकार ने अवसंरचना विकास पर और तेजी से काम करना शुरू किया है।

माल परिवहन क्षमता और यात्रा सुविधाएं बढ़ेंगी

उन्होंने कहा कि रेलवे की आज मंजूर की गयी इन चार परियोजनाओं से जहां रेलवे की माल परिवहन क्षमता और यात्रा सुविधाएं बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा वहीं कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी मतदद मिलेगी। रेल मंत्री ने कहा, ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार की गई हैं और ये प्रधानमंत्री के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं।

देश

उवाच

यदि ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत कार्रवाई अभी भी जारी है, तो यह सरकार की जवाबदेही बनती है कि वह जनता को यह बताए कि खुफिया तंत्र की क्या कमियां रही हैं, किस स्तर पर इनपुट फेल हुए और उनसे निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

-प्रियंका चतुर्वेदी, शिवसेना (यूबीटी) राज्यसभा सांसद

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	28.0	26.0
मुंबई	29.0	27.0
कोलकाता	28.0	27.0
चेन्नई	32.0	29.0

मोदी व डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती का खामियाजा भुगत रहा देश : कांग्रेस

लखनऊ, 31 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 परसेंट टैरिफ लगाने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दोस्ती का खामियाजा देश भुगत रहा है। कांग्रेस नेता अजय राय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ ठोक दिया, साथ ही पेनल्टी भी लगा दी। नरेंद्र मोदी की दोस्ती का खामियाजा देश भुगत रहा है। पीएम मोदी ने ट्रंप का प्रचार किया और लपक-लपककर गले मिले। फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया में ट्रेंड कराया था। आखिर में ट्रंप ने भारत पर टैरिफ ठोक दिया। भारत की विदेश नीति पूरी तरह फेल हो चुकी है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर 25 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि रूस से हथियार और कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। ट्रंप ने यह घोषणा ऐसे समय में की, जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए 25 अगस्त से अमेरिकी व्यापार दल भारत आएगा। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 30 जुलाई को उन्होंने भारत से अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया और साथ ही रूस से भारत की तेल और रक्षा खरीद पर जुर्माना भी लगाया। इसके अलावा ईरान के साथ संबंध रखने के कारण कम से कम छह भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए। उन्होंने कहा कि 30 जुलाई को ट्रंप ने यह भी घोषणा की थी कि अमेरिका-पाक को उसके तेल और गैस भंडारों की खोज और विकास में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह घोषणा विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान को उनके पूर्ण समर्थन के अतिरिक्त है।

■ ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के एलान पर केंद्र सरकार पर बोला हमला

ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ ठोक दिया साथ ही पेनल्टी भी लगा दी : अजय राय

कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी ने एक बार कीमतों में टॉप (टमाटर, प्याज, आलू) चुनौती की बात की थी। अब भारत को सीएपी (चीन, अमेरिका, पाकिस्तान) से उत्पन्न राजनीतिक चुनौती से निपटना है। मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी व्यक्तिगत मित्रता में बहुत अधिक निवेश किया है। ऐसा उन्होंने पहले राष्ट्रपति शी के साथ भी किया था। दोनों को अब उस व्यक्ति का पूरा ज्ञान है, जिसे उसके विशाल अहंकार और आत्म-मुग्धता का फायदा उठाकर आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।

आयात शुल्क की चुनौती को आत्मनिर्भरता में तब्दील करे मोदी सरकार : मायावती

लखनऊ। आयात शुल्क पर अमेरिका द्वारा 25 फीसदी की बढ़ोतरी को देश की अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौती बताते हुए बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने उम्मीद जाहिर की कि केंद्र सरकार इस चुनौती को आत्मनिर्भरता में तब्दील करने में सफल होगी और राष्ट्र हित से कोई समझौता नहीं करेगी। मायावती ने एक्स पर लिखा 'मित्र' देश बताने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर 1 अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क तथा रूस से तेल आयात करने पर पेनाल्टी लगाने की भी नई उभरी चुनौती को केन्द्र सरकार इसे अवसर एवं आत्मनिर्भरता में बदलकर देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं होने देगी, तथा इसको लेकर देश को दिए गए इस आश्वासन पर कि किसान, छोटे व मंझोले उद्योग और राष्ट्रहित से कोई समझौता नहीं करेगी', इस पर सरकार खरी उतरकर दिखाएगी भी, ऐसी देश को आशा। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला अधिकतर गरीबों और मेहनतकश लोगों का देश है, जिसे हर हाथ को काम देने वाली श्रम शक्ति के बल पर देश को आगे बढ़ाने की नीति बनाकर उस पर सही से अमल किया जाए।

झारग्राम में भाषा आंदोलन का नेतृत्व करेंगी ममता

कोलकाता, 31 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य के बोलपुर में अपनी रैली के बाद झारग्राम में छह अगस्त को एक और विरोध मार्च का नेतृत्व करेंगी। यह मार्च भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ अभियान का हिस्सा है। सुश्री बनर्जी ने विरोध प्रदर्शन की तुलना आधुनिक भाषा आंदोलन से की है। पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल के एक वरिष्ठ सदस्य ने बताया कि मुख्यमंत्री झारग्राम में राजबाड़ी चौराहे से सर्कस मैदान तक रैली का नेतृत्व करेंगी। रैली में जिसमें आदिवासी समुदायों के सदस्य, स्थानीय सामाजिक संगठन और जंगलमहल क्षेत्र के बुद्धिजीवी शामिल होंगे। रैली की तैयारी के लिए शहरी विकास एवं नगर निगम मामलों के मंत्री फिरहाद हकीम की अध्यक्षता में बुधवार को यहां समन्वय बैठक बुलाई गई थी। बैठक में नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर एक अलग कार्यक्रम की योजना बनाने पर भी चर्चा हुई। अंतिम तैयारियों की निगरानी के लिए हकीम एक दिन पहले झारग्राम जा सकते हैं।

त्रिपुरा में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म निंदनीय : विजया

अगरतला, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने सोमवार को त्रिपुरा के खोवाई जिले के तुईकरमा में 17 वर्षीय लड़की के साथ कथित बलात्कार के मामले का संज्ञान लिया है और इस मामले में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से तीन दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने गुरुवार को इस घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि आयोग त्रिपुरा में 17 वर्षीय लड़की के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की कड़ी निंदा करता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए, अध्यक्ष विजया राहतकर ने स्वत: संज्ञान लिया है और निष्पक्ष, त्वरित और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के लिए पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा है। आयोग ने आग्रह किया है कि आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाए और उन्हें बिना किसी देरी के गिरफ्तार किया जाए। आयोग ने पीड़िता को चिकित्सा देखभाल और मनोवैज्ञानिक सहायता सहित हर संभव सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया। पुलिस ने अब तक एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान अंतर मिया के रूप में हुई है, जो वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है। एक अन्य आरोपी हिरन मिया जो अभी भी फरार चल रहा है। पुलिस का उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। बता दें कि त्रिपुरा में 17 साल की नाबालिग लड़की से किराने की दुकान जाते वक्त रास्ते में रेप किया गया। अंतार मियाह और हिरन मियाह ने लड़की को रास्ते से उठाया और सुनसान जगह ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों आरोपित में से एक को गिरफ्तार कर लिया है।

■ राष्ट्रीय महिला आयोग ने बलात्कार के मामले का लिया संज्ञान
■ डीजीपी से तीन दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना खोवाई जिले की है। 28 जुलाई 2025 को तुईकर्मा के पश्चिम मुस्लिम पाड़ा में एक नाबालिग लड़की कुछ सामान खरीदने पास की किराए की दुकान पर जा रही थी। तभी अंतार मियाह और हिरण मियाह ने उसे किडनैप कर लिया और सुनसान जगह ले जाकर रेप किया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। लेकिन तब तक आरोपित पीड़िता को छोड़कर फरार हो गए थे।

सार संक्षेप

मोदी ने शहीद उधम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को शहीद उधम सिंह को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा भारत माता के अमर सपूत शहीद उधम सिंह को उनके बलिदान दिवस पर मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। प्रधानमंत्री ने लिखा कि उधम सिंह की देशभक्ति और बहादुरी की गाथा देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी।

ओडिशा में ओएसएसएससी मुख्य परीक्षा की गई रद्द

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने ओडिशा अधीनस्थ कर्मचारी चयन आयोग (ओएसएसएससी) की ओर से विभिन्न पदों के लिए आयोजित प्रारंभिक परीक्षा में कदाचार और पेपर लीक के बाद उड़ीसा उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद मुख्य परीक्षा रद्द कर दी है। आयोग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि ओएसएसएससी की ओर से एक अगस्त से चार सितंबर तक होने वाली राजस्व निरीक्षक, एकीकृत बाल विकास योजना पर्यवेक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक और अमीन एवं सांख्यिकीय क्षेत्र सर्वेक्षक (एसएफएस) के पदों के लिए मुख्य परीक्षा रद्द कर दी गई है।

नेपाल के 14 युवा सांसदों ने पटेल से की भेंट

गांधीनगर। नेपाल की संसद के 14 युवा सांसदों और आठ विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने गुरुवार को गुजरात के गांधीनगर में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। नेपाल के द फ्री यूथ डेमोक्रेटिक ऑर्गेनाइजेशन के नेतृत्व में ये युवा सांसद और आठ राजनीतिक दलों के नेता एक सप्ताह के गुजरात दौरे पर आये हैं। इस दौरे के दौरान यह प्रतिनिधिमंडल स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, द्वारका, सोमनाथ और अमूल डेयरी-आणंद का दौरा करेगा। इस प्रतिनिधिमंडल ने अपने गुजरात दौरे की शुरुआत पटेल के साथ गांधीनगर में शिष्टाचार भेंट से की।

केरल के कन्नूर में नाव पलटने से मछुआरे की मौत

कन्नूर। केरल में कन्नूर जिले के पझायंगडी के निकट गुरुवार को अरब सागर में नाव डूब जाने से एक मछुआरे की मौत हो गई। पूलिस के अनुसार घटना सुबह 08:45 बजे उस समय हुई घटी जब अरब सागर में गए मछुआरों की नाव कथित तौर पर रेत के बांध से टकरा कर डूब गई। बताया गया कि साथी मछुआरों ने पय्यानूर पुलिस और दमकल कर्मियों को सूचना दी, जिसके बाद बचावकर्मी मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए कन्नूर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। मृतक की पहचान असम निवासी रियाजुल इस्लाम के रुप में की गई है।

प्रसिद्ध शनि शिगंणापुर मंदिर में बड़ा घोटला

पुणे, 31 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में प्रसिद्ध शनि शिंगणापुर मंदिर में एक बड़ा वित्तीय घोटाला सामने आया है जिसमें दान, अनुष्ठान और चढ़ावे के नाम पर करोड़ों रुपए की अवैध वसूली की गई है। पुलिस जांच में पता चला है कि मंदिर के दो कर्मचारियों को सीधे उनके बैंक खातों में अवैध धनराशि प्राप्त हुई। पुलिस के मुताबिक यह लोग कथित तौर पर पांच मोबाइल ऐप और वेबसाइट के जरिए मंदिर ट्रस्ट की आधिकारिक अनुमति के बिना भक्तों से दान, पूजा, तेल चढ़ाने और अन्य अनुष्ठानों के लिए ऑनलाइन भुगतान एकत्र कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि इन अनधिकृत प्लेटफार्मों के माध्यम से धन दोनों कर्मचारियों के खातों में जमा किया जाता था। अनुमान है कि आरोपियों के बैंक खातों में एक करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम जमा की गई। पुलिस इस घोटाले के मास्टरमाइंड की पहचान करने, पैसे के लेन-देन का पता लगाने और यह पता लगाने के लिए जाँच कर रही है कि क्या रकम को आगे किसी और खाते में ट्रांसफर किया गया या नकद में दिया गया।

■ दान, अनुष्ठान व चढ़ावे के नाम पर की अवैध वसूली

बिहार में आयोजित प्रगति यात्रा के दौरान बोले नीतीश कुमार

परियोजनाओं का उद्देश्य जन कल्याण को बढ़ावा

■ मुजफ्फरपुर में 574.16 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

मुजफ्फरपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को अपनी प्रगति यात्रा के दौरान किए गए वादों को पूरा करने के लिए, मुजफ्फरपुर में 574.16 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। कुमार ने भगवानपुर चौक के पास सड़क और बुनियादी ढांचे के विकास की कई परियोजनाओं का शिलान्यास और शुभारंभ करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना और जन कल्याण को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को संबोधित करते कहा कि उनकी सरकार बुजुर्गों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए एक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, सरकार सभी नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर काम कर रही हैं। सरकार का मिशन यह सुनिश्चित करना है कि लोग सम्मान और गर्व के साथ जी सकें। नीतीश कुमार ने मुजफ्फरपुर बाईपास पर निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को शेष कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। यह बाईपास परियोजना 16.87 किलोमीटर लंबी है और 250 करोड़ रुपए की लागत से बन रही है। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष जनवरी में अपनी प्रगति यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर में विकास कार्यों की समीक्षा की थी और कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया था, जिनमें से 574.16 करोड़ रुपये की लागत वाली सात प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास उसी दिन किया गया था।

दिव्यांगजनों को की ट्राइसाइकिल वितरित

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस अवसर पर दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल वितरित की। उन्होंने अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपये के चेक प्रदान किए। उन्होंने 5,642 स्वयं सहायता समूहों को 105 करोड़ रुपए और 201 अतिरिक्त स्वयं सहायता समूहों को 2.11 करोड़ रुपए के प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जीविका दीदियों के साथ बातचीत करते हुए, ग्रामीण आजीविका में बदलाव लाने में उनके प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने याद किया कि जब उनकी सरकार सत्ता में आई थी, तब राज्य में शायद ही कोई स्वयं सहायता समूह था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, 2006 में सरकार ने विश्व बैंक से ऋण लिया और स्वयं सहायता समूह नेटवर्क का विस्तार शुरू किया, जिसे 'जीविका' नाम दिया।

मध्य प्रेदश में कानून व्यवस्था बदहाल

■ हर दिन दो मासूम बच्चियां हो रही दुष्कर्म का शिकार : पटवारी

भोपाल, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रदेश में बढ़ते अपराध और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। भोपाल में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि प्रदेश में हर दिन 20-22 बहनों के साथ रेप केस होते हैं। 1 जनवरी 2024 से 20 जून 2025 तक 10840 रेप के मामले सामने आए हैं। हर दिन दो मासूम बच्चियां दुष्कर्म का शिकार हो रही हैं। एससी, एसटी बच्चियां और महिलाएं पीड़िताएं हैं और इसके पीछे कोई न कोई बीजेपी के कार्यकर्ता और नेता होता है। नशा, ड्रग्स के भोपाल में इस साल 4-5 केस हुए, उनमें बड़े-बड़े लोगों के नाम आए और सब भाजपा नेताओं के साथ खड़े दिखे हैं। पटवारी ने प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार, अपराध नियंत्रण में विफलता और राजनीतिक संरक्षण के आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार जनहित में नहीं बल्कि दलाली और सौदेबाजी की राजनीति कर रही है। उन्होंने महिला अपराध को कहा कि विधान सभा मानसून सत्र में किए गए प्रश्न का सीएम ने लिखित में जवाब दिया है। जीतू पटवारी ने कहा कि यहां ट्रांसफर फैक्ट्री चलाई जा रही है। पटवारी ने कहा कि आपके पास 377 आईएएस हैं, 42 प्रतिनियुक्ति पर हैं, अब बचे 335 में से 200 ऑफिसर्स के तबादले बार-बार हो रहे हैं।

क्या ड्रग्स कारोबार को शह दे रहे मंत्री और सरकार

कांग्रेस नेता ने कहा कि भोपाल में एक परिवार का मकान तोड़ने की कार्रवाई की गई (शारिक मछली पर हुई कार्रवाई), सब बीजेपी नेताओं के साथ दिखते रहे हैं। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या मंत्री और सरकार ड्रग्स के इस कारोबार को शह दे रहे हैं। शराब कारोबार देखा जाए तो शिवराज जी के कार्यकाल से आपके दो साल का शराब कारोबार देखा जाए तो, डेढ़ गुना ज्यादा कारोबार आपकी सरकार में है। उन्होने कहा कि इसका क्या मैसेज है, क्या आपने प्रदेश को शराबयुक्त कर दिया। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था धराशायी है।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस नेता की हत्या

कोलकाता, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में दो अज्ञात हमलावरों ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता पिंटू चक्रवर्ती उर्फ पिंटू की बेरहमी से हत्या कर दी है। पुलिस ने इसकी पुष्टि की। पार्टी सूत्रों के अनुसार चक्रवर्ती एक व्यवसायी और कोन्नगर में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली कनाईपुर पंचायत समिति के सदस्य थे। चक्रवती पर मंगलवार को बाजार में धारदार हथियारों से हमला किया गया। वह अपनी गैस एजेंसी की दुकान बंद करके पार्टी की एक बैठक में शामिल होने जा रहे थे।

चक्रवती को पास के एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया जहाँ गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। चक्रवती की हत्या के साथ इस महीने राज्य के विभिन्न हिस्सों में सत्तारूढ़ दल के कुल छह नेताओं की हत्या हो चुकी है। पुलिस ने जाँच शुरू कर दी है और कहा है कि अपराधियों की पहचान और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

ओडिशा के ढेंकनाल में जंगली हाथी ने तीन लोगों को रौंदा

भुवनेश्वर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के ढेंकनाल जिले के जंगल से सटे बाघधरिया गांव में गुरुवार तड़के एक जंगली हाथी ने जबर्दस्त उत्पाद मचाया जिसमें एक महिला समेत तीन लोगों को रौंद दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस घटना के बाद हाथियों के हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर अब पांच हो गयी है। इस बीच घटना में स्थानीय निवासियों की दुखद मौत के बाद क्षेत्र में लोगों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया और लोगों ने सतमाइल चौक के पास सड़क जाम कर दिया जिससे कई घंटों तक यातायात बाधित रहा। स्थिति तनावपूर्ण होते ही प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के मुताबिक ढेंकनाल वन प्रभाग के अंतर्गत हिंडोल वन क्षेत्र में एक उत्पाती हाथी ने तीन स्थानीय निवासियों को रौंद कर मार डाला। पीड़ित पास के जंगल में लघु वनोपज इकट्ठा करने गए थे। उत्पाती नर हाथी ने उन्हें सूंड से उठाकर हवा में उछाल दिया जिससे पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गयी। अधिकारियों ने बताया कि उनके सिर में गंभीर चोटें आई और अधिक खून बहने के कारण तीनों की मौत हो गयी। हिंडोल के उप जिलाधिकारी प्रवेश कुमार बेउरिया ने बताया कि तड़के इस घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दी। वे भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए ठोस उपाय करने की मांग कर रहे थे।

■ हाथियों के हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हुई

पर्यटन | जम्मू-कश्मीर में फिर खुशियों की चढ़ाई चढ़ने लगा पर्यटन

राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत बुनियादी ढांचे का हो रहा विकास

जम्मू, 31 जुलाई (देशबन्धु)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद हालिया सुरक्षा चिंताओं के बावजूद, केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में पर्यटन पुनरुद्धार की एक बड़ी पहल को आगे बढ़ा रही है। इस क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को पूरी तरह से उजागर करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नए निवेश, बुनियादी ढांचे के उन्नय व प्रचारात्मक प्रयासों का संयोजन किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि।

इस पहल का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित, आकर्षक और साल भर आने वाला पर्यटन स्थल बनाना है। पर्यटकों का विश्वास बहाल करने के लिए पर्यटन अधिकारियों और सुरक्षा बलों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

एक अधिकारी के बकौल, स्वदेश दर्शन और प्रसाद जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से हो रहा है। इन सुधारों में गुलमर्ग, सोनमर्ग, पहलगाम और श्रीनगर जैसे प्रमुख स्थलों पर बेहतर सड़क संपर्क, स्वच्छता, पर्यटक सुविधाएँ और साइनेज शामिल हैं। सरकार प्रचारात्मक प्रयासों को जोरदार बढ़ावा दे रही है। देखो अपना देश, चलो इंडिया और भारत पर्व जैसे अभियान जम्मू कश्मीर की सुंदरता, विरासत और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करने में मदद कर रहे हैं। दुनिया भर के पर्यटकों और टूर ऑपरेटरों को आकर्षित करने के लिए अतुल्य भारत कंटेंट हब के माध्यम से मीडिया के माध्यम से उच्च-परिभाषा वीडियो, चित्र और ब्रोशर का प्रचार किया जा रहा है।

■ प्रचारात्मक प्रयासों को जोरदार बढ़ावा दे रही सरकार

इस पर्यटन प्रोत्साहन की एक प्रमुख विशेषता विविधीकरण है। पारंपरिक ग्रीष्मकालीन गंतव्य के अलावा, अब शीतकालीन खेलों, लंबी पैदल यात्रा, स्पा ब्रेक, ग्रामीण पर्यटन और फ़ूड ट्रेल्स पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। बहु-मौसम और थीम-आधारित पर्यटन की ओर इस व्यापक प्रयास का उद्देश्य छोटे यात्रा सीजन पर निर्भरता को कम करना और सभी मौसमों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

जमीनी स्तर पर, इस अभियान में स्थानीय लोगों के बीच क्षमता विकास शामिल है। अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता, सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी), और पर्यटन मित्र जैसे कार्यक्रम युवाओं, महिलाओं और उद्यमियों को आतिथ्य, मार्गदर्शन और ग्राहक सेवा में प्रशिक्षित कर रहे हैं। मानव संसाधन प्रोत्साहन का उद्देश्य कुशल पेशेवरों का निर्माण करना है जो बढ़ते पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देंगे और इससे लाभान्वित होंगे। सुरक्षा एक चिंता का विषय है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि पर्यटन अर्थव्यवस्था को स्थिर और विकसित करने की समग्र प्रक्रिया के हिस्से के रूप में इसका समाधान किया जा रहा है। पर्यटन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम किसी छिटपुट घटना को अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण से भटकने नहीं देंगे। हमारी पहल सिर्फ़ मार्केटिंग नहीं है, बल्कि पर्यटन के लिए एक पूर्ण और सुरक्षित वातावरण तैयार करना है।

उल्टा पुल्टा

व्यक्ति : (रेलवे के पूछताछ खिड़की पर) आपने अभी कहा कि ट्रेन टाइम पर आ रही है...।
अधिकारी : हां, सही है...।
व्यक्ति : लेकिन इससे पहले तो ट्रेन पटरी पर आया करती थी...।

‘विकसित दिल्ली’ की ओर अग्रसर राजधानी

■ निर्माण से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर कई आवश्यक बदलाव व महत्वपूर्ण निर्णय लिए

नई दिल्ली, 31 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली में विकास कार्यों की गति बढ़ाने, उसमें अधिक पारदर्शिता लाने और आर्थिक व्यवधान को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निर्माण से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर कई आवश्यक बदलाव व महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि इन निर्णयों से तेजी से विकास कार्य होंगे और राजधानी आसानी से ‘विकसित दिल्ली’ की ओर अग्रसर होगी। इन निर्णयों से संबंधित एजेंसियों पर बेवजह का बोझ घटेगा, साथ ही निर्माण कार्य करने वाली कंपनियों को आर्थिक परेशानियों से छुटकारा भी मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि पिछले कई सालों से दिल्ली में निर्माण कार्य नहीं हो रहे थे, या उनकी गति धीमी थी, जिसके चलते राजधानी की हालात बुरी हो गई थी।

हमारी सरकार ने आते ही विकास कार्यों की गति तेज करने के प्रयास शुरू किए। हमे जानकारी मिली कि अगर निर्माण कार्यों को लेकर कुछ बदलाव कर दिए जाएं तो ये कार्य तेज गति पकड़ सकते हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार इसके लिए वह लगातार संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर रही थीं, उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी विचार-विमर्श किया और निर्माण करने वाली कंपनी व कॉन्ट्रेक्टरों से भी समस्याएं जानीं और लगातार समीक्षा की गई। जिसके बाद निर्माण कार्य से जुड़े कुछ नियमों में बदलाव किया गया। जो बदलाव किए गए, वे इस प्रकार हैं।

निर्माण कार्यों में पारदर्शिता आएगी, भुगतान की प्रक्रिया भी सुगम होगी : रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री विकास निधि सीएमडीएफ

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि इस निधि का उद्देश्य दिल्ली के बुनियादी ढांचे की ज़रूरतों को पूरा करना है। इस योजना को 2025-26 में लागू करने के लिए दिल्ली सरकार के योजना विभाग को 1400 करोड़ रुपये का बजट दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिन विधायकों को अपने क्षेत्र में किसी विकास कार्य के लिए धनराशि की आवश्यकता होगी, वह अब इस निधि से राशि ले सकते हैं। एक प्रोजेक्ट की अधिकतम लागत 10 करोड़ रुपए तय की गई है। यह योजना स्थानीय स्तर पर विकास के लिए लचीला और गतिशील तंत्र प्रदान करेगी। इसकी विशेषता यह भी है कि प्रशासनिक विभाग, स्थानीय निकाय और स्वायत्त संस्थाएं अपने प्रशासनिक सचिवों के माध्यम से परियोजनाओं के प्रस्ताव तैयार करने के लिए जिम्मेदार होंगी, जो दिल्ली मुख्यमंत्री के निर्देशों पर आधारित होंगे। बड़ी बात यह भी है कि योजना विभाग प्रोजेक्ट की कुल राशि का 50 प्रतिशत अग्रिम देगा और शेष 50 प्रतिशत काम पूरा होने के बाद जारी किया जाएगा। यह भुगतान कार्य की प्रगति, उपयोग प्रमाणपत्र और पूर्णता प्रमाणपत्र के आधार पर संबंधित विभाग या एजेंसी को किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार की इस योजना के अंतर्गत विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्य करवाते हैं। इस योजना में अब भुगतान जारी करने के मामले में बड़ा बदलाव किया गया है। इन विकास योजनाओं के लिए शहरी विकास विभाग धनराशि जारी करता है। अब पहली किश्त, यानी अनुमानित राशि का 10 प्रतिशत कार्य स्वीकृत करते समय कार्यकारी एजेंसियों को जारी किया जाएगा। दूसरी किश्त यानी पहले जारी की गई 10 प्रतिशत राशि को जोड़कर निविदा राशि का 50 प्रतिशत आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर जारी किया जाएगा।

इसका अर्थ यही है कि कार्य शुरू होते ही प्रोजेक्ट की कुल राशि की आधी धनराशि जारी कर दी जाएगी। बाकी 50 प्रतिशत धनराशि कार्य पूरा होने पर जारी कर दी जाएगी। इसका बड़ा लाभ यह होगा कि निर्माण करने वाली कंपनी या कॉन्ट्रेक्टरों को अपना भुगतान पाने में बहुत अधिक समय नहीं लगेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि क्षेत्रीय विधायक अपने फंड से विकास कार्य अब दिल्ली नगर निगम से भी करा सकेंगे।

डीएसआर 2023 को लागू किया गया

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि अब निर्माण कार्यों के लिए दिल्ली दर अनुसूची (डीएसआर) 2023 को फॉलो किया जा रहा है, जबकि अभी तक डीएसआर- 2016 लागू थी। बीच में इसमें कुछ बदलाव किए गए लेकिन वह परिपूर्ण नहीं थे। असल में डीएसआर विभिन्न निर्माण वस्तुओं, सामग्रियों और श्रम के लिए दरों की एक विस्तृत सूची प्रदान करता है, जो लागत अनुमान और निविदा प्रक्रियाओं के लिए एक मानक संदर्भ के रूप में कार्य करता है। यह सीपीडब्ल्यूडी द्वारा प्रकाशित है किया जाता है। चूंकि अब वर्ष 2023 लागू कर दिया गया है तो कॉन्ट्रेक्टर कंपनी को उपरोक्त वर्ष के हिसाब से निर्माण सामग्रियों, श्रम दरों का भुगतान किया जाएगा। इसका एक लाभ यह होगा कि बड़ी कंपनियां भी अब विकास कार्य करने में रुचि दिखाएंगी।

हॉट एयर बैलून में जल्द सफर कर सकेंगे दिल्लीवासी

■ परियोजना के लिए डीडीए ने किया एजेंसी का चयन

नई दिल्ली, 31 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली के लोगों को जल्द ही पहली बार हॉट एयर बैलून में सवार होकर राजधानी की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने का मौका मिलेगा। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने इस परियोजना के लिए एक एजेंसी का चयन किया है ताकि राष्ट्रीय राजधानी और इसके प्राकृतिक दृश्यों के ईको-टूरिज्म, मनोरंजनात्मक गतिविधियों और अनूठे एरियल दृश्य को बढ़ावा दिया जा सके।

दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वी के सक्सेना के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में इस पूरी अवधारणा की परिकल्पना गई है। हॉट एयर बैलून परियोजना जिन स्थानों पर क्रियान्वित की जाएगी, वे हैं यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, कॉमनवेल्थ गेम्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और यमुना तट पर असिता और बांसेरा। यह कार्य तीन वर्षों के लिए सौंपा गया है, जिसे अधिकतम नौ वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है। हॉट एयर बैलून के संचालन के लिए एजेंसी को प्रत्येक स्थल पर 3600 वर्ग मीटर (60 गुणा 60 मीटर) जगह उपलब्ध कराई जाएगी। एजेंसी द्वारा दो महीने में कार्य शुरू किया जाएगा। प्रतिदिन चार घंटे की उड़ान की अनुमति होगी। हालांकि, डीडीए आवश्यकतानुसार इस अवधि को बढ़ा भी सकता है। निजी कंपनी राजस्व साझाकरण मॉडल पर बैलून राइड का संचालन करेगी और मूल्य का निर्धारण डीडीए की स्वीकृति से तय किया जाएगा। पारदर्शिता और उचित रिकॉर्ड रखने के लिए, टिकटों से प्राप्त आय डीडीए के खाते में जमा की जाएगी। डीडीए ने यमुना नदी के पुनरुद्धार पर व्यापक रूप से काम किया है और इसके तट पर कई परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं, जिनमें असिता भी शामिल है, जो कभी अतिक्रमित भूमि थी और अब हरे-भरे सुंदर परिदृश्य में परिवर्तित हो गई है।

इसके अतिरिक्त, डीडीए ने सराय काले खां में बांसेरा बैम्बू पार्क विकसित किया है, जो पहले सी एंड डी वेस्ट डंपिंग साइट था। अब इसे 30,000 से अधिक बांसों, तीन जलाशयों और एक संगीतमय फव्वारे के साथ एक बैम्बू-थीम्ड पार्क में परिवर्तित किया गया है।

सार संक्षेप

सैंटर फॉर सिविल सोसाइटी ने किया वेबिनार का आयोजन

नई दिल्ली। नॉन-प्रॉफ़िट थिंक टैंक और पब्लिक पॉलिसी के ज़रिए समाज में बदलाव लाने वाली प्रमुख संस्था सैंटर फॉर सिविल सोसाइटी ने एक वेबिनार आयोजित किया। वेबिनार का उद्देश्य था भारत की स्कूल गवर्नेंस आर्किटेक्चर को समझना और यह जानना कि इसे नेशनल एजुकेशन पॉलिसी एनईपी 2020 की सोच डीसेंट्रलाइजेशन, फंक्शनल क्लैरिटी और इंस्टिट्यूशनल ऑटोनॉमी के अनुसार कैसे बदला जा सकता है। वेबिनार का संचालन अमित चंद्रा, सीईओ, सैंटर फॉर सिविल सोसाइटी ने किया। पैनलिस्ट्स में गुरचरण दास, पब्लिक इंटेलेक्चुअल और ऑथर, कपिल खुराना, सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन, प्रो. गीता गांधी किंगडन, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, लीना वाडिया, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रांस डिसिप्लिनरी हेल्थ साइंसेज़ एंड टेक्नॉलॉजी, प्रो. प्रणति पांडा, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन शामिल थे।

जुलाई में 29 दिन वायु गुणवत्ता संतोषजनक : सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को कहा कि सरकार ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए और इसका परिणाम है कि जुलाई में 31 में से 29 दिन ‘गुड’ या ‘संतोषजनक’ श्रेणी में वायु गुणवत्ता दर्ज हुई। सिरसा ने कहा, हमने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारी टीमें चौबीसों घंटे सातों दिन जमीन पर काम कर रही हैं। वन महोत्सव से हरियाली बढ़ाने, धूल नियंत्रण, ऑटोमैटिक मिस्टिंग, मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग और कचरे के पहाड़ हटाने के लिए बायो-माइनिंग तक, हर कदम असरदार परिणाम दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह सुधार केवल मौसम का असर नहीं, बल्कि तकनीक आधारित योजनाओं को लागू करने का नतीजा है।

चार साल बाद दिल्ली पुलिस को यूटी कैडर का कमिश्नर तो मिला लेकिन अस्थायी

■ जोगेंद्र सोलंकी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (देशबन्धु)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एसबीके सिंह को दिल्ली पुलिस कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। 1988 बैच के एजीएमयूटी कैडर के अधिकारी एसबीके सिंह 1 अगस्त, 2025 से दिल्ली पुलिस कमिश्नर के रूप में कार्यभार संभालेंगे। गृह मंत्रालय ने चार साल बाद एजीएमयूटी कैडर के अधिकारी को पुलिस आयुक्त तो बनाया है लेकिन उनकी सेवानिवृत्ति का समय केवल पांच माह बचा है।

हालांकि ये भी माना जा रहा है कि वे सरकार की अपेक्षाओं पर खरे उतरे तो इन्हें एक या दो साल का सेवा विस्तार देकर पूर्णकालिक प्रभार सौंप भी सकता है। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को भारतीय पुलिस सेवा के 1988 बैच के वरिष्ठ अधिकारी एसबी को दिल्ली पुलिस आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। सिंह ने अपने 30 वर्षों के करियर में दिल्ली पुलिस, रॉ, अरूणाचल प्रदेश, पुडुचेरी जैसी कई अहम जगहों पर अपनी सेवाएं दी हैं। सिंह वर्तमान में महानिदेशक होमगार्ड्स (दिल्ली पुलिस) के पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा, जो तमिलनाडु कैडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, गुरुवार को रिटायर हो गए। उन्होंने 1 अगस्त, 2022 को राकेश अस्थाना के स्थान पर दिल्ली पुलिस आयुक्त का पद संभाला था। एसबीके सिंह की नियुक्ति प्रशासनिक फेरबदल के तहत की गई है और सिंह अगले आदेश तक दिल्ली पुलिस के नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे। सिंह ने अपने करियर के शुरुआती वर्षों में एसीपी करोल बाग, फिर एडिशनल डीसीपी साउथ, डीसीपी नॉर्थ-ईस्ट और डीसीपी सेंट्रल के रूप में कार्य किया। वे आर्थिक अपराध शाखा के प्रमुख भी रह चुके हैं।

वे क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त रहे, उन्होंने विशेष पुलिस आयुक्त (इंटेलिजेंस एवं सिक्योरिटी) तथा स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर के पद रहते हुए 14 में से 7 जिलों के 85 पुलिस थानों की निगरानी संभाली। वह 2015 गणतंत्र दिवस के मौके पर भारत आए अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की यात्रा के सुरक्षा प्रमुख थे। इसी वर्ष इंडो-अफ्रीका फोरम समिट (अक्टूबर 2015) की सुरक्षा व्यवस्था की भी निगरानी उन्होंने की, जिसमें 54 देशों के राष्ट्राध्यक्ष/प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

■ एसबीके सिंह ने संभाला पुलिस आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार

■ नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पुलिस एवं ड्रोन एक्सपो 2025 में प्रदर्शित हथियार का अवलोकन करते लोग। छाया : इम्तियाज खान।

माले गांव विस्फोट मामले में हुई न्याय की जीत : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, 31 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गुरुवार को एनआईए के स्पेशल कोर्ट द्वारा मालेगांव केस को लेकर सुनाए गए फैसले का स्वागत किया है और कहा है कि हिंदू आतंकवाद की थ्योरी की हार और न्याय की जीत हुई है। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि झूठे केस में हिंदुओं को निशाना बनाकर उन्हें फंसाया गया जो इस केस के फैसले ने आज साबित कर दिया है। उन्होंने माँग की है कि झूठा मुकदमा चलाने वाले लोगों के ऊपर कुकदमा दर्ज होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकियों को बचाने के लिए कांग्रेस ने भगवा आतंकवाद की जो झूठी कहानी रची थी वह षड्यंत्र आज तार-तार हो गया है। राहुल गांधी समेत सभी कांग्रेसी नेताओं को केवल हिंदू समाज से ही नहीं अपितु सम्पूर्ण देश से माफी मांगनी चाहिए। सचदेवा ने कहा कि भगवा आतंक और हिंदू आतंक कहने वाले आज पूरे हिंदुस्तान से माफी मांगे।

■ एनआईए कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

दिल्ली नगर निगम के 248 कर्मचारी सेवानिवृत

नई दिल्ली, 31 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम के 248 कर्मचारी आज सेवानिवृत हुए। दिल्ली नगर निगम के सिविक सेंटर मुख्यालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों को प्रशस्ति पत्र, पी पी ओ शीट, लीव एनकैशमेंट के चेक दिये गए। सभी जोन में भी सेवानिवृत कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत कर्मचारियों को दीर्घायु और स्वस्थ रहने की कामना की गई। सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाओं के साथ-साथ सुखमय जीवन की कामना करते हुए पौधे भी भेंट किये। इस अवसर पर निगम के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहें।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी हेतु सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/माल भाड़ा, दिल्ली डिवीजन, उत्तर रेलवे, रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2022/टीसी(एफएम)/10/04 दिनांक 13.06.2022 और रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2024/RS(G)/779/7(E3471089) दिनांक 13.08.2024, के अनुसार दिल्ली मंडल के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली निम्नलिखित ट्रेनों में एसएलआर कम्पार्टमेंट और पार्सल वान (राउंड ट्रिप के आधार पर) के स्थान को 02 वर्षो के पट्टे पर देने के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित की जाती है:

क्रम संख्या	ई-नीलामी के आरम्भ होने की तिथि तथा समय	एस्सेट्स जिनकी नीलामी की जानी है
1.	06.08.25 को 10:30 बजे	01 LVPH (24 tonnes) on round trip basis in each train – 12454/12453, 20408/20407
2.	07.08.25 को 10:30 बजे	03256 (F1), 12034 (F1), 12457 (F1, F2 & R1) , 12497 (F1), 12820 (F1), 12874 (F1), 12876 (F1), 12878 (F1), 12963 (F1), 14164 (F1), 14507 (F1, F2 & R1), 14679 (F1), 14681 (F1), 22429 (F1)
3.	08.08.25 को 10:30 बजे	12002 (F1), 12005 (F1), 12011(F1), 12013 (F1), 12017 (F1), 12040 (F1), 12057 (F1), 12191 (F1, F2), 12215 (F1), 12455 (F1), 12481 (F1), 12816 (F1), 12818 (F1), 12826 (F1), 14053 (F2 & R1), 22421 (F1, F2 & R1)
4.	12.08.25 को 10:30 बजे	12015 (F1), 12428 (F1), 12448 (F1), 12524 (F1), 12802 (F1), 14087 (F1, F2 & R1), 14731 (F1), 20452 (F1), 20958 (F1), 22210 (F1), 22472 (F1, F2 & R1)

महत्वपूर्ण सूचनाः 1. ई-नीलामी के विभिन्न पहलुओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को **https://www.ireps.gov.in/html/helpdesk/learning_centre.html.** (e-Auction leasing section) पर जाने की सलाह दी जाती है।

2. रेलवे प्रशासन किसी भी समय इन निविदाओं/अनुबंधों को समाप्त करने का सम्पूर्ण अधिकार रखता है या इनके संबंध में किसी संशोधन अथवा अतिरिक्त नियमों और शर्तों के साथ इन निविदाओं अथवा अनुबंधों के बीच में ही समाप्त करने अथवा जारी रखने के संबंध में, जो की इन ट्रेनों के जारी रहने अथवा समाप्त होने कि स्थिति पर निर्भर करता है। **2334/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जल ही जीवन है

दिल्ली नगर निगम के 15 सौ से अधिक प्राथमिक स्कूलों की हालत जर्जर

■ देवेन्द्र यादव ने निगम के स्कूलों की जर्जर हालत पर उपराज्यपाल व मेयर को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 31 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली नगर निगम के 1500 से अधिक प्राथमिक स्कूलों की जर्जर हालत पर चिंता व्यक्त करते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली के मेयर को गुरुवार को पत्र लिखकर आगाह किया कि मासूम बच्चों की जिंदगी बचाने के लिए निगम स्कूलों की ढ़ांचागत हालात को सुधारने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करें। देवेन्द्र यादव ने पत्र के माध्यम से बताया कि 30-50 वर्ष पुराने भवनों में चल रहे 1500 में से चल 1185 स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 7.8 लाख छात्रों का जीवन संकट में है। 16 जुलाई को स्थाई समिति की बैठक में स्कूलों की जर्जर हालत और स्कूल भवनों में पानी भरने का मामला उठाया परंतु कोई ठोस निर्णय निर्णय सामने नहीं आया। दिल्ली नगर निगम क्या दिल्ली में भी राजस्थान के झालावाड़ जिला के पीपलोदी गांव के स्कूल हादसे जैसी घटना का इंतजार कर रहा है, जहां स्कूल की छत गिरने पर 7 बच्चों की मौत हो गई।

कांग्रेस नेता देवेन्द्र यादव ने कहा कि इस वर्ष निगम स्कूलों के लिए 1693 करोड़ से अधिक बजट का प्रावधान है जो पिछले वर्ष के बजट से 48.2 करोड़ अधिक है।

मासूम बच्चों की जिंदगी बचाने को निगम स्कूलों की ढ़ांचागत हालात को सुधारने के लिए तुरंत करे हस्तक्षेप : देवेन्द्र यादव

हर वर्ष हो रहीं निगम स्कूल की इमारत गिरने की घटनाएं

कांग्रेस नेता देवेन्द्र यादव ने कहा कि निगम स्कूल की बिल्डिंग गिरने की घटनाएं हर वर्ष हो रही है। इस वर्ष 17 मई को मोतिया खान चौक के पास हरि मंदिर स्कूल की दीवार गिर गई, पांच कारें क्षतिग्रस्त हुई। 10 अगस्त, 2024 को डिचांउ क्षेत्र में भारी बारिश के कारण निगम स्कूल की दीवार गिरने से दो लोग घायल हुए। 12 अगस्त 2024 को अशोक नगर के सरकारी स्कूल की दीवार गिरने कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए। 23 सितम्बर, 2023 को पूर्वी दिल्ली के दिलशाद गार्डन के क्षेत्र में बारिश के दौरान स्कूल की दीवार गिरने से 11 वाहन क्षतिग्रस्त हुए। देवेन्द्र यादव ने दिल्ली नगर निगम के जर्जर खतरनाक स्थिति में पहुंच चुके स्कूलों के भवनों के पुनर्निर्माण करने यथासंभव मरम्मत करने के संबंध में पत्र लिखकर दिल्ली के लोगों के कल्याण और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को जाहिर किया है।

DABUR INDIA LIMITED
Regd. Office: 8/3, Asaf Ali Road, New Delhi - 110 002
CIN - L24230DL1975PLC007908
Tel. No.: 011-23253488, Fax No.: 011-23222051
Website: www.dabur.com I E-mail: corpcomm@dabur.com

UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED JUNE 30, 2025

The consolidated and standalone unaudited financial results of the Company for the quarter ended June 30, 2025, approved by the Board of Directors in their meeting held on July 31, 2025, along with the Auditors` Limited Review Reports thereon (expressing an unmodified opinion), as filed with the Stock Exchanges under Regulations 33 and 52 of the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015 are available on the Stock Exchanges websites (www.bseindia.com & www.nseindia.com), the Company's webpage (www.dabur.com/investor/financial-information/results) and can also be accessed by scanning the following Quick Response Code.

For and on behalf of the Board of Directors

Place: New Delhi
Date: July 31, 2025

Mohit Burman
Chairman
DIN: 00021963

SPECIAL WINDOW FOR RE-LODGEMENT OF TRANSFER REQUESTS OF PHYSICAL SHARES

As mandated by SEBI a 'Special Window' has been allowed from July 07, 2025 to January 06, 2026 to facilitate re-lodgement of physical share transfer requests that were originally lodged before April 01, 2019 but were rejected/ returned due to deficiencies. Investors who missed the earlier cut-off of March 31, 2021, are encouraged to utilize this special window and submit the requisite documents to the Company/ Company's RTA - KFin Technologies Limited.

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी का संचालन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

रेलगाड़ी सं. 04081/04082 नई दिल्ली - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - नई दिल्ली आरक्षित एक्सप्रेस विशेष				06 फेरे
गाड़ी सं. 04081		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04082	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:45	नई दिल्ली	10:30	----
00:58	01:00	पानीपत	07:30	07:32
01:43	01:45	कुरुक्षेत्र जं.	06:48	06:50
02:32	02:40	अम्बाला छावनी	05:50	05:55
04:06	04:16	ढंडारी कलां	04:00	04:10
05:26	05:28	जलंधर छावनी	02:45	02:50
07:15	07:20	पठानकोट छावनी	00:45	00:50
09:15	09:25	जम्मू तवी	23:00	23:05
11:08	11:10	शहीद कप्तान तुषार महाजन	21:48	21:50
11:40	----	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	----	21:20

चलने के दिन: **04081 नई दिल्ली** से दिनांक 14, 15 एवं 16.08.2025 को तथा **04082 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा** से दिनांक 15, 16 एवं 17.08.2025 को।
स्थान: प्रथम वाता., वाता. 2 टीयर, वाता. 3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

2343/2025 पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच “

देर रात्रि में सभी अधिकारियों को फील्ड में भेजा गया इसके अलावा अन्य टीम भी जल भराव के हॉटस्पॉट पर बनी रही जिसमें जलकल विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की प्रात: होते ही अधिकारियों का निरीक्षण भी रहा जिसमें गौशाला अंडरपास जहां अत्यधिक आशंका भारी बारिश के दौरान जल भराव की रहती है निरीक्षण किया गया, मौके पर पूर्ण रूप से गौशाला अंडरपास व्यवस्थित मिला, क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में भी निरीक्षण किया गया: विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त।

एनसीआरटीसी ने वितरित किया सहायक व उद्यमिता उपकरण

गाजियाबाद, 31 जुलाई (देशबन्धु)। एनसीआरटीसी ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सहायक और उद्यमिता उपकरणों का वितरण किया। इस कार्यक्रम का आयोजन जापान फंड फॉर प्रॉस्पेरस एंड रेजिलिएंट एशिया एंड द पैसिफिक (जेएफपीआर) के तहत एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर एनसीआरटीसी की निदेशक (वित्त) नमिता मेहरोत्रा और एडीबी की कंट्री हेड मियो ओका समेत एनसीआरटीसी और एडीबी के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इस पहल के तहत दिव्यांगजनों को 108 व्हीलचेयर वितरित की गईं, जिससे उनकी गतिशीलता व आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। दैनिक गतिविधियों, परिवहन और कार्यस्थलों तक पहुंचने में आसानी होगी।

इसके साथ ही वे सामाजिक और पेशेवर क्षेत्रों में अधिक सक्रिय भागीदारी कर सकेंगे और रोजगार के नए अवसरों तक उनकी पहुंच भी आसान होगी। स कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को 24 सिलाई मशीनें भी प्रदान की गईं।

भारी बारिश के शुरू होते ही नगर आयुक्त ने सतर्क की टीम

- व्यवस्था बनाए रखने हेतु आधी रात मे सड़कों पर डटे रहे निगम अधिकारी
- स्वास्थ्य व जलकल विभाग ने संभाली कमान, जारी रही जल निकासी
- जल भराव हॉटस्पॉट स्थलों का नगर आयुक्त ने किया स्थलीय निरीक्षण

गाजियाबाद, 31 जुलाई (देशबन्धु)। गाजियाबाद में मूसलाधार बारिश के चलते जल भराव के हॉटस्पॉट स्थलों पर व्यवस्था बनाने के लिए रात्रि में निगम अधिकारी तथा टीम सड़कों पर डटी रही, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा रात्रि में भारी बारिश प्रारंभ होने पर टीम को सतर्क रहने के निर्देश दिए स्वास्थ्य तथा जलकल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व्यक्ति मौके पर व्यवस्था संभालने के लिए बनी रही जिनके द्वारा उपकरणों के माध्यम से जल निकासी का कार्य जारी रखा गया। अतिरिक्त उपकरण भी लगाए गए लगभग 90 पंप सेट के माध्यम से जल निकासी की कार्रवाई की गई, डायमंड फ्लाईओवर, यूपी गेट, लाल कुआं, भोपुरा क्षेत्र, अप्सरा बॉर्डर, सहित ऐसे स्थान जहां जल भराव की आशंका ज्यादा रहती है पंपसेट लगाकर जल निकासी समय से कराई गई रात भर मॉनिटरिंग वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की गई तथा नगर आयुक्त द्वारा भी चल रहे कार्यों का जायजा लिया गया, रात्रि के बाद सुबह से ही अधिकारी फील्ड में बने रहे जिनके द्वारा व्यवस्थाओं को संभालने का कार्य किया गया, गाजियाबाद नगर निगम की त्वरित कार्रवाई पर क्षेत्रवासियों ने भी सराहना की।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि देर रात्रि में सभी अधिकारियों को फील्ड में भेजा गया इसके अलावा अन्य टीम भी जल भराव के हॉटस्पॉट पर बनी रही जिसमें जलकल विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान मौके पर पूर्ण रूप से गौशाला अंडरपास व्यवस्थित मिला, क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में नालों की सफाई का विशेष रूप से ध्यान देते हुए जायजा लिया गया, सुशांत एक्वापोलिस, डूंडाहेड़ा गाजियाबाद सोसाइटी में भी पहुंचकर देखा गया जहां बिल्डर की लापरवाही से सड़क धंस गई, क्षेत्रीय निवासियों ने बताया एसटीपी की व्यवस्था न होने पर दुर्घटना हुई है जिसमें गाजियाबाद नगर निगम का किसी प्रकार की कोई भूमिका नहीं है संबंधित विभाग द्वारा मौके पर कार्रवाई कराकर अन्य क्षेत्रों में भी निरीक्षण कर निर्देश दिए गए, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र द्वारा रात्रि में सभी व्यवस्थाओं को संभालने का कार्य किया गया नगर आयुक्त द्वारा सरहाना की गई।

क्रासिंग रिपब्लिक में मिट्टी धंसने पर प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने लिया संज्ञान, किया मौके का निरीक्षण

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने क्रासिंग रिपब्लिक में देररात्रि में भारी वर्षा होने के कारण एनएच 24 से साहबेरी की तरफ जाने वाला नाला ओवर फ्लो होने से नाले का पानी अंसल सुशांत एक्वापोलिस इंटीग्रेटिड टाउनशिप के अंदर आने के कारण ग्रुप हाउसिंग भूखंड पर निर्मित एप्पल टावर के बेसमेंट में लगभग 25-25 फीट के एरिया में 15 फीट की गहराई में मिट्टी धंस जाने से 15 फीट गहरा गड्ढ़ा हो गया, जिससे वहां खड़ी गाड़ियां गड्ढे में चली जाने की घटना संज्ञान में आते ही अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान पाया गया कि टावर एप्पल 7 के बेसमेंट साईड खुला हुआ है, एवं मिट्टी कटाव को रोकने हेतु रिटेरिंग वाल का विकासकर्ता/निर्माणकर्ता द्वारा नहीं किया गया है। प्राधिकरण उपाध्यक्ष द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशत किया गया कि एनएच 24 साहबेरी मुख्य नाले से सीवर लाइन से अंसल सुशांत एक्वापोलिस इंटीग्रेटिड टाउनशिप में आने वाले पानी को तत्काल बंद कराया जाए।

उपाध्यक्ष ने ये भी निर्देशित किया गया कि एनएच 24 साहबेरी मुख्य नालों की सफाई कराने के लिए संबंधित विभाग को पत्र प्रेषित किया जाए, विकासकर्ता/निर्माणकर्ता के द्वारा बिना संपूर्ति प्रमाण प्राप्त किए टावर एप्पल 7 के आवंटियों को कब्जा दिए जाने से कारण विधिक कार्रवाई की जाए। सुरक्षा के दृष्टिगत एप्पल 7 के उन आवंटियों को, जिनके द्वारा कब्जा प्राप्त कर निवास किया जा रहा है, फ्लैट खाली करने का अनुरोध किए जाने के निर्देश दिए गए। सुविधाओं के विकसित न किए जाने एवं प्राधिकरण की देयता जमा न कराये जाने के कारण प्राधिकरण द्वारा विकासकर्ता के विरूद्ध थाना क्रासिंग रिपब्लिक में मुकदमा दर्ज कराई गई है।

गाजियाबाद : कई घंटों हुई बारिश से जनजीवन पर प्रभावित

- नगर निगम मुख्यालय में करंट उतरा, अफरा तफरी
- क्रासिंग रिपब्लिक में सड़क धंसी, कई वाहन क्षतिग्रस्त

गाजियाबाद, 31 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में बुधवार-गुरुवार की रात में कई घंटे तक लगातार हुए भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। गाजियाबाद नगर निगम के नवयुग मार्केट स्थित मुख्यालय में बिजली का करंट उतर आया। जिस कारण वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इतना ही नहीं स्टाफ भी निगम कार्यालय के बाहर हैं। हालांकि कर्मचारी फाल्ट को ठीक करने में लगे हैं।

बारिश के कारण जहां पूरे गाजियाबाद की सड़कें जलमग्न हो गई, वहीं क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके के सुशांत एक्वापोलिस, अंसल टाउनशिप, क्रॉसिंग रिपब्लिक के पास अंसल प्लाजा सोसाइटी में नाले के पानी से सड़क धंस गई है। सड़क धंसने से 8 से 10 गाड़ियां जमीन के अंदर धंस गई है। रात्रि में करीब तीन बजे हुए इस हादसे के बाद सुशांत लोक अपार्टमेंट के लोग क्रेन बुलाकर खुद ही गाड़ियों को निकलवा रहे हैं। इनका कहना है कि संबंधित विभागों को कई बार संपर्क किया गया लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रैंड में भी पानी भर गया है। इसके अलावा बारिश के कारण निचले इलाकों में लोगों के घरों में पानी भर गया है। कई इलाकों में बिजली की आपूर्ति भी बाधित हुई।

सार संक्षेप

मुठभेड़ में दो सगे भाई गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। ये दोनों सगे भाई है और मिलकर चोरी , छिनेती की घटना को अंजाम देते है। दोनों ने मिलकर दर्जन भर से ज्यादा वारदात की है। पुलिस इनका रिकार्ड अन्य जिला और राज्य भेज रही है। थाना सेक्टर-49 पुलिस सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के नीचे बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। पुलिस टीम द्वारा एक संदिग्ध बाइक पर सवार दो युवकों को रुकने का इशारा किया। जिस पर युवक बाइक को तेजी से वापस मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम बाइक का पीछा किया। युवकों की बाइक सेक्टर-50 नोएडा के पास फिसलकर गिर गई। अपने को घिरता देखकर युवकों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस टीम ने पहले वार्निंग दी। इसके बाद जवाबी फायर किया। एक बदमाश के पैर में गोली लगी। वो घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान गौरव पुत्र पप्पू निवासी ग्राम मोरना हुई। उसकी उम्र करीब 26 साल है। दूसरे बदमाश को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया।

बोट बाइक मामले में एक और फर्जीवाड़े का मुकदमा दर्ज

नोएडा। बोट बाइक में लोगों को निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में सामने आए नोबल को-ऑपरेटिव बैंक के सीईओ, मैनेजर समेत 9 पर एक और फर्जीवाड़े के आरोप के बाद केस दर्ज किया गया है। सेक्टर-24 में दर्ज हुई एफआईआर में आरोप है कि बैंक की किश्ते जमा करने के बाद आरोपियों ने मिलकर उसे एनपीए घोषित करने के बाद किश्ते जमा कराते हुए कब्जा कर लिया। बाद में आरोपी उनकी प्रॉपर्टी को सील करने के बाद सीईओ ने पत्नी के नाम करवा लिया। इस संबंध में सेक्टर-100 में दुकान चलाने वाले कालू सिंह चौहान के सीनियर पुलिस अधिकारियों से शिकायत के बाद बैंक के सीईओ विजय कुमार, मैनेजर हेमलता शर्मा, राघव भारद्वाज, गोविंद भारद्वाज, रमेश चंद्र गुप्ता, मेहर सिंह, रोहन कुमार पांडेय समेत अन्य पर केस दर्ज किया गया है। पीड़ित के अनुसार उन्होंने आरोपियों के बैंक से 2018 से 2019 के बीच 55 लाख रुपए का लोन लिया था। 2021 में कोविड के वक्त वह कुछ किश्ते जमा नहीं कर पाए थे। इस दौरान केंद्र सरकार के निर्देश के बाद भी आरोपियों ने उनके दोनों लोन अकाउंट का एनपीए घोषित कर दिया।

टेंपो चालक ने बाइक सवार को पीटा

नोएडा। सरेराह टेंपो चालक ने बाइक सवार को पीट दिया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ तो पुलिस ने संज्ञान लिया। आरोपित चालक को पकड़कर शांतिभंग में चालान कर दिया। चालक एक गैस एजेंसी का टेंपो चलाता है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुए 16 सेकेंड के वीडियो में हेलमेट पहने बाइक सवार और उसके पास एक नीली टीशर्ट पहने व्यक्ति खड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। कुछ दूरी पर गैस सिलेंडर से लदा टेंपो भी दिख रहा है। दोनों के आसपास कुछ लोग भी खड़े हैं। देखते ही देखते व्यक्ति बाइक चालक को पीटना शुरू कर देता है।

राजेंद्र नगर में अवैध निर्माण पर प्राधिकरण ने की कार्रवाई

- स्वीकृत मानचित्र से विचलन कर किया जा रहा था अतिरिक्त तल का निर्माण

गाजियाबाद, 31 जुलाई (देशबन्धु)। प्रवर्तन जोन-7 में आज दिनांक 31-07 2025 को प्रभारी प्रवर्तन जोन-7 के नेतृत्व में प्रभावी कार्रवाई करते हुए भूखंड संख्या-3/12, सेक्टर-5, राजेंद्र नगर साहिबाबाद पर वाद संख्या 78/अ.नि /जोन -07/23 दिनांक-10.01. 2023 निर्माणकर्ता विनोद कुमार कौशिक द्वारा स्वीकृत मानचित्र से विचलन कर किए गए अतिरिक्त तल के निर्माण को ध्वस्त किया गया है। प्रश्नगत भवन के दो तल अध्यासित थे, जिसे दृष्टिगत रखते हुए भवन को अध्यासन मुक्त कराने के लिए उपाध्यक्ष द्वारा पुलिस कमिश्नरेट, गाजियाबाद को प्रश्नगत भवन को अध्यासन मुक्त करने एवं ध्वस्तीकरण के समय शांति व्यवस्था बनाए रखने के हेतु पत्र प्रेषित किया गया था, जिसके क्रम में थाना साहिबाबाद से पर्याप्त पुलिस बल ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के समय स्थल पर मौजूद रहा।

अध्यासित भवन के निवासियों द्वारा काफी विरोध किया गया, परंतु पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध होने तथा पुलिस द्वारा उन्हें समझाने के उपरांत ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सम्पादित की गई। उक्त कार्रवाई के समय प्रवर्तन जोन -7 में तैनात सहायक अभियंता, अवर अभियंता व प्रवर्तन जोन-7 का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एक्सप्रेस वे के दोनों ओर बनेगी गहरी सीवेज लाइन

- 40 करोड़ में किया जाएगा काम, जारी होंगे टेंडर
- जल निगम को करना था काम

नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे समानांतर ग्रीन बेल्ट के दाय और बाय और चैनेज 10.30 किमी से 20 किमी तक गहरी सीवेज लाइन की मरम्मत का काम होगा। प्राधिकरण के जीएम जल आरपी सिंह ने बताया कि इसके लिए टेंडर जारी किया जा रहा है। कंपनी का चयन किया जाएगा इसके बाद गहरी सीवेज लाइन का काम होगा। हालांकि ये काम उप्र जल निगम को पूरा करना था। बतौर 2002 में इसके लिए नोएडा प्राधिकरण और उप्र जल निगम के बींच एमओयू साइन हुए थे। इस एमओयू को आंशिक रुप से निरस्त कर दिया गया है।

गहरी सीवेज लाइन का ये काम 40 करोड़ रुपए में किया जाएगा। जबकि इसी काम को जल निगम 63.36 करोड़ में 1.5 साल में पूरा करता। इसीलिए एग्रीमेंट को आंशिक निरस्त किया गया। इसका फैसला बोर्ड में लिया जा चुका है। इस एरिया में लगातार इंडस्ट्री, संस्थागत, आवासी और ग्रामीण आबादी बढ़ रही है। यहां पहले डाली गई सीवेज लाइन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। ऐसे में निकलने वाले सीवेज नोएडा एक्सप्रेस वे ग्रीन बेल्ट में जगह-जगह भर जाता है।

जलभराव की समस्या होगी समाप्त

सीवेज लाइन बन जाने के बाद एक्सप्रेस वे से जुड़े सेक्टर, गांव और सड़कों पर जलभराव की समस्या पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। प्राधिकरण ने बताया कि जल निगम से एग्रीमेंट के तहत एडवांट टावर से ग्रेटरनोएडा बार्डर तक दोनों तरफ चारों गहरी सीवेज लाइन का निर्माण जल निगम ने नहीं कराया। महज ग्रेविटी लाइन, राइजिंग लाइन व आरसीसी वेल का निर्माण किया गया। इसी बीच एक्सप्रेस वे तीनों अंडरपास, नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन और डीएफसीसीआईएल की वजह से ग्रेविटी लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। ये लाइन 2003-04 में डाई गई थी जो पूरी तरह से अक्रियाशील है।

आईआईटी प्रोफेसर के साथ बैठक

ड्रेनेज सिस्टम में सुधार व जल निकासी के बीच बाधा बन रहे बॉटलनेक पाइंट में सुधार के लिए आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर कमल जैन के साथ प्राधिकरण सीईओ और डीजीएम सिविल ने की। बैठक के बाद आईआईटी की टीम ने प्राधिकरण अधिकारियों के साथ ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण किया। इसकी एक विस्तृत सर्वे रिपोर्ट आईआईटी के द्वारा दी जाएगी। जिसके बाद यहां सुधार कार्य किया जाएंगे।

डीपीएस के स्कूल के पास सड़क हादसा

- एक्सयूबी ने ई रिक्शा व होंडा सिटी कार में मारी टक्कर, लोग घायल

नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा में सेक्टर-28 डीपीएस के पास तेज रफ्तार दिल्ली नंबर की महिंद्रा एक्सयूबी 700 मॉडल की कार के चालक ने पहले ई-रिक्शा चालक और एक अन्य कार में टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा चालक और दूसरी कार का चालक घायल हो गए। एक्सयूबी डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार के दोनों एयरबैग खुले थे। ऐसे में एक्सयूबी चालक को मामूली चोट लगी थी। बताया कि एक्सयूबी चालक ने शराब पी रखी थी। जिससे उसका नियंत्रण खो गया और पहले ई रिक्शा फिर सामने खड़ी दूसरी कार होंडा सिटी से टकरा गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त कार और ई रिक्शा को सड़क से हटाया। साथ ही घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। लोगों ने बताया कि कार पहले डिवाइडर पर बने शनि मंदिर से टकराई जिसके बाद वो ई रिक्शा और अंत में होंडा सिटी से टकरा गई। मंदिर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। जिस जगह ये हादसा हुआ उसके सामने डीपीएस स्कूल का मुख्य गेट भी है। स्कूल के बच्चे अंदर जा चुके थे। यदि स्कूल टाइमिंग पर सड़क दुर्घटना होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। फिहलाल पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। बता दे नोएडा में इससे पहले बीएमडब्ल्यू कार की टक्कर से पांच साल की बच्ची और उसके मामा की मौत हो चुकी है। जबकि पिता का इलाज अब भी किया जा रहा है।

बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर 142 तक होगा मेट्रो विस्तार

- सार्वजनिक निवेश बोर्ड में किया गया प्रजेंटेशन
- 2254.35 करोड़ रुपए किए जाएंगे खर्च

ग्रेटर नोएडा डिपो से बोडकी तक

केंद्र सरकार से इसी महीने ग्रेटर नोएडा डिपो स्टेशन से बोड़ाकी तक मेट्रो रूट को मंजूरी मिल चुकी है। इस रूट पर जुनपत और बोड़ाकी सिर्फ दो मेट्रो स्टेशन बनेंगे। बोड़ाकी में बड़ा स्टेशन बनाया जाएगा। एक्वा लाइन का ये सबसे छोटा मेट्रो विस्तार है। इसके लिए 2.6 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड ट्रैक बिछाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस रुट पर मेट्रो चलाने में 416 करोड़ रुपए का खर्च आएगा।

नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन का विस्तार होगा। बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक मेट्रो के लिए सार्वजनिक निवेश बोर्ड में एनएमआरसी के एमडी लोकेश एम ने प्रजेंटेशन दिया गया। एमडी ने बताया कि रिस्पांस पाजिटिव रहा। उम्मीद है अगले सप्ताह तक मंजूरी के लिए पत्र आ जाएगा। जिसके बाद टेंडर जारी कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।
प्रजेंटेशन के दौरान पूछा गया कि इस लाइन की वायबिलिटी क्या है कितने मुसाफिर इससे सफर करेंगे? पहले से जो लाइन चल रही है वह घाटे में फिर भी आप इस लाइन को लेकर उत्साहित है? इसी तरह कई प्रश्नों का जवाब एनएमआरसी के एमडी ने संबंधित अधिकारियों के समक्ष दिया। करीब एक घंटे तक प्रजेंटेशन दिया गया। जिसका रिस्पांस पॉजिटिव मिला।

1 लाख लोग करेंगे सफर नोएडा में बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक का 11.56 किमी का मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस रूट की डीपीआर पांच साल पहले तैयार की गई थी। रोजाना करीब 1 से 1.25 लाख लोग इस लिंक लाइन का प्रयोग करेंगे। इसके निर्माण में करीब 2254.35 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस मेट्रो कॉरिडोर पर बॉटेनिकल गार्डन, नोएडा सेक्टर-44, नोएडा ऑफिस, नोएडा सेक्टर-97, नोएडा सेक्टर-105, नोएडा सेक्टर-108, नोएडा सेक्टर-93, और पंचशील बालक इंटर कॉलेज स्टेशन बनाए जाएंगे। कॉरिडोर का आखिरी स्टेशन सेक्टर-142 होगा।

दस हजार भवनों को मिली स्थाई पहचान भवन स्वामियों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

■ सीपी पाठक

- अगस्त माह तक मिल सकते है 50 हजार मकानों को स्थाई पते मकान नंबर निकाय समिति अध्यक्ष संजीव गिरी

खोड़ा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। पिछले चालीस वर्षों से बने मकान अपना ही वजूद ढूंढते रह गए। लंबे अंतराल के प्रयास जिद्दोजहद धरना प्रदर्शन के उपरांत शायद रोशनी की एक किरण पड़ने की उम्मीद के सहारे लोगो का विश्वास नगर पालिका परिषद के प्रति जागृत होने की उम्मीद दिखाई पड़ने लगी है। खोड़ा नगर पालिका परिषद का जितना आकार क्षेत्रफल और आबादी है उससे दोगुनी बड़ी समस्याएं भी है। लोगो की अपेक्षाकृत संसाधनों का अत्यंत अभाव है। सभी समस्याओं का समाधान होना संभव नहीं है। बारह लाख विशाल आबादी वाली कॉलोनी के पचास हजार भवनों की अपनी ही पहचान नहीं है। फिर भी लोग मिल्क बूथ स्टेशनरी डेयरियों सीमेंट एजेंसी स्कूल चर्च मंदिर मस्जिद साइकिल चौक गेस्ट हाउस मेडिकल स्टोर अस्पताल विहार के नाम का सहारा लेकर बाहरी लोग भटकते हुए गंतव्य तक पहुंचते है।

घनी आबादी वाहनों की बढ़ती संख्या की वजह से रास्ते भी कम चौड़े और गलियां संकरी है। वर्ष 2017 से पहले कॉलोनी ग्राम पंचायत के रूप में जानी जाती थी। वर्ष 2017 के बाद नगर पालिका परिषद का दर्जा मिलने के उपरांत समस्याएं और बढ़ गई। बड़ी आबादी वाली कॉलोनी के लिए पेयजल की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया। लोग अभी भी पेयजल की किल्लत से परेशान है। दूसरी सबसे अहम समस्या मकानों के स्थाई पते की थी। पते के अभाव में रसोई गैस सिलेंडर चिट्ठी पत्री पास बुक चेक बुक आधार कार्ड पैन नंबर नियुक्ति पत्र पासपोर्ट आदि जरूरी कागजात घर तक नहीं पहुंचते। पुरजोर विरोध के उपरांत नगर पालिका परिषद द्वारा लगभग चार वर्ष पूर्व मकानों को स्थाई पते देने के लिए नोएडा की एक निजी फर्म रेनार्ड कॉरपोरेट सॉल्यूशन प्रालि को भवन स्वामियों से दो सौ रुपए लेकर स्थाई पते देने का कार्य सौंपा गया। चार सेक्टर और दस हजार भवनों पर स्थाई पते चस्पा करने के उपरांत नपा के पूर्व अधिकारियों पूर्व चेयरमैन और ठेकेदार के बीच लेनदेन के विवाद की वजह से छह सेक्टरों को अधूरा छोड़ दिया गया। स्थाई पते का कार्य अधर में लटकने की वजह से लोगो को निराशा का सामना करना पड़ा। बीते वर्ष बोर्ड बैठक में नगर पालिका परिषद की चेयरमैन मोहिनी शर्मा अधिशासी अधिकारी अभिषेक कुमार और सभासदों की मौजूदगी में निकाय क्षेत्र के भवनों को स्थाई पते दिए जाने के लिए छ सदस्यीय मकान नंबर निकाय समिति के गठन के उपरांत सभासद संजीव गिरी को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। निकाय समिति द्वारा भवनों को स्थाई पते के लिए सुझाव दिया गया। जून माह के अंदर कालोनी का नए सिरे से सर्वे करके दस सेक्टरों में विभाजित किया गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सेक्टर-1 प्रगति विहार प्रशांत गार्डेन मधु विहार महालक्ष्मी गार्डेन वंदना विहार सेक्टर 2 नेहरू गार्डेन वंदना एनक्लेव दीपक विहार अर्चना एनक्लेव सेक्टर 3 अनिल विहार आजाद विहार इंदिरा गार्डेन मात्रिका विहार शिव पार्क सेक्टर 4 राजीव विहार दामोदर विहार जमाईपुरा सरस्वती विहार खोड़ा गांव में स्थाई पते का कार्य पूरा कर लिया गया। आगामी दो तीन दिनों में सेक्टर 8 9 10 के तहत कार्य रेनार्ड कॉरपोरेट सॉल्यूशन के द्वारा शुरू किया जाएगा।

उवाच "

मामले में जांच के लिए केसीसी कॉलेज प्रबंधन को समिति बनाने को कहा है। पुलिस टीम भी अपनी जांच कर रही है। कॉलेज प्रबंधन की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी : **विनोद कुमार, कोतवाली निरीक्षक।**

देर रात बारिश के चलते ग्रेनो वेस्ट के आधा दर्जन से अधिक सोसाइटियों में भरा पानी

- **औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों में पानी भरने से करोड़ों का नुकसान**
- **बरसात के पानी को लेकर उद्यमी लगातार प्राधिकरण से लगाते रहे हैं गुहार**

ग्रेटर नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। रात भर हुई बारिश ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट की विभिन्न सोसायटी में प्रबंधन के द्वारा किए जाने वाले दावों की पोल खोलकर रख दिया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की अजनारा होम्स, सुपरटेक ईकोविलेज वन, राधा स्काई गार्डेन, परीचौक के पास स्थित एसडीएस एनआरआई सहित अन्य सोसायटी के बेसमेंट में एक से दो फीट तक पानी भर गया। बेसमेंट में खड़ी गाड़ियों में भी पानी घुस गया। पानी के कारण लोगों की गाड़ियां स्टार्ट नहीं हुई, गाड़ी तक पहुंचने में भी लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित अम्रपाली लीजर वैली में भारी बारिश के बाद एनबीसीसी द्वारा की गई निर्माण खामियों की पोल खुल गई है।

क्लब हाउस का गंदा पानी सीधे स्विमिंग पूल में गिर रहा है, जबकि अंडरग्राउंड एसटीपी पूरी तरह जलमग्न हैं। इतना ही नहीं, चार फीट पानी में डूबे हुए हाई वोल्टेज केबल गंभीर जानलेवा खतरा बन चुके हैं। डॉ. अवनीश गुप्ता, सचिव, ऐड-हॉक एओए ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर जल्द ही स्थिति नहीं सुधारी गई, तो भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों में शिकायत दर्ज की जाएगी और न्यायालीय हस्तक्षेप मांगा जाएगा। सुपरटेक इको विलेज वन सोसाइटी की बेसमेंट में पानी भर गया। बेसमेंट की पार्किंग में खड़ी हुई करीब एक दर्जन गाड़ियां पानी में आधी डूब गई। जिससे सेक्टर वासियों को काफी परेशानी हुई और वह अपनी गाड़ी निकालने का इंतजार करते रहे, हालांकि अब मेंटेनेंस टीम की तरफ से वहां पर पंप लगाया गया है और पानी को निकाला जा रहा है, लेकिन लोगों का कहना है कि उनकी गाड़ी पानी में डूबे रहने की वजह से खराब हो गई है।

अधिकारियों के द्वारा उद्यमियों के साथ नियमित बैठक की जाती है। उठाई जाने वाली सभी समस्याओं को हल कराने का आश्वासन दिया जाता है। उद्यमी पिछले कई साल से औद्योगिक क्षेत्र में जल भराव की समस्या को हल कराने की मांग कर रहे हैं, सबकुछ आश्वासन तक ही सीमित रह गया। आईबीए के अध्यक्ष अमित उपाध्याय ने बताया कि कंपनी में पानी घुसने से उद्यमियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

रात में हुई बारिश के बाद कासना, इकोटेक तीन औद्योगिक क्षेत्र में पानी भर गया। कई औद्योगिक इकाई के अंदर तक पानी प्रवेश कर गया। इस कारण करोड़ों रुपए के माल का नुकसान हुआ है। वहीं दूसरी तरफ बिस्नूली गांव के पास बने बिजली सब स्टेशन में भी पानी भर गया। इस कारण कई गावों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

बारिश के दौरान जलभराव से निपटने को मैदान में मुस्तैद रहे प्राधिकरणकर्मी

- **सीईओ ने जलभराव वाले जगहों पर टीमों को किया तैनात**
- **जलभराव की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच पानी निकाला**

ग्रेटर नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक तेज बारिश के चलते जलभराव की समस्या से निपटने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम सुबह से ही फील्ड में तैनात रही। वर्क सर्किल की टीम के साथ ही महाप्रबंधक, ओएसडी और एसीईओ भी फील्ड में घूमे। जलजमाव वाले जगहों पर पंप लगाकर पानी की निकासी कराई गई।

तेज बारिश के मद्देनजर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को फील्ड में रहने और जलजमाव की समस्या दिखते ही दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। लापरवाही करने पर सख्त कार्रवाई की हिदायत भी दी। सीईओ की चेतावनी का असर भी दिखा।

वर्क सर्किल में सुपरवाइजर से लेकर वर्क सर्किल प्रभारी तक, फील्ड में तैनात दिखे। अपने-अपने एरिया में जलभराव की निगरानी करते दिखे। एक्सपो मार्ट के पास स्थित अंडरपास हो या फिर डीएफसीसी अंडरपास, इन सभी जगहों पर पंप लगाकर जल निकासी कराई गई। सभी वर्क सर्किल की टीम अपने एरिया में जलभराव से जुड़ा अपडेट भी ग्रुप पर डालते रहे। जलभराव से निपटने के लिए खुद एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ सुमित यादव, ओएसडी अभिषेक पाठक, जीएम एके सिंह भी फील्ड में डटे रहे। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार गौतम, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम, वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शकर, वरिष्ठ प्रबंधक पीपी मिश्र, वरिष्ठ प्रबंधक रतिक सहित सभी वर्क सर्किल के प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, सुपरवाइजर आदि की टीम जुटी रही। हैबतपुर में रोड धंसने और शाहबेरी में रोड किनारे कटान की सूचना मिलते ही प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची और रिपेयर वर्क शुरू करा दिया है।

शहर के सेक्टर व पार्कों में जल भराव

- **नालियों की सफाई नहीं होने से सड़क पर भरा पानी**

ग्रेटर नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। देर रात बारिश ने एक बार फिर से शहर की व्यवस्था और प्राधिकरण के लापरवाही की पोल खोल दी है। इकोटेक-2,3, डेल्टा-2, गामा-1 से लेकर सूरजपुर कोर्ट तक जगह-जगह जलभराव, टूटी सड़कों और खराब सफाई व्यवस्था ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। इकोटेक-2,3 में सड़कें गहरे गड्ढ़ों से भरी पड़ी हैं।

बारिश के बाद इन पर घुटनों तक पानी भर गया है, जिससे वाहन चालकों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समाजसेवी मोहित भाटी ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में पहले जो निर्माण कार्य हुए थे, उनमें भारी

भ्रष्टाचार हुआ है और आज जनता उन घोटालों की सजा भुगत रही है। वहीं, डेल्टा-2 के एक पार्क में 10-12 घंटे से पानी भरा हुआ है। छोटे-छोटे बच्चे इस पार्क में खेलने आते हैं, लेकिन बारिश का पानी भरने के कारण यहां गंभीर हादसे का खतरा बना हुआ है। इससे पहले पी-3 सेक्टर के पार्क में जलभराव के चलते एक बच्चे की मौत हो चुकी है।

इसके बावजूद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी अब तक कोई कदम नहीं उठा पाए हैं। गामा-1 सी-ब्लॉक के पार्कों में भी पानी भरने के साथ-साथ पेड़ों की कटाई और गंदगी का ढेर लगा हुआ है, जिससे स्थानीय लोग खास नाराज हैं की पोल, सड़कें टूटीं, पार्क जलमग्न, सूरजपुर कोर्ट से लेकर शहर के अन्य हिस्सों में भी जलभराव और टूटी सड़कें आम जनता के लिए मुसीबत बन गई हैं। लोगों का कहना है कि बारिश के हर सीजन में यही हाल होता है, लेकिन प्राधिकरण आंखें मूंदे बैठा रहता है।

बीटेक छात्रा आत्महत्या के मामले में गठित हुई जांच समिति, दो प्रोफेसर निलंबित

ग्रेटर नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। नॉलेज पार्क स्थित जीएनआईओटी कॉलेज की बीटेक छात्रा के आत्महत्या के मामले की जांच के लिए केसीसी इंस्टीट्यट कॉलेज की ओर से गुरुवार को जांच समिति गठित की गई। समिति 10 अगस्त तक जांच कर अपनी रिपोर्ट बीटा-2 कोतवाली पुलिस को सौंपगी। प्रबंधन की ओर से मामले में दो प्रोफेसरों को निलंबित किया है। छात्रा खुशबू नॉलेज पार्क स्थित जीएनआईओटी कॉलेज से बीटेक प्रथम वर्ष में पढ़ती थी। मंगलवार रात फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। छात्रा के भाई का आरोप है कि केसीसी कॉलेज में 9 जुलाई को छात्रा परीक्षा देने गई थी। परीक्षा के दौरान शिक्षक ने सीट पर नकल की पर्ची मिलने की बात कहकर उसकी उत्तर पुस्तिका जब्त कर नई उत्तर पुस्तिका दी थी। तभी से छात्रा तनाव में चल रही थी। परीक्षा में अनुचित साधन एवं कदाचार (यूएफएम) लगा दी गई थी। इससे छात्रा को बैक लगने की आशंका थी और वह तनाव में थी। पुलिस की छानबीन में पता चला है कि खुशबू ने खुदकुशी करने से पहले अपने एक दोस्त को व्हाट्सऐप पर मैसेज किया था। इसके अलावा रजिस्टर में परिवार से जुड़ी कुछ बातों का जिक्र किया है। पुलिस मोबाइल और रजिस्टर में लिखे नोट की भी जांच कर रही है। कोतवाली निरीक्षक विनोद कुमार का कहना है कि मामले में जांच के लिए केसीसी कॉलेज प्रबंधन को समिति बनाने को कहा है। पुलिस टीम भी अपनी जांच कर रही है। कॉलेज प्रबंधन की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। केसीसी कॉलेज के डीन एवं चीफ वार्डन केशव कुमार झा ने बताया कि मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई है। दो प्रोफेसरों को निलंबित किया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद इसे पुलिस से साझा किया जाएगा। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों ने केसीसी कॉलेज प्रकरण में गुरुवार को डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

शारदा विवि समिति ने नहीं सौंपी आंतरिक जांच रिपोर्ट

शारदा विश्वविद्यालय में बीडीएस की छात्रा के आत्महत्या के मामले की जांच कर रही आंतरिक जांच रिपोर्ट ठंडे बस्ते में चली गई है। छात्रा के परिजन शुक्रवार को अपना बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस से मिलेंगे। बता दे कि गुरुग्राम निवासी छात्रा ज्योति शर्मा ने 18 जुलाई को छात्रावास में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। छात्रा ने सुसाइड नोट में सहायक और एसोसिएट प्रोफेसर पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने जांच के लिए पांच सदस्यों की टीम बनाई थी। लेकिन दो सप्ताह बीत जाने के बाद बावजूद जांच समिति अपनी रिपोर्ट नहीं सौंप पाई है।

नोएडा एयरपोर्ट के पास स्थाई पशु बचाव व पुनर्वास केंद्र का निर्माण शुरू

- **एक साल के अंदर पूरा होगा निर्माण कार्य, 10 हेक्टेयर में बन रहा पुनर्वास केंद्र**

ग्रेटर नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास 10 हेक्टेयर में स्थायी पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र के निर्माण कार्य शुरू हो गया है। एक साल के अंदर निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पांच हेक्टेयर यमुना प्राधिकरण और 50 हेक्टेयर वन विभाग की जमीन पर बन रहा है पशु बचाव पुनर्वास केंद्र। इसे केंद्रीच चिड़िया घर प्राधिकरण से पहले ही मंजूरी मिल चुकी थी। केंद्र का निर्माण हॉर्टिकल्चर विभाग कर रहा। यहां पर पशुओं के इलाज के लिए मेडिकल सेंटर, कमरे, शेड व डॉक्टर की टीम तक तैनात की जाएगी।

हॉर्टिकल्चर विभाग के निदेशक आनंद मोहन ने बताया कि टेंडर के तहत आवेदन की प्रक्रिया 15 से 21 अप्रैल निकाली गई थी। 23 अप्रैल को सुबह 11 बजे टेक्नीकल बिड खोली गई। जून में प्राधिकरण ने निर्माण कार्य के लिए वर्क अवार्ड कर दिया। जून के अंतिम सप्ताह में इसका निर्माण कार्य शुरू हो गया। कार्यदायी संस्था को एक साल के अंदर निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

बता दें कि वन्य जीव संस्थान देहरादून से जेवर में एयरपोर्ट के आसपास क्षेत्र में अध्ययन करवाया गया था। अध्ययन के तहत एयरपोर्ट

के 10 किलोमीटर क्षेत्र में आने वाले जीव-जंतुओं के संरक्षण पर रिपोर्ट मांगी गई थी। क्षेत्र के वन्य जीवों के संरक्षण की योजना और उनकी संख्या को भी जाना गया था। रिपोर्ट में बताया गया था कि जेवर में 258 काले हिरण और 176 सारस हैं। एयरपोर्ट के निर्माण के चलते इनका पारिस्थितिकी तंत्र बिगड़ेगा। इसके चलते इनके संरक्षण की जरूरत है। ऐसे में सेक्टर-17ए में धनौरी वेटलैंड के पास वन्य जीव संरक्षण केंद्र बनाने की योजना बनी थी। पहले इसे पांच वर्ष के लिए अस्थायी तौर पर विकसित किया जाना था। इसके बाद वन्य जीवों का दूसरी जगह पर विस्थापन किया जाता, लेकिन अगस्त में प्राधिकरण ने जमीन की लीज को 30 वर्ष तक बढ़ाकर स्थायी पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र बनाने पर सहमति बनी। अब प्राधिकरण की ओर से इसका निर्माण शुरू करने का निर्णय लिया और निर्माण कार्य के लिए टेंडर जारी किया।

> **पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र के लिए सेक्टर 17 ए में राजपुर गांव के पास बनाया जा रहा है। इसका निर्माण कार्य जून में शुरू हो गया है। एक साल में निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। यहां पर पशुओं के इलाज के लिए मेडिकल सेंटर, कमरे, शेड व डॉक्टर की टीम तक तैनात की जाएगी। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसके संचालन का जिम्मा वन विभाग को दिया जाएगा।**
> **शैलेंद्र भाटिया, विशेष कार्याधिकारी, यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण**

पहले वन विभाग को मिली थी जिम्मेदारी

पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र को बनाने के लिए पहले वन विभाग को जिम्मेदारी मिली थी, लेकिन अब इसे हॉर्टिकल्चर विभाग से बनवाने का फैसला लिया गया है।

बताया गया कि वन विभाग ने केंद्र को बनाने के लिए करीब आठ करोड़ का एस्टीमेट तैयार किया था, हालांकि अब हॉर्टिक्लचर इसे 341.93 लाख में तैयार करेगा। दावा है कि केंद्र में जानवरों के ठहरने से लेकर इलाज तक की सभी सुविधा होगी।

करंट की चपेट में आकर किसान की मौत

रबूपुरा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। सिंचाई के लिए खेतों पर गए किसान की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामले में कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। जानकारी अनुसार कोतवाली क्षेत्र के गांव कानपुर निवासी 40 वर्षीय लक्ष्मन गुरुवार सुबह अपने खेतों पर सिंचाई करने के लिए गए थे। बताया जाता है वह किसी प्रकार वहां लगी ट्यूबवेल पर करंट की चपेट में आकर गम्भीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम उटरावली में उप जिलाधिकारी जेवर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्रसंख्या/563एस०टी०-एस०डी०एम०/2024 दिनांक 31.07.2024 श्री जयंती प्रसाद पुत्र चन्दन सिंह, श्रीमती रामवती पत्नी जयंती प्रसाद नि० ग्राम उटरावली पर० व तह० जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर की मृत्यू दिनांक 30.07.2020, 04.01.2024 को हो चुकी है मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
उटरावली	271म 251म	श्री जयंती प्रसाद पुत्र चन्दन सिंह, श्रीमती रामवती पत्नी जयंती प्रसाद नि0 ग्राम उटरावली पर0 व तह0 जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर	ललित कुमार	पुत्र	29 वर्ष	विवाहित
			कौशिल्या	पुत्री	27 वर्ष	विवाहित
			शीतल	पुत्री	32 वर्ष	विवाहित
			बिसना	पुत्री	31 वर्ष	विवाहित
			सरस्वती	पुत्री	47 वर्ष	विवाहित
			मछला देवी	पुत्री	42 वर्ष	विवाहित
			कमलेश देवी	पुत्री	46 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01,सैक्टर-नॉलेज पार्क-4,ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-ओमीक्रान-1 की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-एम.ए.टी.01188, भूखण्ड संख्या-32, पाकेट-सी, क्षेत्रफल-280 वर्ग मीटर श्रीमती चन्द्रवती पत्नी स्व० श्री विजय सिंह, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्रीमती चन्द्रवती पत्नी स्व० श्री विजय सिंह की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री जगदीश सिंह, जगमाल सिंह रावल, श्यामवीर पुत्रगण स्व० श्री विजय सिंह, श्रीमती कृष्णा (विवाहित) पुत्री स्व० श्री विजय सिंह, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० में से सर्वश्री जगदीश सिंह, जगमाल सिंह रावल, श्यामवीर पुत्रगण स्व० श्री विजय सिंह, निवासी-ग्राम घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में इनके सर्वश्री जगदीश सिंह, जगमाल सिंह रावल, श्यामवीर पुत्रगण स्व० श्री विजय सिंह, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-1, सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा,
जिला गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि Flat No. E-204, 3rd Floor, Tower-E, Area-100.80 Sqm. "Ajnara Homes" Sector-16B, Greater Noida जो कि Mrs. Nagamma Nair & Pooja Nair निवासी M-25, Flat No. 302, Lado Saray, New Delhi के नाम पर उप निबंधन कार्यालयए सदर गौतमबुद्ध नगर में दिनांक 01.08.2018 को पंजीकृत है। Mrs. Nagamma Nair की मृत्यु के उपरान्त उनकी पुत्री Pooja Nair ने उक्त भूखण्ड/भवन में अपनी माता के भाग का नामांतरण प्रस्तुत प्रपत्रों के आधार पर अपने पक्ष में करने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये है। अतः इस म्यूटेशन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों Pooja Nair D/o S.h Vasudevan Nair का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (बिल्डर्स)
ग्रेटर नोएडा औ0 वि0 प्राधिकरण

मॉकड्रिल एक्सरसाइज सुरक्षा चक्र के आयोजन को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

- **भूकंप व औद्योगिक खतरे से बचाव के लिए आज जिले में पांच स्थानों पर होगा मॉकड्रिल**

ग्रेटर नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। भूकंप एवं औद्योगिक खतरा आपदा से निपटने के लिए 1 अगस्त शुक्रवार को जिले में 5 स्थानों पर सुबह 9 बजे से राष्ट्रीय स्तरीय मॉकड्रिल 'एक्सरसाइज सुरक्षा चक्र' का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को नवागंतुक जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कलेक्ट्रेट के कार्यालय कक्ष में बैठक की। जिलाधिकारी ने कहा कि मॉकड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता को परखना और विभागों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करना है। उन्होंने पुलिस विभाग, नगर पालिका, एनडीआरएफ, चिकित्सा विभाग, पूर्ति विभाग, नागरिक सुरक्षा, सूचना विभाग, यातायात विभाग, एनसीसी, विद्युत विभाग, जल निगम, अग्निशमन विभाग, परिवहन विभाग तथा होमगार्ड विभाग के अधिकारियों को मॉकड्रिल हेतु चिन्हित किए गए स्थान पर समय से पहले पहुंचकर समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी विभागों से संसाधनों की उपलब्धता, रूट मैप, एंबुलेंस की व्यवस्था, संचार प्रणाली और बचाव उपकरणों तैनाती समय से ही सुनिश्चित करने के लिए कहा। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने मॉकड्रिल की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद के पांच स्थानों सावित्रीबाई फुले बालिका इंटर कॉलेज ग्रेटर नोएडा, डब्ल्यूएचओ टाउनशिप गुरजिंदर विहार ग्रेटर नोएडा, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ग्रेटर नोएडा, आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स ग्रेटर नोएडा तथा विकास भवन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में प्रात: 9 बजे से मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी, एनडीआरफ, सीआरपीएफ, आइटीबीपी, पीएसी 49, पूर्ति विभाग, यातायात विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, परिवहन तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित है।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील सदर गौतमबुद्धनगर में उप जिलाधिकारी द्वारा जारी परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 140/एस०टी०-एस०डी०एम०/2025 दिनांक 24.02.2025 मृतक श्री राजपाल शर्मा पुत्र श्री फकीरा शर्मा एवं श्रीमती इमरती पत्नी श्री राजपाल निवासी ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु क्रमशः दिनांक 18.09.2023 व 07.06.2013 के स्थान पर उनके वारिसान/सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है-

क्रम संख्या	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से सम्बन्ध	आयु लगभग	विशेष
1	2	3	4	5	6	7	8
1	भट्टा	145	स्व0 श्री राजपाल शर्मा पुत्र श्री फकीरा शर्मा एवं श्रीमती इमरती पत्नी श्री राजपाल निवासी ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्री कालीचरन शर्मा	पुत्र	46 वर्ष	विवाहित
				श्री राजकुमार	पुत्र	48 वर्ष	विवाहित
				श्री लोकेश शर्मा	पुत्र	36 वर्ष	विवाहित
				श्रीमती नीरज	पुत्री	37 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील सदर गौतमबुद्धनगर में उप जिलाधिकारी द्वारा जारी परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 206/एस०टी०-एस०डी०एम०/2023 दिनांक 03.03.2023 मृतक श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र बालुराम निवासी ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर, हाल निवासी हाउस नं०-एम.सी.एफ.-198, गली नं0 01 भगत सिंह कालौनी बोहस पब्लिक विधालय के पास बल्लभगढ़ फरीदाबाद की मृत्यु क्रमशः दिनांक 07.12.2022 के स्थान पर उनके वारिसान/सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है-

क्रम संख्या	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काशतकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से सम्बन्ध	आयु लगभग	विशेष
1	2	3	4	5	6	7	8
1	भट्टा	65, 733	स्व0 वीरेन्द्र कुमार पुत्र बालुराम निवासी ग्राम भट्टा परगना दनकौर तहसील व जनपद गौतमबुद्धनगर	अनिल कुमार	पुत्र	42 वर्ष	
				श्रीमती यशोदा	पत्नी	67 वर्ष	
				श्रीमती गीता शर्मा	पुत्री	45 वर्ष	विवाहित
				श्रीमती गायत्री	पुत्री	40 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

उत्तर रेलवे
इ-निविदा (इ-प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण
सं. 128-W/280/इ-निविदा सूचना/23-2025-26/W-3 दिनांक: 31.07.2025
निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	सहायक मंडल इंजीनियर/नई दिल्ली के अधीन वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर/निर्माण/एएनवीटी के अनुभाग में स्टेशन भवन परिसर में विभिन्न शौचालय परिसरों का नवीनीकरण, जैसे कि उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय महिलाओं और पुरुषों के लिए, स्लीपर श्रेणी प्रतीक्षालय महिलाओं और पुरुषों के लिए, आरपीएफ लॉबी भूतल महिलाओं और पुरुषों के लिए, बुकिंग हॉल महिलाओं और पुरुषों के लिए और जीआरपी सीढ़ी के पास प्रथम तल, महिलाओं और पुरुषों के लिए, जिसमें एएनवीटी में उच्च श्रेणी और स्लीपर श्रेणी प्रतीक्षालय क्षेत्र का उन्नयन शामिल है।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	₹ 99,99,674.62/- (रुपये निन्यान्नवे लाख निन्यान्नवे हजार छः सौ चौहत्तर और बासठ पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	₹ 2,00,000/- (रुपये दो लाख मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु. 0.00,
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	22.08.2025 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।

- ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

2342/25
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

नई दिल्ली, शुक्रवार 1 अगस्त 2025

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

अबकी बार ट्रंप का वार

हाउडी मोदी, नमस्ते ट्रंप, अबकी बार ट्रंप सरकार, माई डियर फ्रेंड इन सबको धता बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश के हितों का हवाला देते हुए भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का ऐलान कर दिया है। 1 अगस्त की समय सीमा पहले ही तय कर दी गई थी, जिस पर ट्रंप सरकार ने अमल कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने दूसरी बार शपथ लेने के साथ ही कुछ बड़े फैसले लिए थे, जिनमें सर्वाधिक चर्चा शुल्क नीति की रही। दुनिया भर के देश अमेरिका पर ज्यादा शुल्क थोपते हैं, जिससे देश को घाटा होता है, लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा, कुछ इस अंदाज में ट्रंप ने अपनी शुल्क नीति का ऐलान किया था। इस बारे में प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भी उन्होंने बयान दिया था, भारत का नाम लेकर कहा था कि तुम जितना शुल्क हम पर लगाओगे, हम भी उतना ही लगाएंगे। श्री मोदी अपने देश पर हो रहे इस शाब्दिक हमले को चुपचाप सुनते रहे, यह सबने देखा। रुस, चीन, जापान, फ्रांस ऐसे कई देशों ने ट्रंप की नीति की आलोचना की थी। लेकिन भारत में मोदी सरकार की तरफ से इस बारे में खुलकर कभी कुछ नहीं कहा गया। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इस बीच अमेरिका दौरा कर चुके हैं, लेकिन इससे भी भारत अपने पक्ष में सौदा नहीं करवा सका।

ट्रंप ने न केवल शुल्क बढ़ाया है, बल्कि रूस से तेल और रक्षा सौदे करने पर भारत पर जुर्माना भी थोपा है। संदेश साफ है कि ट्रंप केवल अपने देश में ही नहीं, पूरी दुनिया में अपने मनमाफिक व्यापार नियम बनवाना चाहते हैं। अमेरिका को दुनिया का चौधरी क्यों कहा जाता है, ट्रंप उसकी जीती-जागती मिसाल दिखा रहे हैं। ट्रंप से पहले भी अन्य अमेरिकी राष्ट्रपतियों का रवैया ऐसा ही था, लेकिन कम से कम उनमें कूटनीतिक सज्जनता, शिष्टता दिखाने का लिहाज था। ट्रंप ने तो सारे आवरण उठा फेंके हैं। भारत पर जुर्माना लगाने जैसा अपमान ही काफी नहीं है, जो अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ हुए समझौते का ऐलान करते हुए लिखा कि हमने पाकिस्तान के साथ एक नया समझौता किया है। इसके तहत अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर वहां के विशाल तेल भंडार का विकास करेंगे। हम उस तेल कंपनी को चुनने की प्रक्रिया में हैं जो इस पार्टनरशिप का नेतृत्व करेगी। कौन जानता है, शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे। इस पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी ट्रंप को धन्यवाद देते हुए लिखा है कि यह ऐतिहासिक समझौता हमारे बढ़ते सहयोग को और मज़बूती देगा, ताकि आने वाले दिनों में हमारी स्थायी साझेदारी के दायरे को और विस्तार दिया जा सके। अमेरिका और पाकिस्तान की यह नजदीकी पहलगाम हमले के बाद और ज्यादा देखने मिल रही है, क्या मोदी सरकार को यह भी नजर नहीं आ रहा है।

पाकिस्तान ने ट्रंप का आभार मानने की ऐसी ही तत्परता तब भी दिखाई थी जब ट्रंप की तरफ से युद्धविराम का ऐलान हुआ था। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तब भी चुप थे और अब भी वे चुप हैं। कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक तो नरेन्द्र मोदी की तरफ से ऐसा कोई वक्तव्य नहीं आया है, जिसमें उन्होंने शुल्क थोपे जाने या पाकिस्तान के साथ हुए समझौते को लेकर कुछ कहा हो। श्री मोदी की चुप्पी के पीछे दो ही कारण हो सकते हैं, या तो उन्हें विदेश नीति, अर्थनीति और कूटनीति की अपनी कोई समझ ही नहीं है, अथवा श्री मोदी के लिए ट्रंप से निज संबंध देशहित से ऊपर हैं, इसलिए देश का अपमान और घाटा होने के बावजूद वो कुछ बोल नहीं रहे हैं। इन दो के अलावा एक कारण यह भी हो सकता है कि सब जानने-समझने के बावजूद नरेन्द्र मोदी देश के चुनिंदा उद्योगपतियों के फायदे को देखते हुए चुप हैं। अमेरिका की अदालत में गौतम अडानी समेत उनके समूह के कुछ लोगों पर धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोप में मामला दर्ज है। अडानी समूह इन आरोपों से इंकार करता रहा है। ऐसे में सवाल उठने लाजिमी हैं कि देश नहीं झुकने दूंगा, देश नहीं बिकने दूंगा जैसे नारे लगाते-लगाते नरेन्द्र मोदी ने क्या देश के साथ कोई बड़ा खिलवाड़ कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल मीडिया पर भारत और रूस की अर्थव्यवस्था को मृत बताते हुए यह भी कहा है कि उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है कि रूस के साथ भारत क्या करता है। ट्रंप के इस बयान से अब मोदी के लिए धर्मसंकट और बढ़ गया है। अगर नरेन्द्र मोदी भारत की अर्थव्यवस्था पर ऐसी टिप्पणी के बावजूद ट्रंप के खिलाफ कोई बयान नहीं देते हैं तो इसका मतलब यही है कि वे भी ट्रंप की बातों से सहमत हैं। और अगर वे ट्रंप को कोई जवाब देते हैं, तब उनकी मित्रता निभाने पर संकट आ सकता है। दोनों ही सूरतों में ट्रंप ने नरेन्द्र मोदी को फंसा दिया है। यह बात इतनी बढ़ती ही नहीं अगर नरेन्द्र मोदी शुरु से उसी विदेश नीति का पालन करते, जो नेहरूकाल में बनी है और जिसकी वजह से विकासशील होने के बावजूद वैश्विक शक्तियों के बीच भारत की अपनी साख बनी रही। भारत कई क्षेत्रों में अमेरिका, रूस, जापान, चीन आदि से पिछड़ा रहा है, लेकिन बावजूद इसके कभी किसी देश ने इस तरह भारत का अपमान करने की कोशिश नहीं की, जैसी अभी हो रही है। नरेन्द्र मोदी से पहले सभी भारतीय प्रधानमंत्रियों ने विदेश नीति, रक्षा नीति, व्यापार नीति को पार्टी या व्यक्ति हित से ऊपर रखकर एक समान अपनाया। लेकिन नरेन्द्र मोदी के काल में बार-बार यह अहसास होता रहा है, मानो कहीं और से ये सारी नीतियां संचालित हो रही हैं।

यहां फिर राहुल गांधी की बात ही सच साबित हो रही है। मंगलवार को अपने भाषण के आखिरी में राहुल गांधी ने कहा था कि मोदीजी देश आपकी छवि और प्रचार से बढ़कर है। वहीं बुधवार को संसद परिसर में उन्होंने कहा था कि देखिए ट्रंप किस तरह की डील करते हैं और शाम होते-होते श्री गांधी की बात सच साबित हो गई। अमेरिका के आगे झुकने का खामियाजा पूरा देश भुगते इससे पहले सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर : पक्ष-विपक्ष के बीच बुलंद होती निर्दलीय आवाज़

ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में चली सोलह घंटे की बहस जब मंगलवार को पूरी हुई तो साफ़ हो गया कि देश के पास ऐसे धुरंधर नेता हैं जो सरकार की आंख में आंख डालकर बात कर सकते हैं और सटीक सवाल पूछते हैं। उधर सरकार भी भले ही भाग नहीं रही थी लेकिन जवाब देने में उसे भी बड़ी तैयारी और मेहनत लग रही थी। देश के हर हिस्से से शामिल सांसदों की यह ज़रूरी और अच्छी बहस थी। फिर भी विपक्ष को शायद इस बात का मलाल हो सकता है कि कुछ जवाब उसे नहीं मिले, जैसे पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा में चूक क्यों हुई; खुफ़िया तंत्र विफल क्यों रहा; अमेरिका ने बीच ऑपरेशन में भांजी क्यों मारी; हमारे कितने लड़ाकू विमान नष्ट हुए और चीन-पाकिस्तान एक मंच पर साथ आने की समझ सरकार को क्यों नहीं हुई? बेशक सरकार ने अपना पक्ष रखने की पुरज़ोर कोशिश की लेकिन बीच-बीच में जब भी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का ज़िक्र आता, तो लगता था कि सरकार जैसे अब तक किसी नेहरूफोबिया से ग्रस्त है और हर मौके पर उन्हें किसी ढाल की तरह ले ही आती है। बेशक बंटवारा हमारी दुखती रग है लेकिन हम कब तक उस घाव को हरा रखेंगे, सिर्फ इसलिए कि इससे वोटों की सियासत मज़बूत होती है? विभाजन की त्रासदी की क़ीमत लंबी अशांति और नफ़रत क्यों होनी चाहिए? यूं पक्ष-विपक्ष की इस बेहतरीन बहस में निर्भीक, नम और निर्दलीय आवाज़ें भी थीं जिन्हें गंभीरता से दोनों पक्षों को सुनना चाहिए था। उनमें से एक स्वर कश्मीर के निर्दलीय सांसद (बारामूला) राशिद इंजीनियर का था। यह भारत के संविधान और बुलंद लोकतंत्र की एक झलक है जिसे कश्मीर की जनता ने जेल में रहते हुए भी जिता कर दिल्ली भेजा।

बारामूला से सांसद इंजीनियर राशिद ने नेशनल कांफ्रेंस के उमर अब्दुल्ला को लोकसभा चुनाव में हराया था जो अब जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं। राशिद पिछले कई सालों से जेल में बंद हैं और उन्होंने लोकसभा चुनाव भी जेल में रहते हुए ही लड़ा था। उन्हें टेरर के फंडिंग मामले में एनआईए की तरफ से गिरफ्तार किया गया था। राशिद ने कहा, 'हम पहलगाम हमले में मारे गए परिवारों का दर्द समझ सकते हैं, क्योंकि हमने 1989 से ऐसे हजारों लोग खोए हैं। कश्मीर में जितनी तबाही हुई है, हमसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता है। हमने कब्रिस्तान देखे हैं और लाशें उठाते-उठाते थक चुके हैं।' राशिद ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को पूरी इंसानियत का कत्ल बताते हुए कहा- 'मैं ऐसी जगह से आता हूं जहां से बॉर्डर बहुत ऊपर दिखता है। आपको कश्मीरियों के दिल जीतने होंगे। मैं देख रहा हूं कि आप में से किसी एक ने भी कश्मीरियों के लिए बात नहीं की। आज रूलिंग पार्टी और विपक्ष को यह तय करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि 15 अगस्त, 1947 को देश मिला। चाहे जिन्ना हों, नेहरू हों, गांधी हों, सरदार पटेल हों, लियाकत अली खान हों, आप इंडिया को एक नहीं रख सके। आपने तीन हिस्से कर दिए। आप कश्मीरियों को क्यों मार रहे हैं? मैं पूछना चाहता हूं कि हमारा कुसूर क्या है। आपने 60 सांसद दुनिया में भेजे, मैं जानना चाहता हूं उनमें से कश्मीरी कितने थे? एक भी नहीं। उन्होंने कहा- 'आप कहते हैं वहां सब कुछ ठीक है लेकिन आप हमें सोशल मीडिया पर कुछ लिखने नहीं देते हैं। लोग जेलों में मर रहे हैं। मिलिटेंसी खत्म करनी होगी। यहां सब ट्रंप-ट्रंप बोल रहे हैं, मैं कह रहा हूं कि ट्रंप के पास कश्मीर का हल नहीं है, लोगों के पास है। यह एक राजनीतिक मसला है, सांप्रदायिक नहीं।' सांसद ने भीगी आवाज़ में कहा कि- मैं यहां आखिरी बार बोल रहा हूं क्योंकि यहां आने में एक लाख साठ हज़ार रूपए लगते हैं। कहां से लाऊं? चूंकि ये बुज़ुर्ग सांसद जेल में हैं और उन्होंने इस सत्र में शामिल होने के लिए जमानत या कस्टडी पैरोल की मांग की थी। कस्टडी पैरोल के तहत कैदी को पुलिसकर्मियों की सुरक्षा में पैरोल पर रिहा किया जाता है। इस दौरान उनके साथ कई पुलिसकर्मी मौजूद रहते हैं। इंजीनियर राशिद को कोर्ट की तरफ से 24 जुलाई से 4 अगस्त तक लिए कस्टडी पैरोल दी गई है। कोर्ट ने इस पैरोल के पीछे कई शर्तें भी लगाई हैं। कोर्ट की तरफ से कहा गया कि राशिद को अपनी यात्रा और सुरक्षा का खर्च खुद ही देना होगा।

ज़ाहिर है कि कश्मीर से आया यह सांसद भारतीय संविधान और लोकतंत्र की बुलंदी को बयां करता है। एक निर्दलीय व्यक्ति जिस पर टेरर फंडिंग का मुकदमा है, जनता उसे जिताती है और फिर वह उस जनता की आवाज़ इस बड़ी बहस में रखता है। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर की इस बहस में कई नेताओं के धुआंधार भाषण से सुनने वालों को बढ़िया किक मिली। विपक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल कर रहा था तो जवाब लेने सत्तापक्ष नेहरू के पास जा रहा था। हर सदस्य के वक्तव्य यहां लिखना मुश्किल है लेकिन जो टोन सदन में सेट हुई वह यही थी कि सत्ता के वक्ताओं का जोर कांग्रेस को दोषी ठहराना था कि उन्होंने पाकिस्तान बनने दिया और चीन नेहरू जी की ग़लती से अक्साई चिन ले उड़ा। विपक्ष मरने वालों को भारतीय कह रहा था और सत्ता पक्ष हिंदू। इसकी तसदीक के लिए सांसद प्रियंका गांधी का भाषण सुना जा सकता है। उन्होंने पहलगाम हमले में शहीद हर व्यक्ति का नाम लिया और जब कहा कि वे 26 'भारतीय' थे तब उधर से आवाज़ आई 'हिन्दू' थे। सांसद ने दोहराया भारतीय थे। समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर राज्यसभा में सवाल उठाया कि सिंदूर तो उजड़ गए उनके, ये बड़े-बड़े लिखने वालों ने क्या नाम सुझाया है?

हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में कहा कि पहलगाम किसने किया, हमारे पास साढ़े सात लाख सेना और अर्द्धसैनिक बल है ये चार चूहे कहां से घुस आए और हमारे भारतीय नागरिकों को मार डाला? जवाबदेही किसकी तय होगी? उन्होंने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच पर कहा कि आपका ज़मीर ज़िंदा क्यों नहीं है.., क्या हुकूमत में हिम्मत है कि वे उन 25 परिवारों को फ़ोन कर के कहें कि हमने आपके सिंदूर का बदला ले लिया, अब आप पाकिस्तान का मैच देखो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए बहस की शुरुआत करते हुए कहा कि विपक्ष सही सवाल नहीं पूछ रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को यह जानने में रुचि नहीं है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान को कितना नुकसान पहुंचाया? उनके कितने विमान गिराए? विपक्ष को जानने में यह दिलचस्पी है कि भारत के कितने विमान गिरे? किसी भी परीक्षा में परिणाम मायने रखता है। अगर कोई छात्र परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर रहा है तो हमारे लिए उसके अंक भी महत्वपूर्ण होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें इस बात पर ध्यान नहीं देना चाहिए कि परीक्षा के दौरान उसकी पेंसिल टूट गई या पेन खो गया। अंततः परिणाम मायने रखता है और नतीजा यह है कि हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों को पूरी तरह हासिल कर लिया। ज़ाहिर है कि सरकार नुक़सान का हवाला नहीं देना चाहती थी।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का इस बहस में दखल दमदार इसलिए भी मालूम हुआ कि यह कोई रटा-रटाया वक्तव्य नहीं, देश की चिंता थी और गंभीर हालात में सत्ता की अपनी छवि को चमकाने की कोशिश पर करारा प्रहार था। शायद यह कइयों की समझ से बाहर भी रहा। उन्होंने कहा कि 'पोलिटिकल विल' यानी इस अटैक में राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं थी, केवल प्रधानमंत्री की इमेज चमकाने की कोशिश थी। ऐसा कौन करता है कि मैंने एक झापड़ मारा है और अब आप कुछ मत करना। राहुल गांधी ने रक्षा मंत्री के बयान का हवाला देते हुए कहा, 'सरकार ने पाकिस्तान को सुबह 1:35 बजे सूचित किया कि हमने उनके आतंकी ठिकानों पर हमला किया है और दावा किया कि यह कदम तनाव बढ़ाने वाला नहीं था, लेकिन आपने 30 मिनट में ही पाकिस्तान के सामने सरेंडर कर दिया, जिससे यह संदेश गया कि सरकार में युद्ध लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं है। सरकार ने हमारे पायलटों की स्वतंत्रता को बंधन में जकड़ दिया, जिससे उनकी क्षमता पर अंकुश लगा।' यही वजह रही कि यह ऑपरेशन एक युद्ध में बदलते हुए नज़र आया। दोनों ओर से हमले हुए और पाकिस्तान की पृष्ठभूमि में चीन नज़र आया और अमेरिका ने भांजी मार ली। युद्ध रुकवाने का ट्वीट कर श्रेय भी ले लिया और लगातार ले रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- 'पाकिस्तान के साथ हमारी लड़ाई तो कई बार हुई है, लेकिन यह पहली ऐसी भारत की रणनीति बनी कि जिसमें पहले जहां कभी नहीं गए थे वहां हम पहुंचे। पाकिस्तान के कोने-कोने में आतंकी अड्डों को धुआं-धुआं कर दिया गया। कोई सोच नहीं सकता है कि वहां तक कोई जा सकता है। बहावलपुर और मुरीदके, उसको भी जमींदोज कर दिया गया।' उन्होंने यह भी कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में जिस प्रकार की क्रूर घटना घटी, जिस प्रकार आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों को उनका धर्म पूछ-पूछ करके गोलियां मारीं, यह क्रूरता की पराकाष्ठा थी। भारत को हिंसा की आग में झोंकने का यह सुविचारित प्रयास था। भारत में दंगे फैलाने की यह साजिश थी। मैं आज देशवासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया। प्रधानमंत्री के इस कथन के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि अब देश में कोई गुलशन और सिंदूर नहीं उजड़ेगा। यह देश की जनता से उनकी सरकार की प्रतिबद्धता होगी। चचा ग़ालिब ने क्या ख़ूब कहा है-

रगों में दौड़ते-फिरने के हम नहीं क़ायल,
जो आंख ही से ना टपका तो फिर लहू क्या है?

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

> **नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का इस बहस में दखल दमदार इसलिए भी मालूम हुआ कि यह कोई रटा-रटाया वक्तव्य नहीं, देश की चिंता थी और गंभीर हालात में सत्ता की अपनी छवि को चमकाने की कोशिश पर करारा प्रहार था। शायद यह कइयों की समझ से बाहर भी रहा। उन्होंने कहा कि 'पोलिटिकल विल' यानी इस अटैक में राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं थी, केवल प्रधानमंत्री की इमेज चमकाने की कोशिश थी।**

रूसी तेल पर ट्रंप का नवीनतम कदम भारतीय आर्थिक स्थिरता के लिए ख़तरा

■ के रवींद्रन

रूसी तेल खरीद पर डोनाल्ड ट्रंप का नवीनतम कदम, उनके बयानबाज़ी और फिर चुपचाप पीछे हटने के सामान्य तरीके से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। एक आश्चर्यजनक उलटफेर करते हुए, उन्होंने रूसी तेल आयात जारी रखने वाले देशों के खिलाफ कार्रवाई की समय सीमा आगे बढ़ा दी है, और ऐसा उन्होंने इतनी दृढ़ता से किया है कि कूटनीतिक और ऊर्जा बाज़ार दोनों ही हड़बड़ा गए हैं।

अब तक, दंडात्मक आर्थिक उपायों के प्रति ट्रंप का दृष्टिकोण मुख्यत: डींगें हांकने और शेखी बघारने तक ही सीमित रहा है—नाटकीय कदमों की घोषणा, केवल दबाव में उन्हें या तो कमज़ोर करने या विलंबित करने के लिए। हालांकि, इस बार ऐसा लगता है कि वह पहले से कहीं अधिक तत्परता के साथ, अपने कदमों पर अमल कर रहे हैं। प्रतिबंध लगाने के लिए केवल 10 से 12 दिनों की संशोधित समय-सीमा, जबकि बमुश्किल एक पखवाड़े पहले उन्होंने 50 दिनों की मोहलत दी थी, न केवल बयानबाजी में बल्कि संकल्प में भी बदलाव दर्शाती है।

वैश्विक तेल बाजारों के लिए, और विशेष रूप से भारत और चीन जैसे देशों के लिए, जिन्होंने रूस के साथ मजबूत तेल व्यापार संबंध बनाए रखे हैं, इस फैसले ने अस्थिरता का एक नया स्तर ला दिया है। इस घोषणा की प्रतिक्रिया में ब्रेंटक्रूड की कीमत पहले ही 3 प्रतिशत बढ़ चुकी है, और यह उथल-पुथल की शुरुआत हो सकती है। ट्रम्प द्वारा अभी भी रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी, सावधानीपूर्वक तैयार की गई वैश्विक ऊर्जा प्रणाली में एक बड़ा झटका साबित होगी। भारत, जो यूक्रेन संघर्ष के बाद से पारंपरिक ऊर्जा समझौतों के उलट जाने के बाद से रियायती रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक रहा है, के लिए दांव अविश्वसनीय रूप से ऊंचे हैं।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा रूसी तेल खरीदारों के खिलाफ दंडात्मक टैरिफ को फिर से लागू करना उसकी व्यापक विदेश नीति के रुख का भी पुनर्मूल्यांकन है। जबकि पश्चिमी देशों ने, उनसे पहले बाइडेन प्रशासन के नेतृत्व में, तेल की कीमतों को राजनीतिक हेरफेर से दूर रखने की कोशिश की और इसके बजाय आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करते हुए रूसी राजस्व को सीमित करने के लिए मूल्य सीमा तंत्र पर भरोसा किया, ट्रंप के दृष्टिकोण में न तो सूक्ष्मता है और न ही बहुपक्षीय बारीकियां। 100 प्रतिशत टैरिफ की उनकी धमकी उन जटिल भू-राजनीतिक विचारों की अनदेखी करती है जिन्हें भारत जैसे देशों को संतुलित करना होता है। भारत ने लगातार तर्क दिया है कि रूस से उसकी तेल खरीद राष्ट्रीय हित और ऊर्जा सुरक्षा का मामला है, न कि भू-राजनीतिक अवज्ञा का। यूरोप के विपरीत, भारत के पास वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की इतनी आसानी से उपलब्धता नहीं है, और रूस के साथ उसके संबंध दशकों के रणनीतिक और रक्षा सहयोग में अंतर्निहित हैं। अगर ट्रंप के रुख का वास्तविक नीतिगत उपायों के साथ पालन किया जाता है, तो यह भारत को भू-राजनीतिक बंधन में डाल सकता है।

ट्रंप के अचानक बदलाव ने अनिश्चितता को और बढ़ा दिया है। ऊर्जा व्यापारियों और नीति निर्माताओं ने पहले की 50-दिवसीय नोटिस अवधि को पचाना शुरू ही किया था कि इस तेजी से कम की गई समय-सीमा ने उन्हें चौंका दिया। यह कदम वैश्विक कूटनीति के प्रति ट्रंप के लेन-देन संबंधी दृष्टिकोण का प्रतीक है। उनकी दुनिया में, व्यापार और राष्ट्रीय हित अविभाज्य हैं, और जो लोग उनके द्वारा परिकल्पित गठबंधन से विचलित होते हैं, उन्हें दंडित किया जाना चाहिए, भले ही वे दीर्घकालिक साझेदार ही क्यों न हों। भारत और चीन को दंडात्मक कार्रवाई के लिए एक साथ रखा जाना इस बात पर प्रकाश डालता है कि जब कथित आर्थिक हित दांव पर होते हैं, तो ट्रम्प का विश्वदृष्टिकोण हमेशा विरोधियों और सहयोगियों के बीच अंतर नहीं करता है।

भारत के लिए, इसके परिणाम केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक भी हैं। पिछले दो वर्षों में, रूसी तेल की ओर उसका झुकाव व्यावहारिक रहा है। पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण महत्वपूर्ण छूट पर उपलब्ध रूसी कच्चे तेल ने भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को अन्य देशों द्वारा झेले गए तेल झटकों से बचाने में मदद की। इसने भारतीय रिफाइनरियों को राहत दी और राजनीतिक रूप से संवेदनशील माहौल में घरेलू मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद की। यदि 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा साकार हो जाता है, तो यह सुरक्षा रातोंरात गायब हो जाएगी। भारतीय तेल कंपनियों को या तो रूसी बैरल को पूरी तरह से त्यागना होगा- जिससे उन्हें मध्य पूर्व और अफ्रीका से अधिक सघन और महंगी आपूर्ति के लिए प्रतिस्पर्धा करनी होगी- या दंडात्मक लागत वहन करनी होगी, जिसका बोझ लगभग निश्चित रूप से भारतीय उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।

इसके अलावा, ट्रंप की धमकी का समय नई दिल्ली के लिए इससे ज़्यादा ख़तरनाक नहीं हो सकता था। वैश्विक तेल बाज़ार पहले से ही नाज़ुक संतुलन में है। ओपेक+ के उत्पादन में कटौती, चीन की मांग में अनिश्चित सुधार और मौजूदा भू-राजनीतिक अस्थिरता के साथ, कोई भी अतिरिक्त व्यवधान कच्चे तेल की कीमतों में तेज़ी से बढ़ोतरी कर सकता है। इसका भारत पर सीधा मुद्रास्फीतिकारी प्रभाव पड़ेगा और रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति गणना जटिल हो जाएगी, ठीक ऐसे समय जब आर्थिक पुनरुद्धार के संकेत मज़बूत होने लगे हैं। दबाव में रूसी तेल से जबरन अलगाव निकट भविष्य में भारत की ऊर्जा योजना को पटरी से उतार सकता है।

इस दुविधा को और भी जटिल बना रही है ट्रंप की अनिश्चितता। हालांकि उनका हालिया कदम उनकी दृढ़ता का संकेत देता है, लेकिन उनका पिछला रिकॉर्ड यह सवाल भी उठाता है कि क्या यह भी एक बातचीत की रणनीति है? समय सीमा को कम करके और बयानबाज़ी को तेज़ करके, ट्रंप खुद को संभावित लाभ के लिए तैयार कर रहे हैं—शायद असंबंधित व्यापार रियायतें हासिल करने के लिए, या उस वैश्विक व्यवस्था में अपना प्रभुत्व फिर से स्थापित करने के लिए जिसे वे अमेरिकी हितों के विरुद्ध अनुचित रूप से झुका हुआ मानते हैं। भारत के लिए, ऐसी संभावना पर दांव लगाना एक उच्च जोखिम वाला प्रस्ताव है। नई दिल्ली को इस पर विचार करना होगा कि क्या चुपचाप बैकचैनल वार्ता शुरू की जाए या सबसे खराब स्थिति से बचाव शुरू किया जाए।

ट्रंप के इस दांव के व्यापक वैश्विक दक्षिण पर भी प्रभाव पड़ेंगे। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के वे देश जो विकास की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए रूसी ऊर्जा पर निर्भर हैं, इस पर कड़ी नज़र रखेंगे। अगर ट्रंप के नेतृत्व में संयुक्त राज्य अमेरिका भू-राजनीतिक अनुरूपता के एक सार्वभौमिक उपकरण के रूप में टैरिफ का इस्तेमाल करना शुरू कर देता है, तो यह प्रतिबंधों और ऊर्जा कूटनीति पर पहले से ही कमज़ोर आम सहमति को बिगाड़ सकता है। भारत, जो लगातार पूर्व और पश्चिम के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करता रहा है, के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई एक ऐसी मिसाल भी कायम कर सकती है जो वैश्विक दक्षिण की एकजुटता को कमज़ोर करेगी। भारत की दुविधा को देखते हुए, अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं अपने स्वयं के संरेखण को पुनर्संयोजित करना शुरू कर सकती हैं—अमेरिका के प्रति नहीं, बल्कि अमेरिकी दबाव के प्रति प्रतिरोधी वैकल्पिक आर्थिक समूह बनाने की ओर।

इस प्रकरण में एक और बात उभर कर सामने आती है कि किस तरह अब बाजारों को न केवल आर्थिक संकेतकों, बल्कि राष्ट्रपति के मूड को भी पढ़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। ब्रेंटक्रूड में 3 प्रतिशत की वृद्धि आपूर्ति-मांग की गतिशीलता का कम और राजनीतिक चिंता का सूचक ज़्यादा है। अगर ट्रम्प की नीति-निर्माण पद्धति इसी तरह जारी रही—अचानक, आक्रामक और पूरी तरह से उत्तोलन पर केंद्रित—तो ऊर्जा बाजार ट्वीट्स और टेलीविज़न पर प्रसारित बयानों के बंधक बने रहेंगे, न कि मंत्रीस्तरीय घोषणाओं या कार्टेल के फैसलों के। यह ऊर्जा अवसंरचना में दीर्घकालिक निवेश के लिए एक बेहद अस्थिरकारी संभावना है, जो पूर्वानुमान पर निर्भर करता है।

> **इस दुविधा को और भी जटिल बना रही है ट्रंप की अनिश्चितता। हालांकि उनका हालिया कदम उनकी दृढ़ता का संकेत देता है, लेकिन उनका पिछला रिकॉर्ड यह सवाल भी उठाता है कि क्या यह भी एक बातचीत की रणनीति है? समय सीमा को कम करके और बयानबाज़ी को तेज़ करके, ट्रंप खुद को संभावित लाभ के लिए तैयार कर रहे हैं।**

आपके पत्र

अवसरवादिता से विकास में बाधा जातिवादी दृष्टिकोण से नुकसान

देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण से देश को बहुत नुकसान पहुंचा है। अपरिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं के परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्कबुद्धि और अदूरदर्शिता की सोच के कारण कई बार जनता को हानि हुई है।

राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है। इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती है। जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ अंतत: राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक असुरक्षा चरित्र को जन्म देती है। अवसरवादिता राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव पदलोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने जैसा है। यह अलग मुद्दा है कि जनभावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं।

लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकती है और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पदलोलुपता अवसरवादिता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैं। भारतीय परंपरा में भी साम-दाम-दंड-भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है। इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैं। यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है। कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं। यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श और विकास के विपरीत चले जाते हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैं। अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रतिमान को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों में बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी आ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है। जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। धर्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है, जिसका कारण तुष्टीकरण आधारित लोकप्रियता वाद एवं अवतारवाद हो सकता है।

-संजीव ठाकुर

ललित सुरजन की कलम से

मोदी यूँ ही चुप नहीं हैं

'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी या अनिर्णय को समझने के लिए हमें शायद उन दिनों को ध्यान में रखना चाहिए जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अपने बारह साल के कार्यकाल में नरेंद्र मोदी ने कब किसकी बात मानी? क्या यह याद दिलाने की आवश्यकता है कि उन्होंने अपने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा राजधर्म का पालन करने की सीख को भी एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिया था? क्या यह आईने की तरह साफ नहीं है कि नरेंद्र मोदी ने जनमत की कभी परवाह नहीं की? श्री मोदी की आलोचना चाहे निजी जीवन को लेकर की गई हो, चाहे मुख्यमंत्री के रूप में लिए गए निर्णयों पर, उन्होंने हर अवसर पर मौन रहना ही श्रेयस्कर समझा है। आज प्रधानमंत्री के रूप में भी संभवत: वे इस पुराने आजमाए गए नुस्खे का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। देशव्यापी पैमाने पर नुस्खा कितना कारगर हो पाता है, यह कहना कठिन है, किंतु आज की सोच शायद यही है कि जो चिल्ला रहे हैं उन्हें चिल्लाने दो, एक दिन थककर सब अपने आप चुप हो जाएंगे। श्री मोदी को शायद यह विश्वास भी है कि वे जिस शीर्ष पर हैं, वहां उनके सामने कोई चुनौती, कोई खतरा नहीं है।'

(देशबन्धु में 02 जुलाई 2015 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/07/blog-post.html

पावन प्रसंग

स्वस्थ मनोरंजन की आवश्यकता

व्यक्तित्व के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, संपर्क और उपयुक्त वातावरण आवश्यक है, पर इन सभी साधनों को जीवित, जाग्रत रखने का मुख्य साधन है-मनोरंजन। स्वस्थ मनोरंजन के अभाव में मनुष्य का जीवन शुष्क, नीरस और कुटिल हो जाता है। आगे बढ़ने, कठिनाइयों से संघर्ष एवं विपरीत परिस्थितियों में भी क्रियाशीलता बनाए रखने के लिए शुद्ध मनोरंजन आवश्यक है।

मनोरंजन आत्मा की चाह है, इसीलिए जो व्यक्ति मनमौजी स्वभाव के होते हैं, जिनमें हास्य-विनोद का प्रवाह चलता रहता है; ऐसे व्यक्ति मन को बहुत भाते हैं। जो भी परिचित लोग होते हैं, वे ऐसे व्यक्तियों के पास बैठने के लिए लालायित बने रहते हैं। इससे पता चलता है कि धन, साधन, संपत्ति की अपेक्षा आह्लाद से आदमी को अधिक संतोष मिलता है। इस प्रकार का संतोष ही क्रियाशीलता की अभिनव प्रेरणा प्रदान करता है।

कठोर नियंत्रण, तप, व्रत, उपवास के माध्यम से मन को नियंत्रण में लाना कई बार तात्कालिक परेशानियों से बचा तो सकता है, पर जो कार्य मन के सहयोग से ही निपटाए जाते हैं, वे काम खूबसूरत भी होते हैं। मन को मित्र बनाकर काम लेने से वह काम बिलकुल सरलता से हो सकते हैं, जो कठोरतापूर्वक मनोनियंत्रण से काफी देर में और कष्टपूर्वक पूरे होते हैं। इसलिए मनुष्य के जीवन में मनोरंजन का सर्वाधिक महत्व है।

गांधी, नेहरू, टैगोर, तिलक, गोखले, विनोबा भावे, पटेल, गालिब, सुकरात, टाल्स्टॉय, शेक्सपीयर, बर्नार्ड शा, नेपोलियन, हिटलर, स्टालिन, चार्ली, चर्चिल, अब्राहम लिंकन, वर्ट्रेंड रसेल, मार्कट्वेन डार्बिन, आइन्स्टीन इत्यादि संसार के सैकड़ों महापुरुषों के जीवन में अन्य बातें, मुख्य परिस्थितियां अलग-अलग रही होंगी, किंतु मनोरंजन का गुण सबमें एक जैसा रहा है। ये सभी लोग हास्य विनोद में हमेशा अपने आप को तरोताजा किए रहते थे। लोग असमंजस में पड़ते हैं कि इन व्यक्तियों के जीवन में जो संघर्ष रहे, उनमें वे कैसे स्थिर बने रहे, किस प्रकार इतनी कठिनाइयों के बावजूद उनकी आत्मशक्ति स्वस्थ, सशक्त और सतत क्रियाशील रही ? यह उनका विनोदी स्वभाव ही रहा, जिसने प्रत्येक परिस्थिति में नया बल दिया।

गांधी जी कहा करते थे- 'मैं केवल इसलिए जिंदा हूँ; क्योंकि मनोरंजन मेरा स्वभाव है। हँसी मन की गाँठें खोल देती है, मेरे मन की ही नहीं, तुम्हारे मन की भी।' 'जब मैं स्वयं हँसता हूँ तो मेरे मन का बोझ हलका हो जाता है।' उक्त कथन रवींद्र नाथ टैगोर का है।

बेकन का कहना था-'हँसमुख स्वभाव दीर्घ आयु का एक सर्वोत्तम साधन और सर्वप्रिय बनने का सुलभ उपाय है। इससे आयु और प्रतिष्ठा दोनों में वृद्धि होती है।'

स्टर्न कहते हैं- 'मुझे लगता है कि जब कोई मनुष्य मुस्कराता है या अधिक हँसता है तो हर बार वह अपने जीवन की वृद्धि करता है।'

'किसी व्यक्ति के हृदय में सहयोग, सहानुभूति और संवेदना की कितनी मात्रा है? मैं इसकी पहचान इस बात से करता हूँ कि वह व्यक्ति प्रफुल्ल रहता है या नहीं। जो हँस सकता है, वही औरों को हँसा सकता है। औरों के दिल का दरद जान सकता है। मुस्कान प्रेम की भाषा है।' यह होमर ने कहा था।

दु:ख इस बात का है कि गरीबी, अशिक्षा और संकीर्णता के कारण जनसामान्य या तो मनोरंजन के महत्व को समझते नहीं अथवा उसे हेय दृष्टि से देखते हैं। अशुद्ध मनोरंजन की ओर आकर्षित होकर शक्ति, साधन तथा समय का दुरूपयोग करते हैं। उद्योगीकरण के प्रसार के साथ-साथ आज का जीवन अत्यंत व्यस्त और संघर्षमय होता जा रहा है। उधर स्वस्थ मनोरंजन के अभाव में आत्मिक दुर्बलताएं बढ़ती जा रही है, इसलिए प्रत्यक्ष प्रगति और भौतिक लाभों के होते और बढ़ते हुए भी लोग दु:खी है। अत: जन-सामान्य के लिए स्वस्थ मनोरंजन की व्यवस्था करना बहुत आवश्यक है।

-युग निर्माण योजना

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

फिलीपींस के राष्ट्रपति अगले सप्ताह आएंगे भारत

नई दिल्ली। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर 4 अगस्त से 8 अगस्त तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। इस यात्रा का उद्देश्य रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत और फिलीपींस के बीच सहयोग को और मजबूत करना है। राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रपति मार्कोस के साथ उनकी पत्नी, प्रथम महिला लुईस अरनेटा मार्कोस भी होंगी। उनके साथ फिलीपींस सरकार के कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, खास मेहमान और व्यापार प्रतिनिधियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा। राष्ट्रपति मार्कोस नई दिल्ली में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे और अपनी यात्रा के अंतिम चरण में बेंगलुरु भी जाएंगे।

शांति वार्ता के बाद कीव पर रूस का बड़ा हवाई हमला

छह लोगों की मौत, 52 से ज्यादा लोग घायल

- हमले वाली जगहों पर बचाव अभियान जारी है और पीड़ितों की संख्या बढ़ सकती है
- रूस ने यूक्रेन पर 300 से ज़्यादा ड्रोन हमले किए और आठ मिसाइलें दागीं ।

कीव, 31 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन की राजधानी कीव पर गुरुवार तड़के रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए और अन्य 52 से ज्यादा लोगा घायल। कीव शहर सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर यह जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ितों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। शहर में 27 जगहों पर हमला हुआ। हमले वाली जगहों पर बचाव अभियान जारी है और पीड़ितों की संख्या बढ़ सकती है।

इस बीच, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि रूस ने यूक्रेन पर 300 से ज़्यादा ड्रोन हमले किए और आठ मिसाइलें दागीं ।

एक आवासीय इमारत की नौवीं मंजिल पर मलबा गिर गया है। इसमें कई घर, कई गाड़ियां और एक स्कूल को नुकसान पहुंचा। इससे पहले रूस ने मंगलवार को यूक्रेन के चेर्निहीव में स्थित एक सैन्य प्रशिक्षण केंद्र पर मिसाइल अटैक किया था,

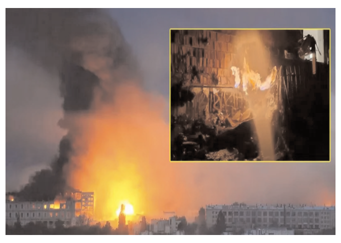

जिसमें यूक्रेनी सेना के तीन जवान मारे गए, जबकि 18 लोग घायल हो गए। हालांकि, रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि इस हमले में करीब 200 यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं।

यूक्रेन के पास करीब 10 लाख सैन्यकर्मी हैं, लेकिन मानव संसाधन में भारी कमी बनी हुई है। ड्यूटी से गैरहाजिर होने जैसी समस्याओं के कारण फ्रंटलाइन यूनिट्स कमजोर हो रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में चेतावनी दी है कि अगर दोनों देशों के बीच जंग खत्म नहीं होती, तो अगले 10 दिनों के अंदर रूस पर नया टैरिफ लगाया जाएगा।

रुस-चीन नौसैनिक अभ्यास आज से शुरू

मॉस्को। रुस और चीन का संयुक्त नौसैनिक अभ्यास 'मैरिटाईम इंटरैक्शन-2025' एक अगस्त से जापान सागर में शुरू होगा तथा पांच अगस्त तक चलेगा। रुसी प्रशांत बेड़े की ओर से जारी बयान के मुताबिक यह अभ्यास किसी देश की ओर लक्षित नहीं होगा। बयान में कहा गया कि यह पारंपरिक अभ्यास जापान सागर में रूसी नौसेना और चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के नौसैनिकों के बीच अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए होगा। यह अभ्यास रक्षात्मक प्रकृति का है और अन्य देशों के विरुद्ध नहीं है। बयान में यह भी कहा गया है कि अभ्यास में तट-आधारित और समुद्री चरण के अभ्यास शामिल होंगे। व्लादिवोस्तोक शहर में एक कमान मुख्यालय स्थापित किया जाएगा, जहां दोनों पक्ष समुद्र में संयुक्त कार्रवाई के आयोजन की योजना बनाएंगे और मानचित्रों पर काम करेंगे। जहाजों के चालक दल एक सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रम का भी आनंद लेंगे।

ईरान और भारत जैसे देशों पर अपनी इच्छा थोपने की कोशिश कर रहा अमेरिका: तेहरान

तेहरान, 31 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान ने गुरुवार को अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह अर्थव्यवस्था का 'हथियारकरण' कर रहा है और प्रतिबंधों का इस्तेमाल स्वतंत्र देशों जैसे ईरान और भारत पर अपनी इच्छा थोपने तथा उनके विकास में बाधा डालने के लिए कर रहा है। भारत में ईरान के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कह कि अमेरिका लगातार अर्थव्यवस्था को हथियार बना रहा है और प्रतिबंधों का उपयोग स्वतंत्र राष्ट्रों जैसे ईरान और भारत पर अपनी इच्छा थोपने और उनके विकास को रोकने के लिए कर रहा है। ये भेदभावपूर्ण और जबरदस्ती भरे कदम अंतरराष्ट्रीय कानून और राष्ट्रीय संप्रभुता के सिद्धांतों का उल्लंघन हैं और आर्थिक साम्राज्यवाद का आधुनिक रूप हैं।

पोस्ट में आगे कहा गया, ऐसी नीतियों का विरोध एक अधिक शक्तिशाली, उभरते हुए, गैर-पश्चिमी बहुपक्षीय विश्व व्यवस्था और एक मजबूत वैश्विक दक्षिण की ओर उठाया गया कदम है। ईरान की यह प्रतिक्रिया अमेरिका के उस ऐलान के 24 घंटे के भीतर आई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने और रूस से तेल खरीदने के लिए पेनल्टी लगाने की बात कही थी। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को ईरान के तेल व्यापार पर लगाए गए नए अमेरिकी प्रतिबंधों को एक 'दुष्प्रवृत्त कृत्य' करार दिया और कहा कि इसका मकसद देश के आर्थिक विकास और उसके नागरिकों की भलाई को नुकसान पहुंचाना है।

कंबोडिया ने पकड़े गए सैनिकों को थाईलैंड से रिहा करने का किया आग्रह

नोम पेन्ह/बैंकॉक, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कंबोडिया ने थाईलैंड से युद्धविराम लागू होने के बाद पकड़े गए 20 कंबोडियाई सैनिकों को रिहा करने का आग्रह किया है। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय अवर सचिव और प्रवक्ता, लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने बुधवार को कहा कि उनके 21 सैनिक, थाईलैंड सेना के कब्जे में थे। इसमें से एक मृत सैनिक का शव मिल गया है और उनकी थाई पक्ष से अपील है कि वह उसके सभी 20 सैनिकों को जल्द से जल्द कंबोडिया वापस भेज दे। श्री सोचेता ने कहा कि कंबोडिया इस मुद्दे पर आसियान के वर्तमान अध्यक्ष मलेशिया की मध्यस्थता से थाईलैंड से बातचीत कर रहा है। इसके जवाब में थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई सैनिकों के साथ अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार व्यवहार किया जा रहा है और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें वापस भेज दिया जाएगा।

सुडोकू 6991

	8	7		4		5	2	
		5	7	2	1			3
3	1						6	
		6			4	1		2
	2	1	6		8	4	9	
5		4	2			6		
	5						4	7
2			4	5	9	3		
	4	3		7		8	5	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 1 अगस्त, 2025 श्रावण शुक्ल पक्ष 7

राशिफल

मेष - आज आप सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में लोगों की प्रशंसा प्राप्त कर सकेंगे। धन की बेहतर आवक होगी। पारिवारिक और दांपत्यजीवन में सुख और संतोष का अनुभव होगा। वाहन सुख मिलेगा।

वृषभ - शारीरिक मानसिक स्वस्थता के साथ आप अपने काम निर्धारित रूप से पूरे कर सकेंगे। बीमार व्यक्ति आज स्वास्थ्य में सुधार का अनुभव करेंगे। ननिहाल पक्ष से अच्छे समाचार मिलेंगे। कार्य स्थान पर सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन - आज का दिन मध्यम रहेगा। नए काम की शुरूआत न करना हितकर रहेगा। जीवनसाथी और संतान के विषय में चिंता रहेगी। इस कारण मन में चिंता बनी रहेगी। अपच के कारण स्वास्थ्य भी कुछ नरम-गरम रहेगा।

कर्क - आज आप संभलकर चलें। शारीरिक स्फूर्ति और मानसिक प्रसन्नता बनाए रखने में आज कष्ट का अनुभव होगा। छाती में पीड़ा अथवा अन्य विकार से भी कष्ट की अनुभूति होगी।

सिंह - कार्य सफलता और विरोधियों पर विजय मिलने से मन में प्रसन्नता छाई रहेगी। भाई-बहनों के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ किसी रमणीय पर्यटनस्थल पर घूमने-फिरने का आनंद उठा सकेंगे।

कन्या - आपके लिए आज का दिन शुभ रहेगा। वाणी की मधुरता से दूसरे लोगों के मन पर अपनी सकारात्मक छाप छोड़ सकेंगे। पारिवारिक वातावरण भी अच्छा रहेगा। वाणी पर संयम बरतने से वाद-विवाद की संभावना कम हो जाएगी।

तुला - आपके प्रत्येक काम में आत्मविश्वास छलकता हुआ दिखेगा। आर्थिक योजनाएं भी सरलतापूर्वक बना सकेंगे। शारीरिक तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता का अनुभव होगा। वस्त्राभूषण और आनंद-प्रमोद के पीछे खर्च होगा।

वृश्चिक - स्वभाव में उग्रता और वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। शारीरिक शिथिलता और मानसिक चिंता से आपका मन व्यथित रहेगा। वाहन चलाते समय दुर्घटना हो सकती है। संभव हो तो ऑपरेशन या नई चिकित्सा को आज टाल दें।

धनु - आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। आपको आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक क्षेत्र में भी लाभ होने की संभावना है। मित्रों और परिजनों के साथ पर्यटन स्थल पर जाने से खुशी मिलेगी।

मकर - परिवार और संतान के विषय में आपको आनंद और संतोष का भी अनुभव होगा। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ हुई भेंट से आपका मन प्रसन्न हो उठेगा। व्यापार में धन की उगाही के लिए बाहर जाना लाभप्रद रहेगा।

कुंभ - विरोधियों के साथ वाद-विवाद न करने की सलाह दी जाती है। शारीरिक रूप से अस्वस्थता बनी रहेगी। शिथिलता और आलस्य बना रहेगा। मानसिक रूप से प्रसन्नता बनी रहेगी।

मीन - आकस्मिक धन लाभ का योग है। व्यापारीवर्ग को रुके हुए पैसे मिलेंगे। आज आपको शारीरिक और मानसिक रूप से अधिक परिश्रम करने पड़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

बांग्लादेश : गोपालगंज हिंसा मामला

शेख हसीना की पार्टी के 5,400 कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज

- दर्ज 13 मामलों में कुल 1,134 लोगों की पहचान हो चुकी है, जबकि 14,500 अज्ञात बताए जा रहे हैं

ढाका, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के गोपालगंज में 16 जुलाई को हिंसा मामले में अवामी लीग और उसकी सहयोगी इकाइयों के 5,400 से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया है। इस एफआईआर के साथ ही हिंसा से संबंधित दर्ज मामलों की कुल संख्या 13 हो गई है। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक ढाका ट्रिब्यून ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि इस हालिया मुकदमे में अब तक सबसे अधिक आरोपियों को नामजद किया गया है। दर्ज 13 मामलों में कुल 1,134 लोगों की पहचान हो चुकी है, जबकि 14,500 अज्ञात बताए जा रहे हैं। इस मामले में गोपालगंज सदर थाने के इंस्पेक्टर ने 447 लोगों के खिलाफ नामजद और 5 हजार अन्य को आरोपी मानते हुए केस दर्ज किया है। इसकी पुष्टि थानाध्यक्ष मीर मो. सज्जादुर रहमान ने की।

एफआईआर में दर्ज विवरण के अनुसार, आरोपियों पर राज्यविरोधी गतिविधियों, सरकारी कार्यों में बाधा डालने और सरकारी अधिकारियों

को उनके कर्तव्यों के निर्वहन से रोकने के आरोप लगाए गए हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि आरोपियों ने जानलेवा हमला करने के इरादे से सुरक्षा बलों पर क्रूड बम (कॉकटेल) फेंके। उल्लेखनीय है कि 16 जुलाई को जब एनसीपी का जुलूस गोपालगंज से मदारीपुर की ओर बढ़ रहा था, तभी उपद्रवियों ने उनके काफिले पर हमला कर दिया। इसके बाद हालात बेकाबू हो गए और प्रदर्शनकारियों तथा सुरक्षा बलों के बीच झड़पें शुरू हो गई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक घायल हो गए।

बांग्लादेश में बीएनपी और एनसीपी समर्थकों के बीच हिंसक झड़प, 35 घायल

ढाका। बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले के मुरादनगर में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसमें कम से कम 35 लोग घायल हो गए, जिनमें पांच पत्रकार भी शामिल हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह झड़प बुधवार शाम उस समय हुई जब एनसीपी समर्थकों ने अंतरिम सरकार के स्थानीय सरकारी सलाहकार आसिफ महमूद शोजीब भुइयां के खिलाफ कथित साजिश और दुष्प्रचार के विरोध में 'मुरादनगर उपजिला के सभी तबकों के लोग' नामक बैनर तले एक विरोध रैली निकाली। रैली के दौरान जब आसिफ के समर्थकों ने उगाही करने वालों के खिलाफ सीधी कार्रवाई, 'उगाही करने वालों को पकड़ो, जेल में डालो', और 'मुरादनगर की मिट्टी, आसिफ का गढ़' जैसे नारे लगाए, तभी दूसरी ओर से पत्थरबाजी शुरू हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे-जैसे झड़प बढ़ती गई, व्यवसायियों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं और लोग इधर-उधर भागने लगे। इस हिंसा में पांच पत्रकारों के घायल होने की भी पुष्टि हुई है। 'नागरिक समाज' के संयोजक मिनाजुल हक ने आरोप लगाया कि यह हमला बीएनपी नेता और पूर्व सांसद काजी शाह मोफज्जल हुसैन कैकोबाद के समर्थकों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से किया गया था।

द. कोरिया: मुश्किल में पूर्व राष्ट्रपति यून

सोल, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की एक स्पेशल काउंसिल टीम ने गुरुवार को बताया कि वह जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पूछताछ हेतु जबरन लाने के लिए इस हफ्ते 'डिटेंशन वारंट' जारी करेगी। स्पेशल काउंसिल मिन जोंग-की की टीम के अनुसार, वह शुक्रवार सुबह 9 बजे राजधानी के दक्षिण में उइवांग स्थित सोल हिरासत केंद्र में एक सहायक विशेष वकील, एक अभियोजक और जांचकर्ताओं को भेजने की योजना बना रही है। इससे पहले सोल सेंट्रल जिला अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून के खिलाफ एक गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यून पर दिसंबर में मार्शल लॉ थोपने की नाकाम कोशिश के आरोप हैं। वह फिलहाल हिरासत में हैं। यून ने इस हफ्ते पूछताछ के लिए भेजे गए दो समन की अवहेलना की, जिसके चलते अदालत को यह कदम उठाना पड़ा। मिन की टीम, यून और उनकी पत्नी किम कीओन ही पर लगे आरोपों की जांच कर रही है। आरोप है कि उन्होंने 2022 के संसदीय उपचुनावों में उम्मीदवारों की नियुक्ति में हस्तक्षेप किया, जिसमें एक कथित 'पावर ब्रोकर' मियोंग ताए-क्यून के माध्यम से दबाव डाला गया। यून के वकीलों के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति अपने बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण सम्मन का पालन करने में असमर्थ हैं। 'योनहाप समाचार एजेंसी' के अनुसार, यून के लिए दूसरी बार 'डिटेंशन वारंट' जारी किया गया है।

'बलूचिस्तान बिकाऊ नहीं', मीर यार बलूच ने ट्रंप को चेताया

क्वेटा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान में विशाल तेल भंडार बनाने में मदद करने की घोषणा की, जिसके बाद बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने ट्रंप को पत्र लिखकर चेताया है। मीर यार बलूच ने कहा कि इस्लामाबाद के सैन्य नेतृत्व ने अमेरिका को पाकिस्तान के संसाधनों के 'वास्तविक भूगोल और स्वामित्व' को लेकर गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि यह तेल भंडार पंजाब में नहीं बल्कि बलूचिस्तान में स्थित है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर घोषणा की थी कि अमेरिका और पाकिस्तान ने देश के तेल भंडारों के विकास को लेकर एक समझौता किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, मीर यार बलूच ने कहा कि ट्रंप द्वारा क्षेत्र के तेल और खनिज भंडार की पहचान 'सही' है, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ये भंडार पंजाब में नहीं, जो असली पाकिस्तान है, बल्कि बलूचिस्तान गणराज्य में स्थित हैं, जो एक ऐतिहासिक रूप से स्वतंत्र राष्ट्र है और इस

इस्लामाबाद के सैन्य नेतृत्व ने अमेरिका को पाकिस्तान के संसाधनों के 'वास्तविक भूगोल और स्वामित्व' को लेकर गुमराह किया है : मीर यार बलूच

समय पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा इन संसाधनों पर दावा करना न केवल झूठा है, बल्कि यह एक जानबूझकर किया गया प्रयास है ताकि बलूचिस्तान की संपत्ति को राजनीतिक और आर्थिक लाभ के लिए हड़पा जा सके। मीर यार बलूच ने आगाह किया कि पाकिस्तान की कट्टरपंथी सेना और कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई अगर बलूचिस्तान के बहुमूल्य खनिजों तक पहुंच पा जाती है।

वर्ग पहेली 6991

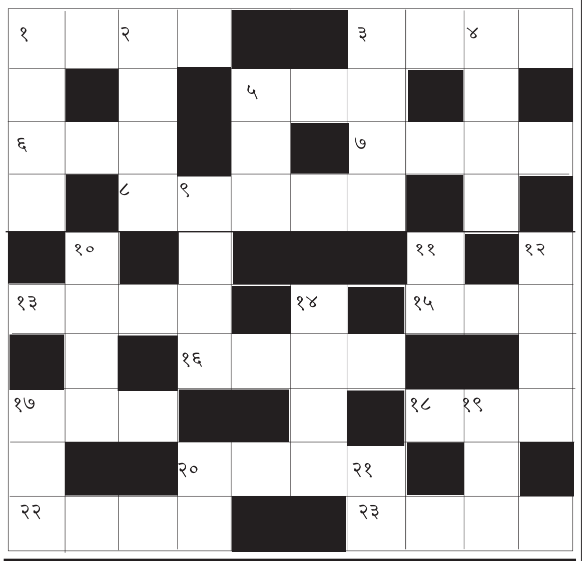

बायें से दायें:-

१. बदचलन, दुश्चरित्र, कुकर्मी
३. खजाना, धनागार
५. न्यारा, अलग तरह का
६. किसी वस्तु के मिलने पर फिर से खाने, करने, भोगने की इच्छा
७. हरियाली युक्त
८. किसी वस्तु-व्यक्ति, इमारत की सुरक्षा में लगे लोगों का दल
१३. प्रशंसा, तारीफ़
१५. सूचना १६. शिक्षा, उपदेश, लाभप्रद राय
१७. एक राक्षसी
१८. सरलता
२०. सूर्य
२२. नया ऊगा हुआ
२३. नयापन

ऊपर से नीचे:-

१. गाली, अपशब्द
२. चापलूस
३. शोरगुल
४. करीब-करीब
५. जो किसी से न डरे
९. जिसे नुकसान न हुआ हो
१०. प्रेम, प्यार (उर्दू)
११. होश, चेतना
१२. स्वेच्छाचारिता
१४. विभाग, हुक्म करने की जगह(उर्दू)
१७. इबादत, आराधना
१९. निवासी (उर्दू)
२०. आखिर, अवसान
२१. डूबा हुआ, मग्न

वर्ग पहेली-6990

१ नि	ख	२ र	ना	■	■	३ रू	का	४ व	ट
म्न	■	ह	■	५ उ	त्कृ	ष्ट	■	र	■
६ त	मी	ज	■	द्धा	■	७ ज	म	द	ग्नि
म	■	८ न	९ ग	र	ज	न	■	ल	■
■	१० स्व	■	दी	■	■	■	११ शु	■	१२ ख
१३ न	र	वे	ध	■	१४ क	■	१५ भ	द्र	ता
■	च	■	१६ र	स	नी	य	■	■	वा
१७ अ	ना	थ	■	■	नि	■	१८ अ	१९ पा	र
ग्र	■	■	२० स	र	का	२१ र	■	ग	■
२२ जा	न	व	र	■	■	२३ ब	हु	ल	ता

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1831-नए लंदन ब्रिज को यातायात के लिए खोल दिया गया।
1883-ग्रेट ब्रिटेन में अंतर्देशीय डाक सेवा शुरू।
1899-भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु की पत्नी कमला नेहरु का जन्म।
1916-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एनी बेसेंट ने होम रूल लीग की शुरुआत की।
1920-महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन की शुरुआत की।
1932-जानी मानी हिंदी फ़िल्म अभिनेत्री मीना कुमारी का जन्म।
1953-क्यूबा के पूर्व राष्टपति फिदेल कास्त्रो को गिरफ्तार किया गया।
1953-देश में सभी एयरलाइंस का हवाई निगम अधिनियम के तहत राष्ट्रीयकरण किया गया।
1955-पूर्व भारतीय क्रिकेटर अरुण लाल का जन्म।
1957-राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की स्थापना।
1960-पाकिस्तान की राजधानी कराची से बदलकर इस्लामाबाद की गई।
1975-दुर्बा बनर्जी वाणिज्यिक यात्री विमान का संचालन करने वाली विश्व की पहली पेशेवर महिला पायलट बनीं।
1993-भारतीय मुक्केबाज रोहित टोकस का जन्म।
1995-हब्बल दूरबीन ने शनि के एक और चन्द्रमा की खोज की।
2000-ईरान में महिलाएं भी इमाम बनीं।
2004-श्रीलंका ने भारत को हराकर क्रिकेट का एशिया कप जीता।
2005-सऊदी अरब के बादशाह फहद बिन अब्दुल अजीज का निधन, दिवंगत बादशाह के भाई शाहजादा अब्दुल्ला बिन अब्दुल अजीज को देश का नया शासक नियुक्त किया गया।

विकास | हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में गुजरात की बड़ी सफलता

भारत का पहला बंदरगाह बना डीपीए

- गुजरात ने प्रदूषण नियंत्रण और नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है

गांधीनगर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के मार्गदर्शन में दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण, कांडला ने आधारशिला रखने के मात्र चार महीने के भीतर 1 मेगावाट क्षमता वाले संयंत्र का निर्माण शुरू कर दिया है। परिणामस्वरूप, गुजरात ने प्रदूषण नियंत्रण और नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

इस संयंत्र के चालू होने के साथ कांडला भारत का पहला बंदरगाह बन गया है, जहां डीपीए मेक इन इंडिया मेगावाट स्केल ग्रीन हाइड्रोजन सुविधा संचालित की जा रही है। इस संयंत्र का उद्घाटन केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री शांतनु ठाकुर, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव टीके रामचंद्रन, दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण के अध्यक्ष सुशील कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने इस परियोजना की तीव्र गति की सराहना करते हुए कहा कि 26 मई 2025 को भुज की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मेगावाट ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र की आधारशिला रखी थी। और मात्र चार महीनों की छोटी सी अवधि में, 10 मेगावाट परियोजना के हिस्से के रूप में 1 मेगावाट संयंत्र का पहला मॉड्यूल कार्यान्वित किया गया है, जिसने देश में ग्रीन हाइड्रोजन उद्योग के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है। उन्होंने आगे कहा कि डीपीए ने कार्यान्वयन में गति, पैमाने और विशेषज्ञता का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मंत्री ने कहा कि इस कार्यान्वयन के साथ डीपीए भारत का पहला बंदरगाह बन गया है, जिसने मेक इन इंडिया मेगावाट पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन सुविधा शुरू की है, जो प्रति वर्ष लगभग 140 मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम है। यह सफलता समुद्र तल पर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो पर्यावरण के अनुकूल बंदरगाह संचालन में भारत के वैश्विक नेतृत्व को और मजबूत करता है।

दुनिया को जानें

पश्चिम और मध्य अफ्रीका में 80 हजार बच्चों को हैजा का खतरा

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने पश्चिम और मध्य अफ्रीका में हैजा के बढ़ते मामलों को लेकर फिक्र जाहिर की है। यूएन ने चेताया है कि बरसात के मौसम में लगभग 80,000 बच्चे हैजा की चपेट में आ सकते हैं। सिन्हुआ ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक के हवाले से बताया कि कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और नाइजीरिया में हैजा का प्रकोप ज्यादा है और इस वजह से पड़ोसी देशों में संक्रमण का जोखिम बढ़ गया है। इस स्थिति ने क्षेत्र में स्वास्थ्य संकट को और गहरा दिया है। हक ने कहा कि चाड, कांगो गणराज्य, घाना, कोट डी आइवर और टोगो जैसे देश वर्तमान में हैजा की महामारी से जूझ रहे हैं। इसके अलावा, नाइजर, लाइबेरिया, बेनिन, मध्य अफ्रीकी गणराज्य और कैमरून अपनी भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण इस बीमारी के प्रति अति संवेदनशील हैं और इन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। बारिश का मौसम इस स्थिति को और जटिल बना रहा है, क्योंकि दूषित पानी और अपर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं हैजा के प्रसार में मदद करती हैं। यूनिसेफ ने प्रकोप की शुरुआत से ही प्रभावित क्षेत्रों में सक्रियता से काम शुरू कर दिया है। संगठन उपचार केंद्रों और समुदायों को स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता और सफाई से संबंधित आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रहा है।

प्रादेशिकी

रजत जयंती वर्ष में स्वतंत्रता दिवस का हो भव्य आयोजन: बर्द्धन

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने गुरुवार को कहा कि राज्य के रजत जयंती वर्ष में स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन व पूरे राज्य में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाय। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य एवं जनपद स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ, ब्लड डोनेशन कैंप, हाई एल्टीट्यूड साहसिक गतिविधियां, मैराथन, साईकिल, बाईक या कार रैली जैसे विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि रन फॉर यूनिटी की तर्ज पर विषय आधारित रन और वॉक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकते हैं। श्री बर्द्धन ने मुख्य शहरों के महत्वपूर्ण स्थलों में पुलिस, आर्मी, पैरामिलिट्री और एनसीसी के बैण्ड द्वारा संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किए जाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमें सभी की भागीदारी सुनिश्चित करनी है। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग को भी संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को इस आयोजन में शामिल करने के लिए आगे आना होगा।

पंचायत चुनाव में 34,151 उम्मीदवारों के भाग्य को लेकर मतगणना जारी

- मतगणना के लिए 15024 कार्मिक तैनात
- सुरक्षा व्यवस्था 8926 पुलिसकर्मियों के हाथों में

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 31 जुलाई (देशबन्धु)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना सुबह 8 बजे से जारी है। लोग अपने प्रत्याशियों की जीत हार पर नजर बनाए हुए हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कुल 10,915 पदों के लिए मतगणना की प्रक्रिया जारी है। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिसके लिए पूर्व में ही सभी तैयारियां पूरी कर ली थी। काउंटिंग को कराने के लिए 15,024 कार्मिक, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर 8,926 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में तमाम पदों पर कुल 34,151 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में किस्मत आजमा रहे प्रत्याशियों की धड़कनें बढ़ने लगी हैं। जबकि प्रत्येक प्रत्याशी गांव के हुए मतदान का विश्लेषण कर अपनी जीत का दावा कर रहे है।

पंचायत चुनाव में चमोली में टॉस से जीते नितिन

चमोली। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के परिणाम घोषित किए जा रहे हैं। सुबह 8 बजे से शुरू हुई मतगणना के बाद जीत और हार के रुझान आने लगे हैं। इस बीच कुछ प्रत्याशी एक वोट से जीतकर चुनावी जंग जीत रहे हैं। लेकिन चमोली में ग्राम प्रधान के पद पर एक अलग चुनावी जंग लड़ी गई। जंग के अंत में 23 साल के युवा ने बाजी मारकर फैसला अपने कब्जे में किया। खास बात है कि जीत का फैसला वोट के बाद टॉस के जरिए हुआ।उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दिलचस्प नतीजे सामने आने लगे हैं। शुरुआती नतीजों में अभी तक सबसे रोचक नतीजा चमोली जिले के दसोली ब्लॉक के बणद्वारा ग्राम प्रधान पद को लेकर आया। यहां 23 साल के युवा नितिन नेगी ने बाजी मारी। दरअसल प्रधान पद के प्रत्याशी नितिन नेगी और रविंद्र के बीच कड़ी टक्कर रही। आखिरी चरण के वोटों की गिनती तक दोनों उम्मीदवारों को बराबर-बराबर 138-138 वोट मिले।

21 साल की प्रियंका बनीं ग्राम प्रधान

चमोली। प्रियंका चमोली जनपद की सबसे कम उम्र की प्रधान बनी। 21 वर्ष की उम्र में उन्होंने प्रधान का चुनाव जीता है। गैरसैंण विकास खंड के आदर्श ग्राम सारकोट की 21 वर्षीय प्रियंका नेगी प्रधान पद पर विजयी हुई है।

डीएम भदौरिया ने किया निरीक्षण

ओपी नगर। पंचायत चुनाव के वोटों की गिनती के मद्देनजर उधम सिंह नगर जिले के जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया और जिले पुलिस कप्तान मणिकांत मिश्रा गदरपुर, बाजपुर में मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी मे जिलेभर में सुबह 8 बजे से मतों की गिनती जारी है। पुलिस बल किसी भी तरह की अप्रिय घटना से निपटने के लिए मुस्तैद नजर आ रहा है।

रुद्रप्रयाग में पर्ची से हुआ लक्ष्मी देवी का फैसला, बनीं प्रधान

रुद्रप्रयाग में प्रधान प्रत्याशियों को बराबर चमोली की तरह ही रुद्रप्रयाग में भी बेहद ही रोचक तरीके से ग्राम प्रधान पद पर फैसला आया है। रुद्रप्रयाग जिले के अगस्त्यमुनि ब्लॉक के ग्राम कांदी गांव के प्रधान पद पर लक्ष्मी देवी और पूनम देवी के बीच कड़ी टक्कर रही। शुरू से ही वोटों की गिनती में दोनों एक दूसरे पछाड़ते हुए आगे बढ़े। रोचक मोड़ तक आया जब आखिरी चरण के वोटों की गिनती में दोनों प्रत्याशियों को बराबार वोट मिले। पर्ची से नतीजा घो आइसक्रीम चुनाव चिन्ह प्रत्याशी लक्ष्मी देवी को 168 वोट मिले। जबकि प्रतिद्वंदी पूनम देवी को भी 168 वोट मिले। जिसके बाद मुकाबला बराबरी में आकर रुक गया। ऐसे में राज्य निर्वाचन आयोग की नियमावली के तहत पर्ची निकालकर फैसला का निर्णय किया गया। रुद्रप्रयाग जिलाधिकारी प्रतीक जैन की मौजूदगी में पर्ची निकाली गई। जिसके बाद लक्ष्मी देवी चुनाव चिन्ह लक्ष्मी को विजयी घोषित किया गया।

केदारनाथ धाम की यात्रा पर लगा तीन दिनों के लिए रोक

- गौरीकुण्ड व सोनप्रयाग के बीच टूटा पहाड़, जगह-जगह फंसे यात्री
- गौरीकुंड फंसे यात्रियों को निकाला जा रहा जंगलों के रास्ते

रुद्रप्रयाग, 31 जुलाई (देशबन्धु)। केदारनाथ हाईवे के सोनप्रयाग-गौरीकुण्ड के बीच पहाड़ टूटने से लगभग 70 मीटर हिस्सा वॉश आउट हो गया, जिसके बाद केदारनाथ धाम की यात्रा पर पूर्ण ब्रेक लग गया है। यहां पर लगातार बारिश और भूस्खलन होने के कारण मार्ग धंसने में लगा हुआ है। ऐसे में गौरीकुंड में फंसे यात्रियों को जंगलों के रास्ते निकाला जा रहा है।

बुधवार को पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ जवानों ने एक हजार तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालकर सोनप्रयाग पहुंचाया, जबकि सोनप्रयाग से किसी भी तीर्थयात्री को केदारनाथ धाम नहीं भेजा जा रहा है। पुलिस प्रशासन की माने तो राजमार्ग के खुलने में दो से तीन दिन का समय लग जाएगा। रुद्रप्रयाग जनपद में तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। बारिश का सबसे बुरा असर केदारनाथ धाम की यात्रा पर पड़ रहा है। सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग दो स्थानों पर मंगलवार से बंद है, जिस कारण आवाजाही पूर्ण रूप से ठप है और केदारनाथ यात्रा को भी स्थगित कर दिया गया है। धाम से नीचे लौट रहे तीर्थयात्रियों को जंगलों के रास्ते निकालने का कार्य किया जा रहा है। गौरीकुण्ड के निकट सड़क का लगभग 70 मीटर हिस्सा पूरी तरह वॉश आउट हो गया है और लगातार पहाड़ी से बोल्डर गिरने के कारण मार्ग नहीं खुल पा रहा है। जो तीर्थ यात्री केदारनाथ धाम से नीचे लौट रहे हैं, उन्हें गौरीकुंड में रोकने के बाद जंगलों के रास्ते निकालने के प्रयास किये जा रहे हैं। एसडीआरएफ, पुलिस और एनडीआरएफ की मदद से वैकल्पिक मार्गों के जरिए यात्रियों को सोनप्रयाग पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल, राजमार्ग खुलने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

मदमहेश्वर धाम को जोड़ने वाला लकड़ी का पुल क्षतिग्रस्त

रुद्रप्रयाग। मदमहेश्वर धाम को को जोड़ने के लिए मधु गंगा नदी पर बना अस्थायी लकड़ी का पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण मधु गंगा अपने उफान पर है, जिस कारण लकड़ी के पुल के दोनों ओर से क्षतिग्रस्त होने से आवाजाही पर पूर्ण रूप से रोक लगाई गई है। ऐसे में धाम की ओर से फंसे तीर्थ यात्रियों को ट्रॉली के जरिए रेस्क्यू किया जा रहा है। पहाड़ों में लगातार बारिश जारी है, जिससे जनजीवन खासा प्रभावित हो रहा है। भारी बारिश के कारण अलकनंदा और मंदाकिनी नदी के अलावा अन्य सहायक नदियां भी उफान पर बह रही हैं। मदमहेश्वर धाम से निकलने वाली मधु गंगा नदी उफान पर है, जिस कारण गौंडार गांव के निकट मधु गंगा पर मदमहेश्वर धाम को जोड़ने वाला पैदल अस्थायी लकड़ी पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसे में जो तीर्थ यात्री धाम से नीचे लौट रहे हैं, उनको ट्रॉली के जरिए नदी पार कराया जा रहा है।

सार संक्षेप

सर्व कर्मचारी संघ आज मनाएगा काला दिवस

सिरसा। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की सिरसा इकाई ने नयी पेंशन स्कीम (एनपीएस) और यूनिवर्सल पेंशन स्कीम (यूपीएस) के विरोध में एक अगस्त 2025 को 'काला दिवस' मनाने की घोषणा की है। इस संबंध में ब्लॉक प्रधान ललित सोलंकी ने गुरुवार को बताया कि कल सभी विभागीय यूनियन, जो सर्व कर्मचारी संघ से जुड़ी हुई हैं, इस आंदोलन में हिस्सा लेंगी। उन्होंने बताया कि इस विरोध को चिह्नित करते हुए सभी कर्मचारी काले बिल्ले लगाकर अपनी-अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहेंगे, ताकि सरकार को यह स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि कर्मचारी वर्ग नयी पेंशन स्कीम को किसी भी स्थिति में स्वीकार करने को तैयार नहीं है। श्री सोलंकी ने बताया कि पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति द्वारा भी इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार शाम तीन से पांच बजे तक जिला मुख्यालय सिरसा पर एक शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें सर्व कर्मचारी संघ और उससे जुड़ी सभी विभागीय यूनियनें सहयोगी के रूप में भाग लेंगी।

गुरदासपुर में हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और मादक द्रव्य रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) अमृतसर ने एक संयुक्त अभियान में गुरदासपुर में हेरोइन के साथ दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है।बीएसएफ के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि बटाला क्षेत्र के आसपास विभिन्न डीलरों और नशे के आदी लोगों को मादक पदार्थ वितरित करने में कथित रूप से शामिल दो संदिग्धों के बारे में बीएसएफ की खुफिया शाखा से मिली सटीक सूचना के आधार पर, बीएसएफ और एएनटीएफ, अमृतसर ने कल शाम संदिग्ध मार्ग पर रणनीतिक रूप से एक संयुक्त जांच चौकी स्थापित की।

ऊधमसिंह नगर में मुठभेड़ के बाद बदमाश गिरफ्तार

नैनीताल/रुद्रपुर। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर के सितारगंज में बुधवार देर शाम को संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मंगलवार शाम हुई किसान की हत्या के मामले में वांछित था। ऊधमसिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मणिकांत मिश्रा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी ने मंगलवार शाम को सितारगंज के सैजानी गांव के किसान सुरजीत सिंह राणा की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

सुडोकू 6991 का हल

9	8	7	3	4	6	5	2	1
4	6	5	7	2	1	9	8	3
3	1	2	9	8	5	7	6	4
8	3	6	5	9	4	1	7	2
7	2	1	6	3	8	4	9	5
5	9	4	2	1	7	6	3	8
1	5	9	8	6	3	2	4	7
2	7	8	4	5	9	3	1	6
6	4	3	1	7	2	8	5	9

हमेशा प्रेरणा देता रहेगा शहीद उधम सिंह का बलिदान : सैनी

सुनाम (पंजाब), 31 जुलाई (देशबन्धु)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महान क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह की तपस्या, बलिदान और उनका साहस हमेशा हमें प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने जलियांवाला बाग में निहत्थे लोगों के हत्यारे जरनल डायर को विदेश में जाकर मौत के घाट उतारा था। जो पूरे देश के लिए आज भी प्रेरणादायक है और हमेशा देश सेवा की प्रेरणा देता रहेगा। नायब सिंह सैनी वीरवार को पंजाब में स्थित शहीद उधम सिंह की जन्मभूमि सुनाम में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

इससे पूर्व सैनी ने शहीद उधम सिंह मैमोरियल पर जाकर उनकी प्रतिमा के सामने पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने यहां पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने शहीद उधम सिंह संग्रहालय का दौरा किया और शहीद उधम सिंह से जुड़ी स्मृतियों, उनके फोटो व उनके पत्रों का अवलोकन कर अपने विचार भ्रमण पुस्तिका में दर्ज किए। नायब सिंह सैनी ने सरदार हरदयाल सिंह की अगुवाई में शहीद उधम सिंह के परिजनों से मुलाकात की। परिजनों ने अपनी मांगों के संबंध में एक मांग पत्र भी हरियाणा के मुख्यमंत्री को सौंपा।

जनसभा को किया सम्बोधित

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने संगरूर रोड पर भाजपा नेत्री एवं पंजाब प्रदेश सचिव दामन बाजवा द्वारा आयोजित जनसभा में पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री का पंजाब भाजपा नेताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्हें शहीद उधम सिंह की जन्मभूमि पर आकर उन्हें नमन करने का अवसर मिला है। जब लोग जलियांवाला बाग में बैसाखी पर्व के लिए एकत्रित हुए थे, उस समय जरनल डायर ने सभी रास्ते बंद करवाकर निहत्थे लोगों पर फायरिंग का आदेश देकर हजारों लोगों को मौत के घाट उतरवा दिया था। उसी समय सरदार उधम सिंह ने देश की मिट्टी को माथे से लगाकर संकल्प लिया था कि जब तक मैं इस जरनल डायर को मौत के घाट नहीं उतार देता तब तक चैन से नहीं बैठूंगा। 13 अप्रैल 1919 की इस हृदयविदारक घटना के बाद 13 अप्रैल 1940 को अंग्रेजों की धरती पर जाकर उन्होंने जरनल डायर को गोलियों से भून कर मौत के घाट उतार कर उन हजारों निहत्थे लोगों की हत्या का बदला लिया और अपना सर्वस्व इस देश पर कुर्बान कर दिया।

पंजाब की सरकार ने लोगों से किए वायदे नहीं किए गए पूरे : मुख्यमंत्री

समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज उनके लिए गर्व की बात है कि महान क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह को उनकी जन्मभूमि पर नमन करने तथा उनके परिजनों से मिलने का अवसर मिला है। 21 साल तक तपस्या कर उन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के दोषी जनरल डायर को मौत के घाट उतार कर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। एक सवाल के जवाब में उन्होंने पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब में जनता से जो इन्होंने वायदे किए गए थे, उन वायदों पर यहां की सरकार खरी नहीं उतरी है। लोग अब इंतजार में हैं। इन्होंने यहां के लोगों को केवल सब्जबाग दिखाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे दिल्ली में इन्होंने सब्जबाग दिखाए गए थे, मगर दिल्ली के लोग समझ गए हैं। पंजाब के लोग भी इन्हें अब समझ गए है।

बीमार-घायल पशुओं की हो नियमित स्वास्थ्य जांच, उचित उपचार: डीएम

- विकासनगर छरबा और प्रेम नगर में जल्द संचालित होंगे गोसदन
- कालसी के खेरूवा में गोसदन संचालन के लिए 49.98 लाख मंजूर

देहरादून, 31 जुलाई (देशबन्धु)। जिलाधिकारी सविन बंसल ने जनपद में गौ सदनों के संचालन के लिए गठित जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक लेते हुए गोवंश के संरक्षण, भरण पोषण, गोसदन के सुचारू संचालन और नए गोसदनों की स्थापना के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गौ सदनों में स्थानीय पशु चिकित्सकों के माध्यम से सप्ताह में दो बार अनिवार्य रूप से गोवंश पशुओं का हेड काउंट कराया जाए। इसके अतिरिक्त पशु कल्याण बोर्ड गौ सदनों का रैंडमली निरीक्षण करें। जिलाधिकारी ने विकासखंड कालसी के खेरूवा में 150 पशु क्षमता का नया गोसदन संचालन के लिए 49.98 लाख की स्वीकृत प्रदान करते हुए जिला योजना में शीघ्र इसका प्रस्ताव भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए जिलाधिकारी द्वारा विकासनगर छरबा 22 लाख और प्रेमनगर (मौजा आरकेडिया ग्रांट) में 27.03 लाख के दो प्रस्तावों को पूर्व में ही मंजूरी दी जा चुकी है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गोसदन में रहने वाले पशुओं को नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच और बीमार व घायल पशुओं का उचित उपचार और टीकाकरण किया जाए। पशुओं को संतुलित आहार, स्वच्छ पानी और रहने की उचित जगह हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। नगर निगम देहरादून द्वारा पंजीकृत अर्ह गौ सदनों में गोवंश की टैगिंग का कार्य पूर्ण न किए जाने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिए है कि नगर निगम अपने गोसदनो में रखे पशुओं की शत प्रतिशत टैंगिग कराते हुए शीघ्र इसकी रिपोर्ट उपलब्ध करें। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया कि वर्तमान में देहरादून जनपद में 10 गोसदन पंजीकृत है।

सवालों के घेरे में वन विभाग की कार्यप्रणाली

मक्कू बैंड में लाखों की लागत से बनी शोभा स्थली की दीवार दूसरी बार क्षतिग्रस्त

- स्थानीय जनता में वन विभाग के खिलाफ बना आक्रोश

रुद्रप्रयाग, 31 जुलाई (देशबन्धु)। वन विभाग रेंज अगस्त्यमुनि के तत्वावधान में तुंगनाथ घाटी के मक्कू बैंड में लाखों रूपये की लागत से बनी शोभा स्थली की सुरक्षा दीवार के दूसरी बार धड़ाम होने से वन विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गयी है। इस बाबत स्थानीय जनता की ओर से पूर्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की गयी, लेकिन आज तक जांच न होने से स्थानीय जनता में जिला प्रशासन व वन विभाग के खिलाफ आक्रोश बना हुआ है। बता दें कि तुंगनाथ घाटी के मक्कू बैण्ड से बनियाकुण्ड व दुगलबिट्टा में वन विभाग द्वारा चोपता इको टूरिज्म जोन योजना के तहत 11 करोड़ आंकणन का प्रस्ताव शासन को भेजा था तथा शासन से चोपता इको टूरिज्म जोन योजना के तहत वन विभाग को 11 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति मिली थी। चोपता इको टूरिज्म जोन योजना के तहत वन विभाग ने सुरम्य मखमली बुग्यालों का संरक्षण, तुंगनाथ घाटी पहुंचने वाले सैलानियों को बेहतर सुविधा मुहैया करना तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार सहित अनेक योजनाएं प्रस्तावित थी। सूत्रों की माने तो चोपता इको टूरिज्म जोन योजना के प्रथम चरण में वन विभाग द्वारा मक्कू बैण्ड में लाखों रूपये की लागत से शोभा स्थली का निर्माण किया गया है, मगर लाखों रुपये की लागत से शोभा स्थली की दीवार दूसरी बार क्षतिग्रस्त होने से वन विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गयी है। वन विभाग द्वारा आरक्षित वन क्षेत्र में निर्मित शोभा स्थली के निर्माण में सीमेंट का प्रयोग किस वन अधिनियम के तहत किया गया, यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

बड़ौली ने सोनीपत में रखी बर्ड टॉवर की आधारशिला

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने गुरुवार को भाजपा कार्यालय सोनीपत में बर्ड टॉवर बसेरे का भूमि पूजन किया और टॉवर के निर्माण की आधारशिला रखी। यह बर्ड टॉवर 60 फुट ऊंचा का होगा, जिसमें पक्षी आराम से रह सकेंगे।

श्री बड़ौली ने कहा कि पक्षी रैन बसेरा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि संगठन की जनहितकारी सोच और उसके प्रति समर्पित और गंभीर सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात से पक्षियों के रैन बसेरे की शुरुआत की थी। इससे प्रेरणा लेते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला स्थित माता मनसा देवी गौशाला में पक्षियों के रहने के लिए 2024 में टॉवर की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में भी पक्षियों के लिए बर्ड टॉवर स्थापित किये गये हैं।उन्होंने कहा कि यह बर्ड टॉवर 60 फुट ऊंचा होगा और इसमें लगभग 720 पक्षी घर होंगे, जिनमें लगभग 3500 पक्षी आराम से रह सकेंगे। कबूतर, तोता, मैना आदि पक्षियों के लिए दाना और पानी की व्यवस्था भी यहां की जाएगी। इस टावर की विशेषता यह है कि इस पर शिकारी पक्षी नहीं आ सकेंगे। टावर को छह मुख्य यूनिटों में डिवाइड किया जाएगा, जिसकी हर यूनिट का कलर अलग-अलग होगा जो पक्षियों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा और ये प्री फैब्रिकेटेड फाइबर द्वारा बनाया जायेगा। इस बर्ड टॉवर पर मौसम का कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। पक्षी आराम से हर मौसम में सुविधाजनक तरीके से अपना जीवन यापन कर सकेंगे।श्री बड़ौली ने कहा कि प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे भारत वर्ष में पक्षियों के रहने और खान-पान तथा प्रजनन प्रक्रिया जटिल होती जा रही है।

भाजपा हरियाणा के सभी 377 मंडलों में निकालेगी तिरंगा यात्रा: बड़ौली

चंडीगढ़। हरियाणा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने गुरुवार को कहा कि भाजपा प्रदेश के सभी 377 मंडलों में तिरंगा यात्रा निकालेगी। श्री बड़ौली ने कहा कि विभाजन विभीषिका पर 14 फरवरी को फरीदाबाद में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम होगा, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत मंत्री, विधायक और प्रदेश के कार्यकर्ता शामिल होंगे। विभाजन विभीषिका पर जिला स्तर पर भी कार्यक्रम होने हैं। श्री बड़ौली गुरुवार को प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस को देश की 140 करोड़ जनता का दिल दुखाने वाली पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि देश की जनता का कांग्रेस से मोह भंग हो चुका है और अब कोई भी कांग्रेस पार्टी से जुड़ना नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि देश के लोगों को भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियां पसंद हैं और लोग खुश हैं। उन्होंने कहा कि लोक सभा में विपक्ष के रवैये को देश देख रहा है। श्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हमारी लड़ाई सिर्फ और सिर्फ आतंकवाद से है और आतंकवाद को खत्म करना ही भाजपा का लक्ष्य है।

किसानों के लिए जल्द से जल्द खाद उपलब्ध करवाएं सरकार: सैलजा

स्वयं को किसान हितैषी होने का दावा करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने गुरुवार को कहा कि हरियाणा में डीएपी और यूरिया खाद को लेकर कई जगहों पर प्रदर्शन हो रहे हैं, जिनमें हिसार, पिहोवा, सिरसा और महेंद्रगढ़ प्रमुख हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि किसानों ने डीएपी और यूरिया की कमी, कालाबाजारी और बढ़ी हुई कीमतों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि स्वयं को किसान हितैषी होने का दावा करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। सरकार न तो खाद की कालाबाजारी रोक पा रही है और न ही खाद की कमी को दूर कर पायी है। मीडिया को जारी बयान में सुश्री सैलजा ने कहा कि हिसार में किसानों ने पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के बैनर तले सरकार का पुतला फूंका और डीएपी-यूरिया की कमी के खिलाफ प्रदर्शन किया। महेंद्रगढ़ में किसानों ने सरकारी खाद बिक्री केंद्र पर यूरिया खाद के लिए लंबी कतारें लगायीं और खाद की कमी पर विरोध जताया। उकलाना में खाद की कालाबाजारी को लेकर किसानों ने रोष जताया। बरवाला में किसानों ने एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर डीएपी और यूरिया की कमी के लिए सरकार की आलोचना की। पिहोवा में किसानों ने नाराज होकर जाम लगा दिया। हिसार चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। किसानों का आरोप है कि अधिकारी झूठ बोलकर उन्हें गुमराह कर रहे हैं।

विदेश नीति व्यक्तिगत संबंधों पर नहीं होनी चाहिए: सैलजा

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाये गये 25 प्रतिशत टैरिफ और दंडात्मक शुल्क पर कहा कि आज एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि भाजपा सरकार की तथाकथित 'व्यक्तिगत कूटनीति' और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मौन रहकर सम्मान पाने की रणनीति पूरी तरह विफल रही है। सांसद सैलजा ने गुरुवार को कहा कि भारत की चुप्पी ऐसे ही रही, तो आने वाले समय में अमेरिका भारत पर व्यापारिक मोर्चे पर दबाव बनायेगा। हमारी विदेश नीति व्यक्तिगत संबंधों पर नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और राष्ट्रीय हितों पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही एक बात कहती आ रही है कि प्रधानमंत्री को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ बोलने का साहस नहीं है और इसका प्रत्यक्ष परिणाम यह होगा कि आने वाले समय में अमेरिका भारत पर व्यापारिक मोर्चे पर दबाव बनायेगा।

स्वतंत्रता दिवस पर सचिवालय,परेड मैदान में होगा ध्वज आरोहण

देहरादून, 31 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के सूचना विभाग के महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने बताया कि देहरादून स्थित परेड मैदान में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ध्वजारोहण करेंगे। वहीं इससे पहले मुख्य सचिव द्वारा सचिवालय में प्रातः नौ बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। देहरादून को छोड़कर अन्य सभी जनपदों के जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रातः 9:30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। देहरादून स्थित सभी सरकारी, गैर सरकारी भवनों पर प्रातः 9 बजे विभागाध्यक्ष अथवा कार्यालयाध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा।

प्रादेशिकी

जालौन में यमुना में उफान, कई गांव जलमग्न

जालौन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जालौन जिले में यमुना के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी के चलते कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। इसी बीच डिकौली जागीर और निनावली गांव के चार ग्रामीण खेतों में फंस गए थे, जिन्हें एसडीआरएफ और प्रशासनिक टीम की तत्परता से सुरक्षित बाहर निकाला गया। डिकौली जागीर के भाव सिंह, राधेश्याम और महिपाल सिंह तथा निनावली के राम सेवक प्रजापति गुरुवार को खेतों की ओर गए थे, तभी यमुना का जलस्तर अचानक बढ़ गया और वे पानी के बीच घिर गए। सूचना मिलते ही प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और चारों को सुरक्षित बाहर निकाला। शाम सात बजे तक यमुना का जलस्तर 110.200 मीटर पहुंच गया, जो खतरे के निशान 108.00 मीटर से 2.06 मीटर ऊपर बह रहा है। हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है।

श्रद्धा, सुरक्षा व स्वावलंबन की धरती बनेगा चित्रकूट : योगी आदित्यनाथ

- **मुख्यमंत्री ने तुलसीदास की जयंती पर साधु-संतों को किया संबोधित**
- **गोस्वामी तुलसीदास जी की भव्य प्रतिमा का किया अनावरण**

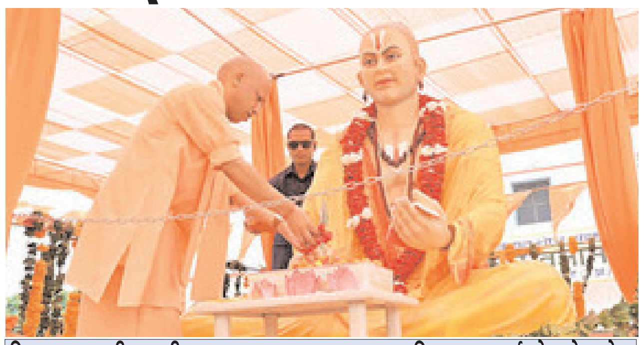

लखनऊ/चित्रकूट, 31 जुलाई (देशबन्धु)। गोस्वामी तुलसीदास जी की 528वीं जयंती पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को उनकी जन्मस्थली राजापुर पहुंचे। उन्होंने तुलसी जन्मकुटीर में गोस्वामी तुलसीदास जी की विधिवत पूजा-अर्चना कर दर्शन किए और मानस मंदिर में रखी गई हस्तलिखित श्रीरामचरितमानस की प्रति का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने तुलसी रिसॉर्ट में आयोजित तुलसी साहित्य समागम में भाग लिया जहां उन्होंने पूज्य संत मुरारी बापू जी एवं जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज से भेंट की। इस मौके पर साधु-संतों को संबोधित करते हुए उन्होंने चित्रकूट की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का गौरवपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि चित्रकूट श्रद्धा, सुरक्षा और स्वावलंबन की धरती बनेगा। योगी गनीवां स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पहुंचे जहां उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास जी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया और हरिशंकरी पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यहां उन्होंने कृषि विभाग द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टालों का भी अवलोकन किया। उन्होंने परमानंद आश्रम पद्धति विद्यालय में बच्चों से भेंट कर उन्हें चॉकलेट वितरित की और फोटोग्राफ भी खिंचवाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट की पावन धरती पर भगवान श्रीराम ने साढ़े ग्यारह वर्ष बिताए। यही धरती तुलसी, वाल्मीकि और नानाजी देशमुख जैसी महान विभूतियों का कार्यक्षेत्र रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चित्रकूट में राम वनगमन मार्ग, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर और विस्तृत पर्यटन विकास योजनाएं संचालित की जा रही हैं। यमुना नदी के किनारे रिवरफ्रंट का निर्माण कराया जाएगा जिससे क्षेत्र में पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि चित्रकूट में दलहन, तिलहन, मक्का आदि फसलों की पैदावार में वृद्धि हुई है और मृदा परीक्षण से लेकर कृषि बीमा तक किसानों को सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

चित्रकूट की धरती आज भयमुक्त व आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट की धरती आज भयमुक्त और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत है। उन्होंने ग्रामोदय विवि, आश्रम पद्धति विद्यालय, वाल्मीकि आश्रम और कामदगिरि जैसे पावन स्थलों के सौंदर्यीकरण और विकास की योजनाओं का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय जैसी संस्थाएं आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला हैं। चित्रकूट की महिमा को जन-जन तक पहुंचाना हम सबका कर्तव्य है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, प्रभारी मंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी समेत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल वैन की डीसीएम से टक्कर, छात्रा की मौत

मेरठ, 31 जुलाई (देशबन्धु)। तेज रफ्तार डीसीएम (छोटा ट्रक) ने स्कूली वैन में टक्कर मार दी। हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई। जबकि पांच बच्चे घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बच्चों के चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक बच्ची को दिल्ली को रेफर कर दिया गया। छात्रा की बड़ी बहन का कहना है कि हादसे के लिए वैन ड्राइवर की गलती है। वह ठूंस-ठूंसकर बच्चों को बैठाता है। हादसा गुरुवार सुबह कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के मेरठ- करनाल हाईवे पर हुआ। वैन में 9 बच्चे सवार थे। सभी बच्चे मेरठ छावनी स्थित आर्मी स्कूल के छात्र हैं। दादा बोले- गनीमत है सिलेंडर नहीं फटा, वरना बड़ा हादसा होता गणपति विहार, गली नंबर 3 निवासी जगबीर ने बताया उनकी पोती आर्या प्रतिदिन की तरह स्कूल गई थी। रास्ते में हादसे में उसकी मौत हो गई। बताया कॉलोनी से प्रतिदिन 10-12 बच्चे आर्मी स्कूल जाते हैं। पहले स्कूल की बस आती थी, लेकिन अब स्कूल से कोई बस नहीं आती। इसलिए बच्चे वैन से जाते थे। उन्होंने बताया कि वैन की हालत खराब थी, उसमें सीएनजी सिलेंडर लगा था, जिस पर तख्त रखकर बच्चे बैठते थे। गनीमत रही कि सिलेंडर नहीं फटा, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शी अनुज शर्मा ने बताया- घटना सुबह करीब सात बजे की है। मेरठ की तरफ से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक ने आर्मी स्कूल वैन को जोरदार टक्कर मार दी। बच्चों की चीख पुकार सुनकर लोग मौके पर पहुंचे।

दो इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

मवाना, 31 जुलाई (देशबन्धु)। पंद्रह दिन पूर्व मुहल्ला तिहाई में जुड्डी के पास युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने 25-25 हजार के दो इनामी दो हत्यारों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिए लिया। बदमाशों के पैर में गाली लगी है। इस मामले में एक आरोपित पहले ही जेल भेजा जा चुका हैं। 15 जुलाई को देर शाम चार बदमाशों ने मोटर साईकिल सवार बदमाशों के द्वारा नगर के मुहल्ला तिहाई जुड्डी निवासी 37 वर्षीय सुनील पुत्र चेतराम बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस संबंध में थाने पर मृतक की पत्या द्वारा रिपोर्ट दर्ज करायी गई थी।

पुलिस ने हत्यारोपियों की तलाश में तीन टीमों का गठन किया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान हुई थी। जिसमें सुहैल उर्फ डेविल पुत्र जोन्टी उर्फ नौशाद मुहल्ला मुन्नालाल, बल्लू उर्फ जिया मेहंदी निवासी होली चौक, आन उर्फकुमैल जैदी पुत्र अशरफ के नाम सामने आए। थाना प्रभारी अखिलेश मिश्र ने बताया कि पुलिस अपराधियों की धर पकड़ बुधवार रात्रि 10.45 बजे मवाना से फलावदा जाने वाले मार्ग पर निलोहा कट के पास संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। तभी मवाना की तरफसे एक मोटर साइकिल पर दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए, जिन्हें पुलिस पार्टी ने टार्च की रोशनी से रुकने का इशारा किया, लेकिन उन दोनो ने पुलिस पार्टी पर फायर कर दिए। पुलिस पार्टी द्वारा भी बल प्रयोग करते हुए आत्मरक्षार्थ फायर किया। गोली दोनों बदमाशों के पैर में लगी और दोनों वहीं पर गिर गए। जिन्हें सीएचसी लाया गया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम सुहैल उर्फ डेविल पुत्र जोंटी निवासी मुहल्ला मुन्नालाल, दूसरे ने अपना नाम बल्लू उर्फ जिया मेहन्दी पुत्र रियासत निवासी होली चौक मुहल्ला तिहाई बताए। सुहैल के कब्जे से तमंचा 315 बोर मय 1 खोखा कारतूस व कारतूस 315 बोर व एक अदद मोटर साईकिल बिना नम्बर प्लेट व अभियुक्त बल्लू उर्फ जिया मेहन्दी उपरोक्त के कब्जे से तमंचा 32 बोर मय 1 खोखा कारतूस व एक कारतूस बरामद हुआ।

सार संक्षेप

गंगा स्नान कर रहे दो कांवड़िया डूबे, एक की मौत

फर्रुखाबाद। कांवड़ भरने आए दो कांवड़िया अचानक स्नान करनें के दौरान डूब गए, एक को सकुशल निकाला लिया गया। जबकि दूसरे को गोताखोरों की मदद से निकाला गया, उसे गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल लाया गया, जहां उसको मृत घोषित कर दिया गया। जनपद लखीमपुर खीरी महराजगंज पकरिया निवासी 20 वर्षीय अर्पित पुत्र रामकिशन अपने बड़े भाई अनमोल, गांव के ही 16 वर्षीय शिवम व लगभग दो दर्जन लोगों के साथ कांवड़ भरनें पांचाल घाट दूसरी सीढ़ी पर आया था। अर्पित और शिवम गंगा में स्नान करने लगे, अचानक दोनों गहरे पानी में डूब गए जिससे चीख-पुकार मच गई। शिवम को मौके पर मौजूद लोगों नें सकुशल निकाल लिया, जबकि अर्पित गहरे पानी में समा गया।

रुकने का नाम नहीं ले रही मेडिकल के डॉक्टरों की लापरवाही

मेरठ। एलएलआरएम मेडिकल अस्पताल में डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही के आरोप मरीजों द्वारा रोज लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुजफ्फरनगर निवासी एक बच्चे की इलाज के दौरान मौत पर परिजनों ने हंगामा कर दिया। मुजफ्फरनगर के लक्ष्मण अपने बच्चे को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर आए। परिजनों ने बताया-दांत निकलने के समय उल्टी-दस्त की समस्या थी। उसके बाद 3 दिन तक इलाज चल रहा था। अचानक उसकी तबियत बिगड़ गई और पल्स चलना बंद हो गई। इससे उसकी मौत हो गई। बच्चे की सांसे चल रही थी। उसके बाद भी सही जांच नहीं की गई और बच्चे को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के बाहर जब हम बच्चे से लिपटकर विलाप कर रहे थे, तब बच्चे की सांसे चलने लगी। अस्पताल में उच्च अधिकारी बच्चे को अंदर लेकर गए जांच की, उसके बाद मौत हो गई।

ट्रक से कुचलकर युवक की मौत

फर्रुखाबाद। अपने दो साथियों के साथ बाइक पर पीछे बैठकर जा रहे युवक बाइक के नीचे गिर गया पीछे आ रहे ट्रक में युवक को कुचल दिया उसके दो साथी बाइक छोड़कर भाग गए। युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई मौत की खबर सुनते ही परिवार में मातम छा गया। ट्रक चालक तक छोड़कर भाग गया। टांडा कमालगंजके जवाहर नगर निवासी सैफुल्लाह 38 वर्षीय पुत्र फाईम अपने दो साथियों के साथ बाइक पर पीछे बैठकर जा रहा था बाइक के असंतुलित हो जाने से वह पीछे गिर गया। तेज गति से आ रहे ट्रक ने युवक को कुचल दिया। युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

पीएम आवास की पहली किस्त लेकर फरार हो गई महिला

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है, जहां एक पीएम आवास योजना की लाभार्थी महिला आवास की प्रथम किस्त खाते में मिलने के बाद फरार हो गई। काफी दिन बाद जब आवास के सत्यापन के लिए टीम पहुंची तो गांव में उस नाम के लाभार्थी के ना मिलने से हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए खण्ड विकास कार्यालय द्वारा महिला के खिलाफ नोटिस जारी कर जांच के आदेश दिए गए हैं।

पालिका पथ प्रकाश विभाग के कर्मचारियों की बैठक आयोजित

मवाना, 31 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद् मवाना के अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक ने पालिका कार्यालय में गुरुवार को पालिका पथ प्रकाश विभाग के कर्मचारियों की साप्ताहिक विभागीय बैठक की गयी, जिसमें अध्यक्ष ने नगर की पथ प्रकाश व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के कर्मचारियों को कड़े आदेश दिए। अध्यक्ष ने पथ प्रकाश लिपिक को नगर में खम्भों पर लगी लाइटों पर सेन्सर लगवाने तथा समरसेबिल के नंगे तारों पर टेप लगाने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में तारों पर जंग लगने से लाइटें व समरसेबिल बन्द हो जाते है, इस कारण उन पर टेप लगा दी जाए। उन्होंने भगत सिंह चौपले पर लगी हाईमास्क लाईट को शीघ्र ठीक कराकर चालू कराने को कहा। साथ ही नगर में जिस वार्ड के सर्वे का कार्य अपूर्ण है उसको शीघ्र पूर्ण करने के आदेश दिये। राजो वाले बाग के क्षेत्र में खराब हुई स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने व विद्युत लाइटों का विवरण चार्ट तैयार करने के लिए पथ प्रकाश लिपिक को आदेशित किया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की मनाई जयंती

- **एकता वन की स्थापना पर राज्यमंत्री ने किया पौधारोपण**

मेरठ, 31 जुलाई (देशबन्धु)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ में सामाजिक वानिकी प्रभाग मेरठ के तत्वावधान में एकता वन की स्थापना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केपी मलिक, राज्यमंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन उप्र रहे।

राज्यमंत्री द्वारा पीपल का पौधारोपण किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2025-26 में 37 करोड़ पौधारोपण किया गया। मनुष्य के जीवन पर पेड़ों की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। जनसामान्य से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और लगाए गए प्रत्येक पेड़ की देखभाल करने पर जोर दिया गया है। वृक्षारोपण को जनआन्दोलन का स्वरूप दिए जाने का आह्वान किया गया। सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष उप्र द्वारा अपने सम्बोधन में अधिक से अधिक पेड़ लगाने पर जोर दिया गया और बताया गया कि कृषकों द्वारा लगाए गए पापुलर, यूकेलिप्टस के वृक्षों की गणना कराई गई है तथा कार्बन फाईनेन्स प्रोजेक्ट के अन्तर्गत कृषकों को लाभ दिया जा रहा है।

इस अवसर पर आरजी गर्ल्स इन्टर कालेज, मेरठ, प्राथमिक विद्यालय अलीपुर जिजमाना, मल्लू सिंह आर्य कन्या इन्टर कालेज मेरठ की छात्राओं ने स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। गौरव चौधरी अध्यक्ष जिला पंचायत, संजीव कुमार सिक्का सभापति उप्र उपभोक्ता सहकारी संघ, शिव कुमार राणा जिलाध्यक्ष, कलानिधि नैथानी उप महानिरीक्षक मेरठ, वीके चौपड़ा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (से.नि.) उप्र, के. इलन्गों, मुख्य वन संरक्षक, मेरठ, आदर्श कुमार वन संरक्षक मेरठ, वन्दना फोगाट प्रभागीय निदेशक मेरठ द्वारा पौधारोपण किया गया।

प्रतिनिधियों को प्रमाण पत्र किए वितरित

इस अवसर पर राज्यमंत्री द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों, हरित प्लान्ट ट्रस्ट, लोक भारती, हरितमा, बेटियां फाउन्डेशन के प्रतिनिधियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष उप्र द्वारा राज्यमंत्री को पौधा भेंट किया गया। आदर्श कुमार वन संरक्षक मेरठ द्वारा उपस्थित मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का स्वागत किया गया।

डीएम ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

मेरठ, 31 जुलाई (देशबन्धु)। जिलाधिकारी डा. वी.के. सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन ताडा द्वारा जिला कारागार का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। जिला कारागार में जिलाधिकारी व एसएसपी द्वारा महिला बैरक, चिकित्सा कक्ष, शिशु सदन आदि का निरीक्षण कर जेल अधीक्षक को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। बैरक में उन्होंने कैदियो से वार्ता कर उनसे खान-पान, स्वास्थ्य, पैरवी हेतु वकील आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जेल अधीक्षक जिला कारागार वीरेश राज शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समस्त सीएचसी, पीएचसी में साफ सफाई व्यवस्था हो सुनिश्चित : सिंह

- **जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक संपन्न**

मेरठ, 31 जुलाई (देशबन्धु)। आज विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डा. वी.के. सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक आहूत की गई। बैठक में विगत बैठक की अनुपालन आख्या प्रस्तुत की गई। स्वास्थ्य कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि समस्त सीएचसी, पीएचसी में साफ-सफाई, व्यवस्था पूर्णतया सुनिश्चित की जाए। मरीजों के लिए बेहतर उपचार के साथ-साथ अच्छा व्यवहार किया जाए।

सभी सीएचसी-पीएचसी पर डॉक्टर डयूटी के अनुसार उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि कोई भी मरीज सरकारी अस्पताल पर आता है तो उसके प्रति अच्छा व्यवहार अपनाया जाए तथा उसको बिना कारण प्राइवेट अस्पताल में रेफर न किया जाए। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं एवं बेहतर उपचार में यदि कोई भी डॉक्टर लापरवाही करते हुए पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

टीबी मरीजों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि इसके चौकअप को बढ़ाया जाए तथा जनपद में जो भी टीबी मरीज है उनको कैटेग्रेराइज करते हुए पोटली वितरण सुनिश्चित किया जाए। संचारी रोग अभियान के दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा सख्त निर्देशित करते हुए कहा गया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जन जागरूकता अभियान चलाया जाए, स्वास्थ्य कैम्प लगाए जाए। स्वास्थ्य विभाग संबंधित क्षेत्रो में फागिंग, एंटी लार्वा का छिड़काव कराना सुनिश्चित करें।

कृषि तकनीकी प्रबंध अभिकरण की बैठक आयोजित

मेरठ, 31 जुलाई (देशबन्धु)। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डा. वी.के. सिंह की अध्यक्षता में कृषि तकनीकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) की गवर्निंग बोर्ड बैठक आहूत की गई। उप कृषि निदेशक द्वारा बैठक के एजेन्डानुसार आत्मा योजना, उप्र मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यकम, एनएफएसएनएम, एनएमईओ. नमामि गंगे, परम्परागत कृषि विकास योजना एवं नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग आदि संचालित योजनाओं के गत वर्ष आयोजित कराए गए कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण बोर्ड के समक्ष किया गया। आत्मा योजनान्तर्गत वर्ष 2025-2026 में प्राप्त कार्यक्रमों के लक्ष्यानुसार तैयार की गयी 401.19 लाख रुपए की जिला कृषि कार्य योजना को अनुमोदन प्रदान किया गया। वर्ष 2025-26 में सम्बद्ध विभागों को प्रस्तावित किए गए कार्यक्रम के लक्ष्यों के आबंटन को भी आत्मा गवर्निंग बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि विकास खण्ड स्तर पर योजनान्तर्गत कार्यरत बीटीएम एटीएम के ज्ञान को अपडेट करने हेतु प्रशिक्षित किया जाए, कृषि में विविधिकरण को बढ़ावा दिया जाए, कृषको को गन्ना, धान एवं गेहूं की खेती के अतिरिक्त औद्यानिक फसलों की बुवाई करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। जैविक खेती एवं प्राकृतिक खेती करने के लिए कृषकों प्रोत्साहित किया जाए। मिलेट्स की फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए प्रयास किया जाए।

न्यायालय परिसर में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

- **जरूरतमंदों को बांटी मुफ्त दवाइयां**

फर्रुखाबाद, 31 जुलाई (देशबन्धु)। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा जिला न्यायालय परिसर में हड्डी एवं दांतों की जांच हेतु कैंप का आयोजन किया गया। शिविर उद्घाटन का जिला जज नीरज कुमार ने किया। उन्होंने समिति के द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कोर्ट परिसर में काफी लोगों को इसका लाभ मिला है। रेड क्रॉस समिति द्वारा डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसर में यह दूसरा कैंप है। एडिशनल जिला जज संजय कुमार ने कैंप को सुचारू रूप से करने के लिए उचित दिशा निर्देश दिए द्य वह समय-समय पर कैंप का जायजा लेते रहे।डॉक्टर सुबोध कुमार वर्मा, डॉक्टर अहमद हुसैन, डॉक्टर नावेद अलीम ने रोगियों को देखकर उचित परामर्श दिया। एडिशनल जिला जज अभिनेत्तम उपाध्याय, न्यायाधीश डॉ. अनिल सिंह, शैलेंद्र सचान, रितिका त्यागी, मेराज अहमद, संजय कुमार, घनश्याम शुक्ला, सी जे एम प्रतिमाला चतुर्वेदी, सिविल जज सीनियर डिवीजन एवं अन्य न्यायाधीश अधिकारी व कर्मचारी गण एवं अधिवक्ता गण कैंप में शामिल हुए। रेड क्रॉस सोसाइटी के वाइस चेयरमैन शीश महरोत्रा, मीडिया प्रभारी निशांत तिवारी, आकाश चतुर्वेदी,भावना गुप्ता ने कैंप की व्यवस्था संभाली।

लापरवाही *दस सालों से मवाना चीनी मिल पर कर निर्धारण नहीं कर सकी नगर पालिका*

आय के स्त्रोत के कार्यों को पूरा करने में बरती जा रही लापरवाही

मवाना, 31 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका दस सालों से मवाना चीनी मिल पर कर निर्धारण नहीं कर सकी। दस सालों से आय के स्त्रोत के कार्यों को पूरा करने में लापरवाही की जा रही है। इस संबंध में कई बार पत्र लिखने के बावजूद कर अधीक्षक द्वारा पालिका के कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है। इस कारण पालिका चेयरमैन ने 28 जुलाई 25 को कर अधीक्षक के जुलाई माह के वेतन आहरण पर रोक लगा दी है। मवाना नगर पालिका की सीमा से पहले मवाना शुगर मिल बाहर था। वर्ष 2006 में नगर पालिका ने कार्रवाई करते हुए मवाना नगर पालिका ने इस मिल को सीमा में ले लिया।

इस मामले को लेकर मवाना शुगर मिल ने उच्च न्यायालय में वाद दायर कर दिया। उच्च न्यायालय ने 12 दिसम्बर 2014 को निर्णय दिया कि नगर पालिका द्वारा वर्ष 2007-2012 और वर्ष 2013-18 के लिए किए गए कर निर्धारण की कार्यवाही को निरस्त करते हुए फ्रेशा नोटिस देकर नियमानुसार व विधिनुसार आपत्तियों का निस्तारण करते हुए फ्रेश एसेसमेंट आर्डर किए जाएं। दिसम्बर वर्ष 2014 को उच्च न्यायालय के दिए गए निर्णय पर कई सालों से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

- **कर अधीक्षक के वेतन पर पालिका चेयरमैन ने लगाई रोक**
- **कार्यों में लापरवाही के चलते उठाया कदम**

नगर पालिका के चेयरमैन अखिल कौशिक ने 28 जुलाई 25 को जारी नोटिस में कहा कि कर अधीक्षक के द्वारा बार-बार सचेत किये जाने के बावजूद मवाना शुगर मिल पर कर निर्धारण के मामले में पूरा कार्य नहीं किया गया। कर निर्धारण की कार्रवाई करते हुए 20 माह से अधिक समय बीत चुका है लेकिन मवाना मिल के कर निर्धारण की रिपोर्ट नहीं दी गई। कर अधीक्षक द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने पर पालिका को वित्तीय हानि हो रही है। दो दिन पहले लिखे पत्र में भी चेयरमैन अखिल कौशिक ने पालिका को कार्यो में कर अधीक्षक अनिल यादव की लापरवाही मानी है। इस कारण उनके जुलाई 25 माह के वेतन आहरण पर रोक लगाने के आदेश जारी किये है। उधर पालिका कर अधीक्षक अनिल यादव ने कहा कि पालिका में राजस्व निरीक्षक का पद खाली है, कर निर्धारण का कार्य उनका है। मवाना पालिका में तैनात हुए दो साल हुए है। उनके पास एक संग्रह कर्ता कर्मचारी व एक लिपिक दे रखा है। कम्प्यूटर आपरेटर नहीं दिया गया। पालिका के अवर अभियंता को उनके कार्य में सहयोग के लिए पत्र लिखा लेकिन सहयोग नहीं मिला। उन्होंने अकेले आवासीय व कामर्शियल भवनों की नापतौल की है।

बालिका वॉलीबॉल टीम का किया भव्य स्वागत

मेरठ, 31 जुलाई (देशबन्धु)। कंकरखेड़ा स्थित तक्षशिला पब्लिक स्कूल में आगरा में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर में गोल्ड मेडल जीतने वाली बालिका यू-19 वॉलीबॉल टीम का भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर टीम के खिलाड़ीयों के माता-पिता, कोच तथा सभी शिक्षक भी मौजूद रहे। बालिका टीम अब सितम्बर में होने वाले नेशनल गेम्स में शिरकत करेगी। स्कूल के चेयरमैन डा. ओमपाल सिंह व प्रधानाचार्य डा. प्रवीन कुमार पथरा ने सभी खिलाडियों तथा उनके कोच यशपाल सिंह, प्रवीन राठी तथा निशांत नैन को शील्ड देकर सम्मानित किया। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. ओमपाल सिंह और प्रधानाचार्य डॉ.प्रवीन कुमार पथरा ने खिलाड़ियों, स्कूल कोच पीके राठी, यशपाल सिंह व निशांत नैन एवं अभिभावकों को जीत की बधाई दी एवं खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

'बिग बॉस' के कॉन्सेप्ट में सहज नहीं फिल्म स्टार अभिषेक बजाज

मुंबई। अभिनेता अभिषेक बजाज ने रियलिटी शो 'बिग बॉस' जैसे शोज को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने बताया कि वह एक्टिंग को प्राथमिकता देते हैं और रियलिटी शोज में जाने से पहले एक अभिनेता के रूप में अपनी पहचान मजबूत करना चाहते हैं। अभिषेक ने कहा कि मुझे अलग-अलग किरदार निभाने में मजा आता है। इससे दर्शकों से जुड़ाव बनता है और वे मेरी एक्टिंग की सराहना करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह नॉन-फिक्शन शोज को पूरी तरह खारिज नहीं करते, क्योंकि उनका मानना है कि कभी भी नहीं नहीं कहना चाहिए। अभिषेक को पहले भी रियलिटी शोज के लिए ऑफर मिले, लेकिन उस समय वह शूटिंग में व्यस्त थे और एक्टिंग पर ध्यान देना चाहते थे।

स्तन कैंसर को लेकर शोधकर्ताओं का अध्ययन

कोविड व फ्लू वायरस से स्तन कैंसर कोशिकाएं हो सकती हैं सक्रिय

■ शोध में चूहों पर किए गए प्रयोगों और मानव रोगियों के विश्लेषण में चला पता

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। एक नए अध्ययन के अनुसार कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा जैसे सामान्य श्वसन संक्रमण फेफड़ों में निष्क्रिय (डॉर्मेंट) ब्रेस्ट कैंसर कोशिकाओं को सक्रिय कर सकते हैं, जिससे नए मेटास्टेटिक ट्यूमर बनने का खतरा बढ़ जाता है।

'नेचर' मैग्जीन में प्रकाशित इस शोध में चूहों पर किए गए प्रयोगों और मानव रोगियों के विश्लेषण से पता चला है कि कोविड-19 (सार्स-कोविड-2) महामारी के दौरान कैंसर से बचे लोगों में मृत्यु दर और फेफड़ों में मेटास्टेटिक बीमारी में वृद्धि हुई। अमेरिका के अल्बर्ट आइंस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन के जूलियो अगुइरे-घिसो ने कहा कि हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि कैंसर सर्वाइवर्स को श्वसन वायरस से बचाव के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। इसमें वैक्सीनेशन और डॉक्टर से सलाह लेना भी शामिल है।

पिछले शोधों से पता चला है कि सूजन की प्रक्रिया निष्क्रिय कैंसर कोशिकाओं को सक्रिय कर सकती है। ये कोशिकाएं प्राइमरी ट्यूमर से अलग होकर अन्य अंगों में फैलती हैं और लंबे समय तक निष्क्रिय रहती हैं। कोविड महामारी के दौरान कैंसर मृत्यु दर में वृद्धि ने इस विचार को बल दिया कि गंभीर सूजन इन कोशिकाओं को सक्रिय कर सकती है। शोधकर्ताओं ने चूहों पर सार्स-कोविड 2 और इन्फ्लूएंजा वायरस का परीक्षण किया।

दोनों ही वायरस ने फेफड़ों में निष्क्रिय डीसीसीएस को सक्रिय कर दिया, जिससे कुछ ही दिनों में मेटास्टेटिक कोशिकाओं की संख्या तेजी से बढ़ी और दो सप्ताह के भीतर मेटास्टेटिक घाव दिखाई दिए।

मॉलेक्यूलर एनालिसिस से पता चला कि यह प्रक्रिया इंटरल्यूकिन-6 नामक प्रोटीन के कारण होती है, जो संक्रमण या चोट के जवाब में इम्यून सेल्स छोड़ती हैं। इससे अवरोधकों या अन्य लक्षित इम्यूनोथेरेपी से मेटास्टेसिस को रोकने या कम करने में मदद मिल सकती है।

मानव डेटाबेस के विश्लेषण से पता चला कि कैंसर से ठीक हुए मरीजों में श्वसन संक्रमण के बाद मेटास्टेसिस का खतरा बढ़ जाता है, खासकर पहले साल में। नीदरलैंड्स की यूट्रीख्ट यूनिवर्सिटी के रूल वर्म्यूलन ने बताया कि कैंसर से बचे लोगों में सामान्य श्वसन वायरल संक्रमण के बाद मेटास्टेटिक रिलैप्स का जोखिम बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि यह अध्ययन कोविड-19 टीकों के उपलब्ध होने से पहले का है।

सीलिएक की दवा बच्चों के पोस्ट कोविड सिंड्रोम इलाज में मददगार

नई दिल्ली। सीलिएक रोग (आंतों की एक ऑटोइम्यून बीमारी) के इलाज के लिए बनाई गई दवा 'लाराजोटाइड' उन बच्चों के लिए फायदेमंद हो सकती है, जो कोविड-19 के बाद गंभीर पोस्ट-कोविड सिंड्रोम से पीड़ित हैं। यह बात एक अध्ययन में सामने आई है। यह अध्ययन 'साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

कोविड-19 बच्चों में कम होता है, लेकिन कुछ मामलों में यह मल्टीसिस्टम इन्फ्लेमेटरी सिंड्रोम इन चिल्ड्रन (एमआईएस-सी) का कारण बन सकता है। यह एक गंभीर स्थिति है, जिसमें तेज बुखार, पेट की समस्याएं और दिल को नुकसान जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। अध्ययन में पाया गया कि लाराजोटाइड ने एमआईएस-सी से पीड़ित बच्चों को जल्दी सामान्य गतिविधियों में लौटने में मदद की।

मास जनरल ब्रिघम के सिस्टिक फाइब्रोसिस सेंटर की सह-निदेशक और प्रमुख शोधकर्ता लाएल योनकर ने कहा कि हमारा अध्ययन छोटा है, लेकिन इसके परिणाम महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल एमआईएस-सी बल्कि लॉन्ग कोविड (लंबे समय से पीड़ित) के इलाज में भी उपयोगी हो सकता है।

उन्होंने बताया कि लाराजोटाइड सुरक्षित है और यह बच्चों में एमआईएस-सी के लक्षणों को तेजी से कम करती है। वर्तमान में एमआईएस-सी के इलाज के विकल्प सीमित हैं। कुछ मरीजों को सामान्य सूजन-रोधी दवाएं दी जाती हैं, लेकिन इनके बंद होने पर लक्षण फिर से सामने आ सकते हैं। ये दवाएं आंतों में मौजूद सार्स-कोविड-2 वायरस कणों को लक्षित नहीं करतीं। वहीं, लाराजोटाइड मुंह से ली जाने वाली दवा है, जो आंतों की दीवार को मजबूत करती है और वायरस कणों को खून में जाने से रोकती है।

शोधकर्ताओं ने 12 बच्चों पर डबल-ब्लाइंड क्लिनिकल ट्रायल किया। बच्चों को 21 दिनों तक रोज चार बार लाराजोटाइड या प्लेसिबो दिया गया और छह महीने तक उनकी निगरानी की गई। लाराजोटाइड लेने वाले बच्चों में पेट के लक्षण जल्दी ठीक हुए, वायरस कण तेजी से खत्म हुए और वे जल्दी सामान्य जीवन में लौटे।

'हाउसफुल-5' में शूट से पहले चित्रांगदा थीं नर्वस

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। गैसलाइट, इनकार, हजारों ख्वाहिशें ऐसी जैसी फिल्मों काम कर चुकी अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने बताया कि वह कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल-5' में काम करने से पहले बहुत घबराई हुई थीं क्योंकि बाकी सभी एक्टर्स पहले से ही कॉमेडी के अंदाज में ढल चुके थे, और वह उस माहौल में ढलने की कोशिश कर रही थीं। अभिनेत्री ने बताया कि मैं सच में शूटिंग शुरू होने से पहले घबराई हुई थी। लेकिन एक बार जब मैं उस माहौल में ढल गई, तो मैंने शूटिंग को खूब इंजॉय किया और बहुत मजा आया। अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्हें कॉमेडी का तरीका समझ में आ गया, तो शूटिंग में बहुत मजे किए थे। 'तरुण मनसुखानी' द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेत्री ने कुछ स्टंट भी किए हैं। चित्रांगदा सिंह ने बताया कि हाउसफुल 5 की शूटिंग के दौरान कोई रिहर्सल नहीं हुई, बस सीधा सेट पर जाकर एक्टिंग शुरू करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि मैं कभी शूटिंग में लड़ाई के सीन कर रही थीं। मुक्के मार रही थीं, लातें चला रही थीं, और कभी खुद गिर रही थीं। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं फिर से बच्ची बन गई हूं। गंभीर, रोमांटिक किरदार करने वाली चित्रांगदा के लिए माया जैसा मस्तीभरा और अजीबोगरीब किरदार निभाना कुछ नया था। लेकिन उन्हें यह अनुभव काफी अच्छा लगा। अभिनेत्री ने आगे कहा कि सच कहूं तो ये बहुत मजेदार अनुभव था। अभिनय के दौरान मैंने खुद को आजाद कर दिया था और बस पागलपन को इंजॉय करने लगी थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज और सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे सितारे अहम भूमिका में हैं।

शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता के लिए अश्विनी अय्यर तिवारी व शूजीत सरकार जूरी में शामिल

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2025 के शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता के लिए फिल्मकार अश्विनी अय्यर तिवारी और शूजीत सरकार को जूरी में शामिल

किया गया है। भारतीय सिनेमा और इसकी कहानियों को दुनियाभर में सम्मानित करने वाला प्रतिष्ठित मंच आईएफएफएम, 2025 की शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता के लिए अश्विनी अय्यर तिवारी और शूजीत सरकार को जूरी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। हर साल इस प्रतियोगिता में कई नई और साहसी कहानियां सामने आती हैं, और शॉर्ट फिल्म श्रेणी सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी और रचनात्मक रूप से समृद्ध मानी जाती है। अश्विनी अय्यर तिवारी, जिनकी फिल्में नील बटे सन्नाटा और बरेली की बर्फी मानवीय भावनाओं को खूबसूरती से दर्शाती हैं, ने जूरी का हिस्सा बनने को लेकर कहा कि आईएफएफएम की शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता की जूरी में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। शॉर्ट फिल्में एक बेहद असरदार माध्यम होती हैं, जो नई सोच और ताज़गी भरे नज़रिए से भरी होती हैं। मैं उन कहानियों को देखने के लिए उत्साहित हूं जो सच्चाई, नवाचार और युवा फिल्ममेकर्स का जुनून दिखाती हैं।

शूजीत सरकार, जिन्होंने पीकू, अक्टूबर, और सरदार उधम जैसी सामाजिक रूप से संवेदनशील फिल्में बनाई हैं, ने कहा कि आईएफएफएम एक शानदार मंच है जो दुनियाभर की प्रतिभाओं को एक साथ लाता है। शॉर्ट फिल्में अपनी संक्षिप्तता और गहराई से अक्सर लंबे समय तक असर छोड़ जाती हैं। मैं इस साल की प्रविष्टियां देखने और कुछ नए, दमदार फिल्ममेकर्स को जानने के लिए उत्सुक हूं।

फेस्टिवल डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने कहा कि हम बेहद खुश हैं कि अश्विनी अय्यर तिवारी और शूजीत सरकार इस साल की शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता की जूरी में शामिल हो रहे हैं। वे भारतीय सिनेमा के सबसे सम्मानित क्रिएटिव लोगों में से हैं, और उनकी समझ और नजरिया प्रतियोगिता के मूल्यांकन को और खास बनाएगा।

स्कूली छात्राओं के पॉकेट मनी से बनाई राखियां

■ सीमाओं पर तैनात जवानों की कलाईयों में बंधेंगी

जांजगीर- चांपा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ के जांजगीर चाम्पा जिला के स्काउट एंड गाइड में शामिल स्कूली छात्राओं के हाथों से बनी राखियां थल सेना के जवानों के लिए भेजी जा रही है। जिले भर के स्कूल्स की छात्राओं ने तीन हजार राखियां अपने हाथों से बनाई है। छात्राओं के पॉकेट मनी से बनी राखियां थल सेना के जवानों के हाथों में बंधेंगी।

जांजगीर चांपा के स्काउट गाइड प्रभारी दीपक यादव ने बताया कि जिले के स्कूल्स से राखियों को इकट्ठा करके रायपुर छत्तीसगढ़ स्थित कार्यालय में भेजा जा चुका है। छत्तीसगढ़ राज्य स्कूल शिक्षा विभाग और स्काउट एंड गाइड, छत्तीसगढ़ राज्य ने मिलकर एक राखी, सैनिक भाइयों के नाम का कार्यक्रम चलाकर राज्य भर के स्कूलों में इस कार्यक्रम में शामिल होने का आदेश जारी किया था।

दीपक ने कहा कि 'एक राखी, सैनिक भाइयों के नाम' की योजना पर काम कर रही स्कूली छात्राओं ने अपने पॉकेट मनी के रुपयों से यह राखियां बनाई हैं। स्काउट गाइड राज्य कार्यालय की ओर से यह राखियां, सीमा पर तैनात सेना के जवानों के लिए भेजी जाएंगी। स्कूली छात्राओं की यह पहल,सेना का मनोबल बढ़ाने में सहायक होगा। साथ ही, होगा यह भी कि हंसते-हंसते देश के लिए कुर्बानी देने को तैयार वीर जवानों की आंखों में खुशी आंसू होंगे और उनका दिल कहेगा- ये मेरा इंडिया।

स्वाद व औषधीय गुणो से भरपूर 'लिंगुड़ा'

■ रक्त चाप कंट्रोल करने व वजन घटाने में मददगार
■ विटामिन ए, विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, पोटैशियम, कॉपर और कैरोटीन जैसे पोषक तत्व

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बरसात के मौसम में सेहत की देखभाल करना काफी जरूरी होता है, क्योंकि इस मौसम में नमी, गंदगी और वातावरण में बदलाव आता है, जो कई बीमारियों को साथ लाता है। ऐसे में बेहद जरूरी हो जाता है कि हम अपने भोजन में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करें जो न सिर्फ शरीर को ऊर्जा दें, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाएं। इस मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियों और मौसमी फलों का सेवन फायदेमंद माना जाता है। लेकिन इन सबके बीच एक ऐसी पहाड़ी सब्जी भी है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इस सब्जी का नाम है 'लिंगुड़ा', जिसे अलग-अलग क्षेत्रों में 'लिंगड़', 'लुंगडू' या 'कसरोड' जैसे नामों से जाना जाता है।

अमेरिकी वेबसाइट 'वेबएमडी' और अन्य न्यूट्रिशन पोर्टल्स के अनुसार, लिंगुड़ा का वानस्पतिक नाम मैटेरिया स्ट्रुथिओप्टेरिस है। इसमें लगभग 6 ग्राम प्रोटीन, 3 ग्राम फाइबर, 2 मिलीग्राम आयरन, 31 मिलीग्राम विटामिन सी, 8 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, और केवल 1 ग्राम फैट होता है। इसके अलावा, इसमें विटामिन ए, विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, पोटैशियम, कॉपर, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, सोडियम, और कैरोटीन जैसे आवश्यक पोषक तत्व भी पाए जाते हैं, जो शरीर को बीमारियों से बचाने के लिए जरूरी माने जाते हैं।

यह एक मौसमी सब्जी है, जो खासतौर पर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों के पहाड़ी इलाकों में उगती है। यह सब्जी बरसात के मौसम में पाई जाती है। स्वाद में बेहद खास होने के साथ-साथ यह सब्जी औषधीय गुणों से भरपूर होती है। पहाड़ी क्षेत्रों में लोग इसे सब्जी, अचार या साग के रूप में खाते हैं।

लिंगुड़ा के सेवन से कई जबरदस्त फायदे मिलते हैं। लिंगुड़ा में पाया जाने वाला फाइबर शरीर में जमे खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा घटता है। साथ ही, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ब्लड वेसल्स को स्वस्थ बनाए रखते हैं। यह ब्लड शुगर और बीपी को कंट्रोल करता है। इस सब्जी में पोटैशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करती है। साथ ही, इसमें कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण यह डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है। फाइबर की मौजूदगी ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद करती है। इसके अलावा, लिंगुड़ा पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। विटामिन सी का भरपूर स्रोत होने के कारण यह सब्जी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है। इसमें मौजूद फाइबर कब्ज, गैस, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याओं को दूर करता है। यह आंतों की सफाई में मदद करता है और पाचन क्रिया को सुधारता है। यह वजन घटाने में मददगार होती है। कम कैलोरी, कम फैट और अधिक फाइबर वाली यह सब्जी मेटाबॉलिज्म को तेज करती है और भूख को नियंत्रण में रखती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

'सेलून वाले गुरुजी' की अनोखी पहल

गुरुजी खुद नि:शुल्क काटते हैं छात्रों के बाल

■ अब तक 300 से अधिक बच्चों तक पहुंच चुकी है पहल

कबीरधाम/रायपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में शासकीय स्कूलों की दुर्दशा और शिक्षकों की उदासीनता के किस्से आम हैं, लेकिन कबीरधाम जिले के एक शिक्षक ने अपने कार्यों से इस धारणा को बदलने का प्रयास किया है।

जिले के बोड़ला ब्लॉक के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षक पूनाराम पनागर, जिले में 'सेलून वाले गुरुजी' के नाम से पहचाने जाते हैं। वजह है-बच्चों की पढ़ाई को बढ़ावा देने उनका ये अनोखा तरीका। पूनाराम न सिर्फ बच्चों को पढ़ाते हैं बल्कि सरकारी हॉस्टलों में रह रहे गरीब और आदिवासी छात्रों के बाल भी खुद नि:शुल्क काटते हैं। उनका उद्देश्य बच्चों के अभिभावकों का आर्थिक बोझ कम कर उन्हें पढ़ाई की ओर प्रेरित करना है। पूनाराम बताते हैं, जब मैं महलीघाट गांव के स्कूल में पदस्थ था, वहां आस-पास सैलून नहीं थे। बच्चों के लंबे बालों से परेशानी होती थी, तब मैंने खुद बाल काटना शुरू किया। बाद में यह आदत बन गई। वर्ष 2012 से शुरू हुई यह पहल अब तक 300 से अधिक बच्चों तक पहुंच चुकी है। हर महीने एक रविवार को पूनाराम सरकारी एससी-एसटी हॉस्टल के बच्चों के बाल काटते हैं। साथ ही वह बीते 15 वर्षों से पहली से दसवीं कक्षा तक के बच्चों को मुफ्त कोचिंग भी दे रहे हैं। पनागर हर साल खुद पर्चा छपवाकर लोगों से सरकारी स्कूल में बच्चों को पढ़ाने की अपील करते हैं।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत में जेपी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने हासिल किया बारह पदक

ग्रेटर नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। डीजे ग्रुप ऑफ कॉलेजे, मोदीनगर में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स भारत उत्तर प्रदेश राज्य चैम्पियनशिप में बौद्धिक अक्षमता वाले खिलाड़ियों ने प्रतिभा और खेल भावना का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. मल्लिका नड्डा (अध्यक्ष, स्पेशल ओलंपिक्स भारत), उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण और दिव्यांगजन मंत्री, नरेंद्र कश्यप उपस्थित रहे। इस चैम्पियनशिप में जेपी पब्लिक स्कूल ग्रेटर नोएडा के छात्रों ने कुल 12 पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया, जिसमें 9 स्वर्ण और 3

रजत पदक शामिल हैं। प्रमुख विजेताओं में शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में अंश ठाकुर-गोल्फ और टेनिस में स्वर्ण, कुशिका चौहान- गोल्फ और बास्केटबॉल में स्वर्ण, आराध्या सिंह- टेनिस और बास्केटबॉल में स्वर्ण, रिवान श्रीवास्तव-बास्केटबॉल में स्वर्ण, टेबल टेनिस में कांस्य, आर्यन सिंह-बास्केटबॉल में स्वर्ण, टेबल टेनिस में कांस्य, विवान जैन- बास्केटबॉल में स्वर्ण, टेबल टेनिस में कांस्य, जगन पनिमिल- बास्केटबॉल में रजत, अरुष सिंह- बास्केटबॉल में रजत, हृद्य शंकर-गोल्फ में रजत प्राप्त किया। प्रतियोगिता में संयोजक नीरज सिंह, एचओडी पीई स्पोर्ट्स, कोच सचिन कुमार, धर्मेंद्र कुमार, पारुल गोस्वामी, आकाश शर्मा तथा विशेष शिक्षक पूनम ठाकुर मौजूद रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह 2025

बच्चों के स्वस्थ विकास का सबसे प्रभावी तरीका

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हर साल अगस्त के पहले सप्ताह में विश्व स्तनपान सप्ताह (1-7 अगस्त) मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य शिशुओं को कुपोषण से बचाना और उनके मानसिक-शारीरिक विकास को बढ़ावा देना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के सहयोग से यह अभियान स्तनपान के महत्व को रेखांकित करता है, जो बच्चों के स्वस्थ विकास और जीवन रक्षा का सबसे प्रभावी तरीका है।

इस वर्ष की थीम 'स्तनपान को प्राथमिकता दें स्थायी सहायता प्रणालियां बनाएं है, जिसका उद्देश्य माताओं और शिशुओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। यह थीम माताओं को स्तनपान के लिए प्रोत्साहित करने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सहायता पर भी ध्यान दिलाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के अनुसार, स्तनपान बच्चों को स्वस्थ रखने का सबसे अच्छा तरीका है। यह शिशुओं को पोषण और रोगों से लड़ने की ताकत देता है, जिससे दस्त और निमोनिया जैसी बीमारियों से बचाव होता है। साथ ही, यह माताओं में स्तन कैंसर, डिम्बग्रंथि कैंसर और टाइप-2 मधुमेह का खतरा कम करता है। वर्तमान में दुनिया भर में 6 महीने से कम उम्र के केवल 48 प्रतिशत शिशुओं को ही पूरी तरह स्तनपान कराया जाता है। पिछले 12 सालों में यह आंकड़ा 10 प्रतिशत बढ़ा है, जिससे लाखों बच्चों की जान बची है। फिर भी साल 2025 तक 50 प्रतिशत का लक्ष्य पाने के लिए और मेहनत चाहिए। यूनिसेफ के आंकड़ों के अनुसार, स्तनपान दरों में सुधार से हर साल 8.2 लाख बच्चों की जान बचाई जा सकती है। आपात स्थितियों में यह शिशुओं के लिए सुरक्षित और सुलभ भोजन का स्रोत है। यूनिसेफ के अनुसार, 'पिछले 12 वर्षों में दुनिया भर में छह महीने से कम उम्र के उन शिशुओं की संख्या, जिन्हें केवल स्तनपान कराया जाता है, 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी है। इसका मतलब है कि दुनिया भर में 48 प्रतिशत शिशु अब जीवन की इस स्वस्थ शुरुआत का लाभ उठा रहे हैं। इसका मतलब है कि स्तनपान से लाखों शिशुओं की जान बच गई है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और स्वास्थ्य कर्मी माताओं को स्तनपान के बताएंगी फायदे

इस कैंपेन का लक्ष्य समाज, ऑफिस और सरकारी नीतियों में ऐसी व्यवस्थाएं बनाना है जो माताओं को स्तनपान के लिए समर्थन दें। बोतलबंद दूध के नुकसान के बारे में जागरूकता फैलाना और कार्यस्थलों पर सहायता बढ़ाना भी इसका हिस्सा है। 2025 की थीम पर्यावरण और मातृ स्वास्थ्य को जोड़ती है, जो स्तनपान को टिकाऊ और पर्यावरण के लिए फायदेमंद बताती है। जब माताओं को अपने शिशुओं को स्तनपान कराने के लिए आवश्यक सहायता मिलती है, तो सभी को लाभ होता है। आंकड़ों के अनुसार, स्तनपान दरों में सुधार से हर साल 8,20,000 से ज्यादा बच्चों की जान बचाई जा सकती है। शुरुआती वृद्धि और विकास के इस महत्वपूर्ण दौर में स्तन के दूध में मौजूद एंटीबॉडी शिशुओं को बीमारी और मृत्यु से बचाती हैं। यह आपात स्थिति के दौरान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जब स्तनपान शिशुओं और छोटे बच्चों के लिए एक सुरक्षित, पौष्टिक और सुलभ भोजन स्रोत की गारंटी देता है।

कश्मीर में मटन का संकट गहराया

शादियों की तैयारियों में जुटे परिवारों के लिए चिंता का विषय

■ अवैध भुकतान वसूलने से शंभू बॉर्डर व माधोपुर में ट्रांसपोर्टर परेशान
■ कसाई से लेकर रसोइयों और आपूर्तिकर्ताओं तक, पूरी व्यवस्था ठप

जम्मू, 31 जुलाई (देशबन्धु)। कश्मीर में मटन का संकट गहरा गया है, ठीक ऐसे समय में जब कश्मीर एक अगस्त से शुरू होने वाले शादियों के चरम सीजन की तैयारी कर रहा है। मटन डीलरों की हड़ताल वीरवार को लगातार छठे दिन भी जारी रही, जिससे मांस की आपूर्ति लगभग ठप हो गई है, जिससे शादियों की तैयारी कर रहे परिवारों में व्यापक कमी और चिंता पैदा हो गई है। कश्मीर मटन डीलर्स एसोसिएशन के नेतृत्व में यह हड़ताल, व्यापारियों द्वारा पंजाब के अधिकारियों पर लगाए गए व्यवस्थित जबरन वसूली और उत्पीड़न के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन है – यही एकमात्र रास्ता है जिससे पशुओं से लदे ट्रक जम्मू-कश्मीर जाते हैं।

एसोसिएशन के महासचिव मेहराजुद्दीन गनी कहते थे कि कश्मीर में पशु लाने वाले सभी ट्रकों को पंजाब से होकर गुजरना पड़ता है, और हर ट्रक से 20,000 से 40,000 रुपए तक का अवैध भुगतान वसूला जा रहा है। हमने कैबिनेट मंत्री

सतीश शर्मा और जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी के समक्ष यह मुद्दा उठाया है, लेकिन कुछ भी नहीं बदला है। हमारे ट्रांसपोर्टरों को शंभू बॉर्डर और माधोपुर में अभी भी परेशान किया जा रहा है।

डीलरों का कहना है कि सभी कर चुकाने और आवश्यक परमिट प्राप्त करने के बावजूद, पशुओं के ट्रकों को मनमाने ढंग से रोका जा रहा है और बेबुनियाद आधारों पर दंडित किया जा रहा है, जिससे आपूर्ति में देरी हो रही है और परिवहन लागत बढ़ रही है। गनी कहते थे कि हम रियायतों की मांग नहीं कर रहे हैं। हम बस अपने व्यापार को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक सुरक्षित, वैध मार्ग की मांग कर रहे हैं।

यह हड़ताल इससे बुरे समय पर नहीं आई है। अगस्त कश्मीर में सबसे व्यस्त शादियों के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है, जब हर हफ्ते सैकड़ों शादियां होती हैं। कश्मीरी शादियों के लिए, मटन अपरिहार्य है – पारंपरिक बहु-कोर्स वाजवान का मुख्य आकर्षण। शादी के मौसम के शुरू होने में बमुश्किल दो दिन बचे हैं, हमारे पास स्टॉक में मटन नहीं है। अगर यह हड़ताल जल्द खत्म नहीं हुई, तो शादियों को स्थगित करना पड़ेगा या उनके आकार को छोटा करना होगा, श्रीनगर शहर के एक कैटरर का कहना था। कसाई से लेकर रसोइयों और आपूर्तिकर्ताओं तक, पूरी व्यवस्था ठप हो गई है। बढ़ते दबाव के मद्देनजर, जम्मू कश्मीर सरकार ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक तीन-सदस्यीय टीम गठित की है, जिसे पंजाब के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करने का काम सौंपा गया है। इस टीम में विधिक माप विज्ञान विभाग के उप-नियंत्रक मनोज प्रभाकर, कश्मीर के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के उप-निदेशक मुहम्मद रफीक भट और जम्मू के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के उप-निदेशक शाम लाल अबरोल शामिल हैं। एक सरकारी आदेश के अनुसार, समिति को संबंधित अधिकारियों से बातचीत करने और राजमार्गों पर अधिक शुल्क वसूलने और कथित जबरन वसूली के मुद्दे को सुलझाने के लिए पंजाब का दौरा करने की मंजूरी दी गई है। उम्मीद है कि वे इस दौरे के बाद प्रशासनिक विभाग को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
हिंद यूनिलीवर	3.48 प्रतिशत
इटरनल	1.40 प्रतिशत
आईटीसी	1.01 प्रतिशत
कोटक बैंक	0.96 प्रतिशत
पावर ग्रिड	0.64 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
टाटा स्टील	2.20 प्रतिशत
सन फार्मा	1.69 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	1.50 प्रतिशत
रिलायंस	1.39 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.37 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	98,296
बिटुर	90,700
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,13,400
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7862.15
मसूर काली	8057.45
उड़द दाल	10487.46
मूंग दाल	10126.14
अरहर दाल	10996.74

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

वित्त वर्ष 26 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारत की जीडीपी, शहरी मांग और टैक्स में कटौती से मिलेगा सहारा

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की विकास दर वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत के करीब रह सकती है और इसे ब्याज दरों और इनकम टैक्स में कटौती एवं बढ़ती हुई शहरी मांग से फायदा मिल सकता है। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से दी गई। पीडब्ल्यूसी में पार्टनर्स रानेन बनर्जी और मनोरंजन पटनायक ने नोट में कहा कि वित्त वर्ष 26 में खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान 3.7 प्रतिशत से कम रह सकती है। इसके कारण केंद्रीय बैंक के पास 25 आधार अंक से लेकर 50 आधार अंक तक रेट कट की पर्याप्त जगह है। पीडब्ल्यूसी के एक्सपर्ट्स का मानना है कि मौद्रिक नीति में नरमी और टैक्स कटौती का अर्थव्यवस्था पर देर से, लेकिन सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। बनर्जी ने कहा कि इन कारणों से वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही की कॉर्पोरेट आय पहली तिमाही की तुलना में बेहतर रहने की संभावना है। पीडब्ल्यूसी के एक्सपर्ट्स ने निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय के महत्व पर भी जोर दिया। बनर्जी ने कहा कि सरकार को लगातार उच्च आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए अगले दशक तक इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश की गति को बनाए रखना होगा। ग्रामीण मोर्चे पर अन्य एक्सपर्ट पटनायक ने कहा कि ग्रामीण मजदूरी में लगातार इजाफा हो रहा है, जिससे ग्रामीण उपभोग को बढ़ावा मिलने और समग्र आर्थिक गतिविधि को समर्थन मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि सामान्य से बेहतर मानसून से कृषि क्षेत्र को लाभ होने की संभावना है, जिससे ग्रामीण मांग में और वृद्धि होगी। हालांकि, निर्यात को लेकर आउटलुक सतर्क बना हुआ है। पीडब्ल्यूसी ने बताया कि राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों के अनुसार, नॉमिनल निर्यात वृद्धि वित्त वर्ष 25 की चार में से तीन तिमाहियों में 10 प्रतिशत से नीचे रही है।

वित्त मंत्रालय ने हाल ही में जारी की एक रिपोर्ट में कहा, घरेलू अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही की शुरुआत तुलनात्मक रूप से मजबूत स्थिति में कर रही है। साथ ही बताया कि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में घरेलू आपूर्ति और मांग मजबूत रही है। वहीं, मुद्रास्फीति निर्धारित सीमा के भीतर और मानसून की प्रगति योजना के अनुसार रही है।

वित्त वर्ष 26 में खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान 3.7 प्रतिशत से कम रह सकती है। इसके कारण केंद्रीय बैंक के पास 25 आधार अंक से लेकर 50 आधार अंक तक रेट कट की पर्याप्त जगह है : रानेन बनर्जी, पार्टनर्स पीडब्ल्यूसी

वित्त वर्ष 26 में भारत के 48 प्रतिशत जीसीसी अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की कर रहे तैयारी

नई दिल्ली। भारत के वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) वित्त वर्ष 26 में प्रतिभा विस्तार (टैलेंट एक्सपेंशन) की तैयारी कर रहे हैं। 48 प्रतिशत जीसीसी अपने कर्मचारियों की संख्या 2024 के स्तर से आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जीसीसी के लिए अर्ली करियर लेटरल टैलेंट (1 से 5 वर्ष) मुख्य नियुक्ति केंद्र बनी हुई हैं, क्योंकि यह लागत, क्षमता और अनुकूलनशीलता में संतुलन बनाए रखती है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और जेएलएल इंडिया की एक संयुक्त रिपोर्ट में, भर्ती फर्म टैग्ड ने कहा, 'वित्त वर्ष 26 के लिए हायरिंग सेंटीमेंट मजबूत बना हुआ है, 48 प्रतिशत जीसीसी द्वारा नियुक्तियों में वृद्धि की उम्मीद है, जबकि 19 प्रतिशत वित्त वर्ष 24 के समान नियुक्ति स्तर बनाए रखेंगे।' टैग्ड के सीईओ देवाशीष शर्मा ने कहा, 'जीसीसी इस वर्ष भारत की ग्रोथ स्टोरी के केंद्र बिंदु हैं। यहां जीसीसी का निर्माण या विस्तार करने वाले लीडर्स के लिए भारत का अनूठा संदर्भ एक रणनीतिक, स्थान-जागरूक और प्रतिभा-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है जो वैश्विक मानकों से परे हो।' रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिभाओं का पलायन बढ़ रहा है और 2025 में होने वाली सभी नियुक्तियों में से लगभग 40 प्रतिशत प्रतिस्थापन नियुक्तियां होंगी ।

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के लिए 6,520 करोड़ रुपए के परिव्यय को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को 15वें वित्त आयोग चक्र 2021-22 से 2025-26 तक के दौरान चल रही केंद्रीय क्षेत्र की प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के लिए 1,920 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि सहित कुल 6,520 करोड़ रुपए के परिव्यय को मंजूरी दी। इस मंजूरी में पीएमकेएसवाई योजना की घटक योजना- इंटीग्रेटेड कोल्ड चेन एंड वैल्यू एडिशन इंफ्रास्ट्रक्चर (आईसीसीवीएआई) के तहत 50 मल्टी प्रोडक्ट फूड इरैडिएशन यूनिट की स्थापना के लिए 1,000 करोड़ रुपए और बजट घोषणा के अनुरूप पीएमकेएसवाई योजना की घटक योजना- फूड सेफ्टी एंड क्वालिटी एश्योरेंस इंफ्रास्ट्रक्चर (एफएसक्यूएआई) के तहत एनएबीएल मान्यता प्राप्त 100 फूड टेस्टिंग लैब की स्थापना के लिए और 15वें वित्त आयोग चक्र के दौरान पीएमकेएसवाई की विभिन्न घटक योजनाओं के तहत परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए 920 करोड़ रुपए शामिल हैं। आईसीसीवीएआई और एफएसक्यूएआई, दोनों ही पीएमकेएसवाई की मांग-आधारित घटक योजनाएं हैं। देश भर की पात्र संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित करने के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी किए जाएंगे। ईओआई के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों को मौजूदा योजना दिशानिर्देशों के अनुसार पात्रता मानदंडों के अनुसार उचित जांच के बाद अप्रूव किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि प्रस्तावित 50 मल्टी प्रोडक्ट फूड इरैडिएशन यूनिट के कार्यान्वयन से इन यूनिट के अंतर्गत विकिरणित खाद्य उत्पादों के प्रकार के आधार पर प्रति वर्ष 20 से 30 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) तक की कुल प्रिजर्वेशन क्षमता सृजित होने की उम्मीद है।

■ **पीएमकेएसवाई की विभिन्न घटक योजनाओं के तहत परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए 920 करोड़ रुपए शामिल**

सात दिन बाद रुपए में लौटी तेजी, डॉलर के मुकाबले 11.50 पैसे मजबूत

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग आने और कच्चे तेल में नरमी से गुरुवार को रुपए में तेजी लौट आई और यह 11.50 पैसे मजबूत होकर 87.6550 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा लगातार सात कारोबारी दिवस पर टूटने के बाद मजबूत हुई है। यह बुधवार को करीब एक प्रतिशत लुढ़ककर 87.77 रुपए प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर रही थी। रुपए में आज शुरू से ही तेजी रही। यह 11 पैसे की मजबूती से साथ 87.66 रुपए प्रति डॉलर पर खुला। सुबह के कारोबार में इसका निचला स्तर 87.7450 रुपए प्रति डॉलर दर्जा किया गया, लेकिन बाद में तेजी मजबूती बढ़ती गयी। दोपहर के करीब 87.51 रुपए प्रति डॉलर तक मजबूत होने के बाद भारतीय मुद्रा अंत में 87.6550 रुपए प्रति डॉलर तक मजबूत हुई। अंत में यह 87.6550 रुपए प्रति डॉलर पर बंद होई। विदेशी निवेशकों की पूँजी बाजार में डॉलर लिवाली से भी रुपए को समर्थन मिला। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने आज भारतीय पूंजी बाजार में 59.6 करोड़ॉ डॉलर का शुद्ध निवेश किया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 0.6 फीसदी से अधिक चढ़े।

हमारा उद्देश्य पुलिस और सीआरपीएफ के लिए लेटेस्ट ड्रोन टेक्नोलॉजी को पेश करना : आधार बंसल

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। नेक्सजेन एग्जीबिशन के डायरेक्टर आधार बंसल ने गुरुवार को कहा कि इंटरनेशनल ड्रोन एक्सपो कार्यक्रम के साथ इस तरह की लेटेस्ट टेक्नोलॉजी को लाया और पेश किया जाता है, जिसे आर्मी और बॉर्डर फोर्सेस द्वारा पहले कभी इस्तेमाल नहीं किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष पेश की जाने वाली टेक्नोलॉजी पानी के अंदर भी काम करती है, जो कि एक यूनिक टेक्नोलॉजी है। नई दिल्ली में आयोजित '6वें इंटरनेशनल ड्रोन एक्सपो' दो दिवसीय कार्यक्रम के साइडलाइन में बंसल ने कहा, '15 देशों से 140 कंपनियां इस कार्यक्रम में अपनी अलग-अलग टेक्नोलॉजी को लेकर आई हैं। सर्विलेंस से लेकर सिस्टम कंट्रोल, एक्सेस कंट्रोल, ड्रोन और एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी कार्यक्रम में प्रदर्शित की जा रही हैं।'

इस वर्ष पेश की जाने वाली टेक्नोलॉजी पानी के अंदर भी काम करती है, जो कि एक यूनिक टेक्नोलॉजी हैः बंसल

बंसल ने कहा कि हमारा उद्देश्य पुलिस और सीआरपीएफ के लिए लेटेस्ट टेक्नोलॉजी को लाना है ताकि उनके द्वारा उनकी जरूरत के हिसाब से वे सही टेक्नोलॉजी को चुन कर उनका इस्तेमाल कर सकें। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में एनएसजी, आईबी, मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आर्मी और 20 राज्यों से डेलिगेशन हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पास मौजूद ड्रोन सरफेस के अलावा, अंडरवॉटर भी ऑपरेट किए जा सकते हैं।

बंसल ने जोर देते हुए कहा, 'हमारा ध्यान एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी पर भी है, ताकि जहां जरूरत हो वहां, एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी को डिप्लॉय किया जा सके। कार्यक्रम में पहुंचे भारत की स्वदेशी ड्रोन कंपनी अक्सी एयरोस्पेस ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर पंकज अकुला ने कहा कि कार्यक्रम में हम अपने ऑटो पायलट, बैटरी और कई सारे स्वदेशी ड्रोन कंपोनेंट्स, जिन्हें हमारी फैक्ट्री में बनाया जाता है, को डिस्प्ले करने आए हैं। उन्होंने कहा, 'हमने हैदराबाद में भारत की एक ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना की है। हमारे आरएंडडी सेंटर हैदराबाद में मौजूद हैं।

शेयर बाजारों में गिरावट, निफ्टी 24,800 अंक से नीचे उतरा

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां) अमेरिका के भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली हावी रही, हालांकि

■ **सेंसेक्स 296.28 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 81,185.58 अंक पर बंद हुआ**

■ **निफ्टी 86.70 अंक (0.35 प्रतिशत) नीचे 24,768.35 अंक पर रहा**

रुपए में आयी मजबूती ने बाजार को ज्यादा नहीं गिरने दिया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 296.28 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 81,185.58 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 86.70 अंक (0.35 प्रतिशत) नीचे 24,768.35 अंक पर रहा। लगातार दो दिन की तेजी के बाद बाजार में गिरावट आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क और रूस से सैन्य उपकरण और तेल खरीदने के कारण जुर्माना लगाने की घोषणा की थी। इसके बाद सुबह शेयर बाजारों में बिकवाली शुरू हो गई। सेंसेक्स 786.36 अंक लुढ़ककर 80,695.50 अंक पर खुला और नीचे 80,695.15 अंक तक उतर गया। एफएमसीजी कंपनियों हिंदुस्तान यूनिलिवर और आईटीसी के साथ इटरनल कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआईसीआई बैंकों के शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स इससे ज्यादा नहीं टूटा। दोपहर बाद यह हरे निशान में भी गया, लेकिन आखिरी घंटे में मुनाफा वसूली से फिर तेजी से गिरा। बुधवार की तुलना में 300 अंक से अधक चढ़कर एक समय यह 81,803.27 अंक पर भी पहुंच गया था। अमेरिकी डॉलर की तुलना में रुपए में सात दिन बाद लौटी तेजी से बाजार की गिरावट सीमित रही। सेंसेक्स में हिंदुस्तान यूनिलिवर का शेयर 3.48 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। इटरनल में 1.40 प्रतिशत और आईटीसी में 1.01 प्रतिशत की तेजी रही। टाटा स्टील में 2.20 फीसदी की गिरावट रही। सनफार्मा का शेयर 1.69 फीसदी, अडानी पोर्ट्स का 1.50 और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.39 प्रतिशत की गिरावट में रहा। निफ्टी-50 भी पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 212.80 अंक नीचे 24,642.25 अंक पर खुला। इसका दिन का निचला स्तर 24,642.25 अंक रहा जबकि ऊपर यह 24,956.50 अंक तक मजबूत हुआ। छोटी और मझौली कंपनियों में बिकवाली ज्यादा रही। एनएसई के निफ्टी मिडकैप-50 में 0.95 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 में 1.05 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी-100 भी 0.38 फीसदी टूट गया।kएनएसई में एफएमसीजी और मीडिया को छोड़कर अन्य समूहों के सूचकांक लाल निशान में रहे। तेल एवं गैस, फार्मा, धातु और स्वास्थ्य सेक्टरों पर दबाव ज्यादा रहा। विदेशों में एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख रहा। जापान का निक्केई 1.02 प्रतिशत मजबूत हुआ जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 1.60 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.18 फीसदी लुढ़क गया।

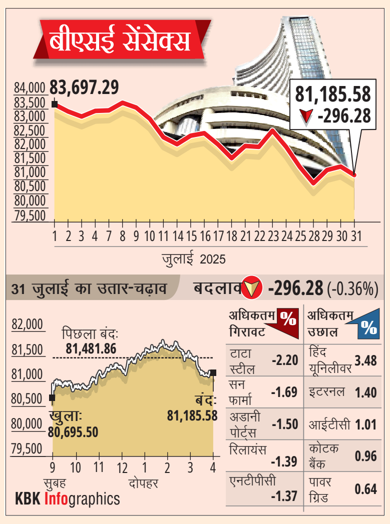

रिमोट वर्क की मांग बढ़ने के साथ भारत में औपचारिक नियुक्तियां स्थिर

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के औपचारिक क्षेत्र में जून में रोजगार सृजन स्थिर रहा और मई में हुई मजबूत वृद्धि के बाद नौकरियों की पोस्टिंग में मामूली 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इंडीड हायरिंग लैब ने एक रिपोर्ट में कहा है कि सालाना आधार पर 4.8 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद, नौकरियों की पोस्टिंग अभी भी कोरोना-पूर्व के स्तर से 80 प्रतिशत अधिक है, जो औपचारिक नियुक्ति गतिविधि की मजबूती को दर्शाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, कुछ नियोक्ताओं द्वारा ऑफिस रूटीन में लौटने के प्रयासों के बावजूद, 'रिमोट वर्क' नौकरी चाहने वालों की रुचि को आकर्षित कर रहा है। जून में, 8.7 प्रतिशत नौकरी पोस्टिंग में जॉब डिस्क्रिप्शन में 'वर्क फ्रॉम होम' या 'हाइब्रिड वर्क' जैसे कीवर्ड शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन यह 2020 के अपने पीक 11.3 प्रतिशत से काफी नीचे है।

शहरी क्षेत्रों में लंबी यात्राओं, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी या वैश्विक नौकरियों तक बढ़ती पहुंच और बेहतर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण रिमोट वर्क आकर्षक बना हुआ है, जिसे वैश्विक महामारी ने तेजी से बढ़ावा दिया है।

■ **नियोक्ताओं द्वारा ऑफिस रूटीन में लौटने के प्रयासों के बावजूद, 'रिमोट वर्क' नौकरी चाहने वालों की रुचि को आकर्षित कर रहा**

इंडीड के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के वरिष्ठ अर्थशास्त्री कैलम पिकरिंग ने कहा, 'हर महीने, भारतीय कार्यबल धीरे-धीरे अधिक औपचारिक कार्य व्यवस्थाओं की ओर बढ़ रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि जैसे-जैसे देश में बदलाव आ रहा है, औपचारिक क्षेत्र में रोजगार सृजन देश भर में समग्र रोजगार वृद्धि से आगे निकल जाएगा, यह एक ऐसा रुझान है जो हम पिछले कुछ वर्षों से लगातार देख रहे हैं। पिछले तीन महीनों में लगभग सभी प्रमुख व्यावसायिक श्रेणियों में नौकरी की पोस्टिंग में वृद्धि हुई है।

सार संक्षेप

फोनपे ने मर्चेंट इकोसिस्टम को सशक्त बनाने के लिए 'ऑफलाइन पार्टनर प्रोग्राम' किया लॉन्च

नई दिल्ली। फोनपे ने गुरुवार को अपने 'ऑफलाइन पार्टनर प्रोग्राम' के लॉन्च की घोषणा की। यह एक रणनीतिक पहल है, जिसे सर्विस प्रोवाइडर्स के माध्यम से भारत के मर्चेंट इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह व्यापारियों को कस्टमाइज्ड रेफरल कमीशन प्रदान करता है। यह प्रोग्राम पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) बिलिंग सॉफ्टवेयर, एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सॉफ्टवेयर, वेंडिंग मशीन और सेल्फ-सर्विंग कियोस्क प्रदान करने वाले सर्विस प्रोवाइडर्स को फोनपे के इंटीग्रेटेड सॉल्यूशन को उनके ग्राहकों को रेफर करने और कस्टमाइज्ड कमीशन अर्जित करने में सक्षम बनाता है। इस प्रोग्राम में शामिल होने वाले सर्विस प्रोवाइडर्स (पार्टनर) अपने क्लाइंट को संपूर्ण बिलिंग और इंटीग्रेटेड पेमेंट सॉल्यूशन ऑफर कर सकते हैं, जिससे वे खुद को ऐसे विकास भागीदार के रूप में स्थापित कर सकते हैं, जो उनकी परिचालन आवश्यकताओं को समझते हैं। यह पेयरिंग उनके मर्चेंट्स को पेमेंट मैनेजमेंट को सरल बनाने में मदद करेगी, जिससे स्टोर संचालन बहुत आसान हो जाएगा। यह एक व्यावसायिक सहयोगी के रूप में पार्टनर की विश्वसनीयता बढ़ाने में भी भूमिका निभाएगा।

अंबुजा सीमेंट्स का मुनाफा पहली तिमाही में 24 प्रतिशत बढ़कर 970 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने गुरुवार को वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के नतीजे पेश किए। अप्रैल-जून अवधि में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 970 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में 783 करोड़ रुपए पर था। इस दौरान कंपनी की आय भी सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 10,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही की शुरुआत काफी अच्छी रही है। इस दौरान कंपनी की बिक्री 18.4 मिलियन टन (एमटी) रही है, जो अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है। समीक्षा अवधि में कंपनी का तिमाही ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 53 प्रतिशत बढ़कर 1,961 करोड़ रुपए हो गया है।

नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट का आईपीओ पांच अगस्त को खुलेगा

अहमदाबाद। नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (आरईआईटी) का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पांच अगस्त को खुलेगा। कंपनी की ओर से गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा है कि नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट ने अपने इश्यू के लिए प्रति यूनिट कीमत 95 से 100 रुपए के बीच तय की है। ये ग्रॉस एसेट वैल्यू (जीएवी) के आधार पर भारत का सबसे बड़ा आरईआईटी है। लिस्टिंग के बाद सबसे अधिक ज्योग्राफिकली डायवर्स ऑफिस आरईआईटी होगा।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में नरमी व दालों में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल में नरमी रही जबकि गेहूं महंगा हो गया। चीनी में गिरावट देखी गयी। खाद्य दालों और दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा 48 रिंगिट टूटकर 4,230 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिका में सोया तेल वायदा 0.98 प्रतिशत लुढ़ककर 55.56 डॉलर के भाव बोला गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत तीन रुपए घटकर 3,825.07 रुपए प्रति क्विंटल रह गई। वहीं, गेहूं तीन रुपए महंगा होकर 2,827.67 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटा भी तीन रुपए चढ़कर 3,283.26 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। सरसों तेल औसतन 47 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वहीं, मूंगफली तेल करीब 40 रुपए प्रति क्विंटल फिसल गया। सोया तेल करीब 38 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वनस्पति 26 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। सूरजमुखी तेल 19 रुपए टूट गया जबकि पाम ऑयल के भाव 32 रुपए प्रति क्विटल चढ़ गये।

दाल-दलहनों में मसूर दाल और चना दाल के दाम लगभग स्थिर रहे। तुअर दाल करीब 17 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। उड़द दाल छह रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। दाल मूंग भी पांच रुपए प्रति क्विटल की बढ़त में रही।

गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ के औसत भाव 13 रुपए प्रति क्विंटल चढ़े। चीनी के दाम करीब दो रुपए प्रति क्विंटल टूट गये।

संपत्ति मुद्रीकरण के जरिए बीएसएनएल के लिए 900 करोड़ और एमटीएनएल के लिए 4,573 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा : केंद्र

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने गुरुवार को कहा कि केंद्र ने वित्त वर्ष 2025-26 में संपत्ति मुद्रीकरण के जरिए बीएसएनएल के लिए 900 करोड़ रुपए और एमटीएनएल के लिए 4,573 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा। संचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने एक प्रश्न के उत्तर में राज्यसभा को बताया कि परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित पुनरुद्धार पैकेजों के अनुसार किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बीएसएनएल और एमटीएनएल को बंद करने की कोई योजना नहीं है और संपत्ति मुद्रीकरण से प्राप्त राशि का उपयोग केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के अनुसार किया जा रहा है। मंत्रिमंडल ने 23 अक्टूबर, 2019 को हुई बैठक में बीएसएनएल और एमटीएनएल की पुनरुद्धार योजना को मंजूरी दी थी, जिसमें दीपम के दिशानिर्देशों के अनुसार संपत्तियों का मुद्रीकरण शामिल है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2019 से देश भर में बीएसएनएल की बेची गई भूमियों से 1,341 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं, जबकि एमटीएनएल की किसी संपत्ति की बिक्री नहीं हुई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'बीएसएनएल और एमटीएनएल के कर्मचारियों और अधिकारियों का भविष्य संपत्ति मुद्रीकरण से प्रभावित नहीं होगा।'

इस महीने की शुरुआत में, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीएसएनएल को संकट से उबारने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के रणनीतिक पुनरुद्धार कदमों को श्रेय देते हुए कहा था कि पिछली यूपीए सरकार द्वारा 'वेंटिलेटर सपोर्ट' पर छोड़ दी गई सरकारी दूरसंचार कंपनी ने अब भारतीय उपभोक्ताओं के दिलों में अपनी जगह फिर से बना ली है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने देश के लिए बीएसएनएल को पूर्ण सेवा में वापस लाने का दृढ़ संकल्प लिया। आज, हम उस प्रतिबद्धता का परिणाम देख रहे हैं।'

सरकार के प्रयासों के कारण बीएसएनएल मुनाफे में आ गई है। कंपनी ने वित्त वर्ष 25 की जनवरी-मार्च तिमाही (चौथी तिमाही) में 280 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। यह दो दशकों में पहला मौका था, जब बीएसएनएल लगातार दो तिमाही मुनाफे में थी। इससे पहले वित्त वर्ष 25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बीएसएनएल को 262 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था।

एमटीएनएल को बंद करने की कोई योजना नहीं है और संपत्ति मुद्रीकरण से प्राप्त राशि का उपयोग केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के अनुसार किया जा रहाः चंद्रशेखर

खेल जगत

रोहित टोकस: कॉमनवेल्थ मेडलिस्ट, जो युवाओं के लिए प्रेरणा बने

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को मेडल दिलाने वाले मुक्केबाज रोहित टोकस की मेहनत, जज्बा और संघर्षशीलता युवाओं के लिए प्रेरणा है। 1 अगस्त 1993 को दिल्ली के मुनिरका में जन्मे रोहित टोकस टेलीविजन पर फिल्म देखते हुए बॉक्सिंग से प्यार कर बैठे। बेटे की रुचि को देखते हुए पिता ने उसे एक स्थानीय क्लब में दाखिल करवा दिया। रोहित बॉक्सिंग की बुनियादें चीजें सीखने के बाद इस खेल को छोड़ चुके थे। इस बीच छठी क्लास के सहपाठी ने रोहित को एक बाउट में हरा दिया। इस हार ने रोहित को एक बार फिर बॉक्सिंग सीखने के लिए प्रेरित किया। बॉक्सिंग के प्रति उनका जुनून फिर से जगा गया था, उन्हें अपनी मंजिल मिल चुकी थी। तब से लेकर आज तक रोहित ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। दिल्ली स्टेट चैंपियन बनने के बाद रोहित के करियर का ग्राफ उठता गया।

म्हात्रे भारत अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान, विहान उपकप्तान

भारत अंडर-19 टीम ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ तीन वन डे व दो यूथ टेस्ट खेलेगी

■ भारत अंडर-19 टीम अभी हाल ही में इंग्लैंड का कामयाब दौरा कर स्वदेश लौटी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

इस दिन होंगे मैच

पहला वन डे मैच 21 सितंबर को, दूसरा वन डे मैच 24 सितंबर को और तीसरा व आखिरी वन डे मैच 26 सितंबर को इयान हीली स्टेडियम, नॉर्थ में खेलेगी।

नई दिल्ली, 31 जुलाई (देशबन्धु)। मुंबई के सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारत की अंडर 19 टीम ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 क्रिकेट टीम के खिलाफ तीन वन डे क्रिकेट मैचों के साथ दो चार चार दिन के यूथ टेस्ट मैच खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। भारत अंडर 19 में आयुष के सलामी जोड़ीदार के रूप में मात्र 14 बरस की उम्र में आइपीएल में शतक जड़ धमाल मचाने के बाद अभी हाल ही में भारत अंडर 19 टीम के इंग्लैंड दौरे पर भी दमदार प्रदर्शन करने वाले बिहार के वैभव रघुवंशी भी होंगे जबकि पंजाब के विहान मल्होत्रा को 17 सदस्यीय टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया। भारत की अंडर 19 टीम अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ पहला वन डे मैच 21 सितंबर को, दूसरा वन डे मैच 24 सितंबर को और तीसरा व आखिरी वन डे मैच 26 सितंबर को इयान हीली स्टेडियम, नॉर्थ में खेलेगी। भारत अंडर 19 टीम इसके बाद ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ पहला यूथ टेस्ट 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक नॉर्थ में और दूसरा व आखिरी यूथ टेस्ट में 7 से 10 अक्टूबर तक खेलेगी। भारत अंडर 19 टीम अभी हाल ही में इंग्लैंड का कामयाब दौरा कर स्वदेश लौटी है। आयुष म्हात्रे की अगुआई में इंग्लैंड का दौरा करने वाली भारत अंडर 19 टीम के सदस्य रहे मौल्यराज सिंह चावड़ा, युद्धजीत गुहा (अब स्टैंडबाय) , प्रणव राघवेंद्र व मोहम्मद इनान को अब ऑस्ट्रेलिया दौरे लिए टीम मे जगह नहीं दी गई है। म्हात्रे इंग्लैड अंडर 19 के खिलाफ ड्रॉ रही यूथ टेस्ट सीरीज में शतक सहित 340 रन बना रन बनाने में शीर्ष पर रहे थे लेकिन इसमें वैभव रघुवंशी नकाम रहे थे।

बीसीए अध्यक्ष ने भारत अंडर-19 टीम में शामिल होने पर सूर्यवंशी को बधाई दी

पटना। बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत अंडर-19 टीम में शामिल होने पर आज बधाई दी। आईपीएल 2025 में धूम मचाने के बाद, बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पिछले महीने इंग्लैंड दौरे पर सुर्खियों में छा गए। इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ चौथे वनडे में, वैभव (14 वर्षीय) ने 52 गेंदों में शतक जड़कर युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। बीसीए अध्यक्ष राकेश तिवारी ने वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें वैभव से बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने अपने प्रदर्शन से बिहार और भारत को बेहद गौरवान्वित किया है और अब उनके पास ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक शानदार अवसर है। मैं उन्हें इस नए अध्याय के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। बीसीए प्रमुख राकेश तिवारी ने भी वैभव सूर्यवंशी जैसी उभरती प्रतिभाओं को राज्य में प्रोत्साहित करने और उनका समर्थन करने के लिए बिहार क्रिकेट संघ की प्रतिबद्धता दोहराई। राकेश तिवारी ने कहा कि बिहार क्रिकेट संघ वैभव जैसी उभरती प्रतिभाओं को अवसर और समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हरियाणा खेल महाकुंभ में 15 हजार से ज्यादा खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम: गौतम

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दो अगस्त को पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में खेल महाकुंभ 2025 का उदघाटन करेंगे ।खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश में दो चरणों में खेल महाकुंभ का आयोजन होगा, जिसमें 26 खेलों में 15410 खिलाड़ी शिरकत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेहतरीन खेल नीति और हर राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में पदक जीतकर हरियाणा खेलों में देश का सिरमौर बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने में 60 प्रतिशत का योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि पहले चरण में खेल महाकुंभ के खेल चार अगस्त तक आयोजित होंगे। प्रदेश में राज्य स्तर के इस आयोजन में पहली बार है, जब खेल महाकुंभ को भव्य समारोह का रूप दिया जा रहा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हमारे लिए गर्व की बात है कि पिछले 17 वर्षों में हुए पांच ओलंपिक खेलों में हरियाणा के किसी न किसी खिलाड़ी ने पदक जीता है। हमारे खिलाड़ियों ने ओलंपिक में पिछले पांच ओलंपिक खेलों में 15 पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चार जगहों पर 26 खेलों का आयोजन किया जायेगा। पंचकूला में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबाल, हैंडबाल और हाकी, फरीदाबाद में शूटिंग और ताईक्वांडो, रोहतक में बाक्सिंग, नेटबाल और फुटबाल और सोनीपत में लान टेनिस खेल आयोजित किये जायेंगे, जिसमें प्रदेश के 22 जिलों और हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई (सोनीपत) के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

'द ओवल' टेस्ट : यशस्वी फिर फ्लॉप लंच तक भारत का स्कोर 72/2

■ जायसवाल 9 गेंद पर 2 रन बनाकर गस एटकिंसन का शिकार बने

■ भारत को दूसरा झटका 38 के स्कोर पर केएल राहुल के रूप में लगा

द ओवल, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का आखिरी टेस्ट गुरुवार से 'द ओवल' में शुरू हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। लंच तक भारतीय टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 72 रन बनाए हैं। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल एक बार फिर असफल रहे। जायसवाल 9 गेंद पर 2 रन बनाकर गस एटकिंसन का शिकार बने।

यशस्वी के रूप में भारत ने अपना पहला विकेट 10 के स्कोर पर गंवा दिया। भारत को दूसरा झटका 38 के स्कोर पर केएल राहुल के रूप में लगा। राहुल 14 रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर बोल्ड हो गए। साईं सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल ने तीसरे विकेट के लिए अब तक 34 रन जोड़े हैं और टीम का स्कोर 2 विकेट के नुकसान पर 72 तक पहुंचाया है। सुदर्शन 67 गेंद पर 25 और गिल 23 गेंद पर 15 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इससे पहले भारत और इंग्लैंड दोनों ही टीमें 4-4 बदलावों के साथ उतरी हैं। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने इंजर्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह ध्रुव जुरेल को मौका दिया है। वहीं, जसप्रीत बुमराह की जगह प्रसिद्ध कृष्णा टीम में वापस आए हैं। शार्दुल ठाकुर और अंशुल कंबोज की जगह करुण नायर और आकाश दीप को मौका दिया गया है। इंग्लैंड की टीम में बेन स्टोक, जोफ्रा आर्चर, लियाम डॉसन, ब्रायडन कार्स नहीं हैं। इनकी जगह जैकब बेथल, जेमी ओवर्टन, गस एटकिंसन और जोश टंग को जगह दी गई है। कप्तानी ओल पोप कर रहे हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

भारत: यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साईं सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अंशुल कंबोज, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड: जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रूक, जैकब बेथेल, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, जेमी ओवरटन और जोश टंग।

फोर्टिस-गंभीर विवाद पर गिल : कोच को पिच देखने का पूरा अधिकार

सीरीज के पिछले चार स्थानों-हेडिंग्ले, एजबस्टन, लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड-पर किसी भी क्यूरेटर ने भारतीय टीम को पिच या स्कायर देखने से नहीं रोका था : शुभमन गिल

लंदन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय टीम को ओवल में सरे के मुख्य ग्राउंड्समैन ली फोर्टिस द्वारा पिच को करीब से देखने से रोकने को भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अनावश्यक करार दिया।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर और फ़ोर्टिस के बीच तब नोकझोंक हुई जब वे मुख्य स्कायर के आसपास भीड़ और प्रशिक्षण सामग्री होने से चिंतित थे। कथित तौर पर उन्होंने भारतीय टीम को सुझाव दिया कि उन्हें पिच से 2.5 मीटर दूर खड़े होकर पिच देखनी चाहिए। गंभीर को फोर्टिस की ओर उंगली दिखाते और बार-बार यह कहते हुए देखा गया कि वे 'सिर्फ एक ग्राउंड्समैन' हैं। गिल, जो उस घटना के दौरान मैदान पर मौजूद नहीं थे, ने ओवल में पांचवें टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा कि कल जो हुआ, मुझे लगा कि वह बिल्कुल गैर-जरूरी था। यह पहली बार नहीं है जब हम विकेट देख रहे थे, हम लगभग दो महीने से वहां हैं। एक कोच को पूरा अधिकार है कि वह पास जाकर विकेट देख सके और मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ गलत है। मुझे सच में समझ नहीं आ रहा कि क्यूरेटर ने हमें विकेट देखने की इजाजत क्यों नहीं दी। गिल ने कहा कि सीरीज के पिछले चार स्थानों - हेडिंग्ले, एजबस्टन, लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड-पर किसी भी क्यूरेटर ने भारतीय टीम को पिच या स्कायर देखने से नहीं रोका था। गिल ने कहा कि जहां तक मुझे याद है, हमें कभी कोई निर्देश नहीं मिले थे। अगर आप रबर स्पाइक्स पहने हों या नंगे पैर हों, तो आप विकेट को पास से देख सकते हैं। हम इस सीरीज में पहले ही चार मैच खेल चुके हैं, और हमें पिच देखने से किसी ने नहीं रोका। हम सभी ने इतना क्रिकेट खेला है, हम कोच और कप्तान समेत कई बार पिच पर गए हैं, मुझे समझ नहीं आता कि इतना हंगामा किस बात का था। भारत के सीरीज में 2-1 से पिछड़ने के बाद, आखिरी टेस्ट से पहले, गिल से पूछा गया कि क्या जरूरी मैच जीतने के दबाव ने गंभीर की प्रतिक्रिया को उकसाया होगा।

खेल को कुछ वापस देने का समय आ गया है : धवन

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के मालिक पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में उन्होंने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के माध्यम से क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारने के लिए अपनी निरंतर प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। वीडियो में शिखर धवन ने युवा क्रिकेटरों के विकास और चमक के लिए मंच तैयार करने में अपने विश्वास के बारे में बात की। धवन ने प्रियांश आर्य, आयुष बदोनी और दिग्वेश राठी जैसे खिलाड़ियों के बारे में बात की, जिन्होंने क्रिकेट की दुनिया में लगातार तरक्की की है और आईपीएल जैसी बड़ी लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। वीडियो के साथ शिखर धवन ने कैप्शन लिखा, कि साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज सिर्फ एक टीम नहीं है, यह एक ऐसा मंच है, जहां नई प्रतिभाएं उभरती हैं और अपनी छाप छोड़ती हैं। यह उन लोगों के लिए है, जो सपने देखने की हिम्मत रखते हैं और कुछ अलग करने के लिए प्रेरित होते हैं। क्रिकेट ने मुझे वो सब कुछ दिया जो मेरे पास है। कुछ उपलब्धियां रनों या ट्रॉफियों से नहीं, उद्देश्य से मापी जाती हैं। धवन ने वीडियो में कहा कि मैंने क्रिकेट से सब कुछ पाया है, अब वक्त है क्रिकेट को वापस देने का, जिससे न केवल एक क्रिकेटर के रूप में, बल्कि भविष्य के सितारों के मार्गदर्शक और संबल के रूप में उनकी भूमिका और भी पुख्ता होती है।

15वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की काकीनाडा में होगी शुरुआत

टीमें इस प्रकार हैं:

पूल ए: झारखंड, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक
पूल बी: मध्य प्रदेश, पंजाब और चंडीगढ़
पूल सी : हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बंगाल
पूल डी: ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। नये प्रारूप के साथ एक अगस्त से 15वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में शुभारंभ होगा।

यह टूर्नामेंट 12 अगस्त तक चलेगा और इसमें 30 टीमें भाग लेंगी। इसमें नये प्रारुप को लागू किया जायेगा। टूर्नामेंट को डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी में विभाजित किया जाएगा। डिवीजन ए और बी की निचली टीमों को क्रमश: डिवीजन बी और डिवीजन सी में स्थानांतरित किया जाएगा, और डिवीजन बी और डिवीजन सी की शीर्ष दो टीमों को अगले साल हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन ए और डिवीजन बी में पदोन्नत किया जाएगा।

महिला जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन ए में देश की शीर्ष 12 टीमें शामिल हैं और पूल ए में गत चैंपियन झारखंड, पूल बी में पिछले साल की उपविजेता मध्य प्रदेश और पूल सी में दूसरे उपविजेता हरियाणा शामिल होंगे। इस बीच, डिवीजन बी और डिवीजन सी में वे टीमें शामिल होंगी जो शीर्ष 12 राष्ट्रीय रैंकिंग में नहीं हैं, और अगले साल की राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए रैंकिंग में ऊपर चढ़ने और उच्च डिवीजन में जगह बनाने के लिए स्पर्धा करेंगी। हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025, डिवीजन 'ए' के मैच पांच अगस्त से शुरू होंगे। डिवीजन 'ए' में, प्रत्येक टीम अपने पूल में राउंड-रॉबिन मैच खेलेगी। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल (9 अगस्त), सेमीफाइनल (10 अगस्त) और फाइनल तथा तीसरे स्थान के प्लेऑफ (12 अगस्त) के लिए क्वालीफाई करेंगी। डिवीजन 'ए' में, यदि कोई क्लासिफिकेशन मैच निर्धारित समय के अंत में ड्रॉ पर समाप्त होता है, तो विजेताओं का निर्धारण करने के लिए शूट-आउट का सहारा लिया जायेगा। डिवीजन 'बी' (मध्य-स्तरीय डिवीजन): डिवीजन 'बी' में केवल लीग मैच होंगे, जिसमें शीर्ष दो रैंक वाली टीमों को डिवीजन 'ए' में और अंतिम दो रैंक वाली टीमों को डिवीज़न 'सी' में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

भारत और इंग्लैंड को विश्व कप में हराना सबसे मुश्किल होगा : एलिसा

सिडनी, 31 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भविष्यवाणी की है कि इस साल होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में उनकी टीम के लिए भारत और इंग्लैंड दो ऐसी टीमें होंगी जिन्हें हराना सबसे मुश्किल होगा। हीली ने आज यहां क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक प्रायोजन कार्यक्रम में पत्रकारों से बात की और इस अनुभवी विकेटकीपर ने खुलासा किया कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सब कुछ सही दिशा में है क्योंकि वे 37 सालों में महिलाओं के 50 ओवरों के विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने की कोशिश में हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व कप्तान शेरोन ट्रेड्रिया के नेतृत्व में 1982 और 1988 में लगातार दो विश्व कप जीते थे और सात बार की चैंपियन टीम इस साल भारत और श्रीलंका में होने वाले इस आयोजन में इस प्रसिद्ध ट्रॉफी को उठाने की प्रबल दावेदारों में से एक के रूप में उतरेगी। लेकिन हीली दुनिया की नंबर 1 वनडे टीम को लेकर कुछ भी हल्के में नहीं ले रही हैं और उन्होंने रैंकिंग में अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों इंग्लैंड (दूसरे) और भारत (तीसरे) को 30 सितंबर से शुरू होने वाले आठ टीमों के टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए संभावित बाधा के रूप में नामित किया है। हीली ने कहा कि मैं अभी इंग्लैंड को पूरी तरह से खारिज नहीं करूंगी , मुझे लगता है कि वे लोटी के नेतृत्व में अपनी लय हासिल कर लेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि जिस तरह से भारत घरेलू परिस्थितियों में खेल रहा है, उसे हराना वाकई मुश्किल होगा।

जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड

मैट हैनरी ने रचा इतिहास

सिर्फ दो कीवी गेंदबाजों ने समेट दी पूरी मेजबान टीम

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन अपनी शानदार पकड़ बना ली। कीवी टीम की ओर से मैट हैनरी और नाथन स्मिथ ने मिलकर पूरी मेजबान टीम को पहली पारी में 149 रन पर समेट दिया। इसी के साथ 33 वर्षीय हैनरी जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली कीवी गेंदबाज बन गए। मैट हैनरी ने 15.3 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 39 रन देकर छह विकेट अपने नाम किया। उनसे पहले यह उपलब्धि पूर्व कीवी तेज गेंदबाज नील वैगनर के नाम दर्ज था, जिन्होंने नौ वर्ष पूर्व जिम्बाब्वे दौरे पर एक टेस्ट पारी में 41 रन खर्च करते हुए छह विकेट चटकाए थे। क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे मुकाबले में टॉस जीतकर जिम्बाब्वे की टीम ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। यह निर्णय मेजबान टीम को भारी पड़ गया। जिम्बाब्वे की टीम 10 के स्कोर पर ब्रायन बेनेट (6) का विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। 69 के स्कोर तक टीम के 5 विकेट गिर चुके थे। बेन करेन 13, सीन विलियम्स 2, निक वेल्च 27 और सिकंदर रजा 2 रन बनाकर पवेलियन लौट चुके थे। यहां से कप्तान क्रेग इर्विन ने तफादजवा सिगा के साथ छठे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। इर्विन 68 गेंदों में 27 रन बनाकर आउट हुए, जबकि तफादजवा ने 78 गेंदों का सामना करते हुए 30 रन टीम के खाते में जोड़े।

पीकेएल : 29 अगस्त से 12वें सीजन की शुरुआत

पहले मैच में तेलुगु टाइटंस-तमिल थलाइवाज की टक्कर

■ विशाखापत्तनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगु टाइटन्स और तमिल थलाइवाज के बीच मुकाबले से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में 29 अगस्त को विशाखापत्तनम में तेलुगु टाइटन्स और तमिल थलाइवाज के बीच मुकाबले से टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। इस टूर्नामेंट में 12 टीमें विशाखापत्तनम, जयपुर, चेन्नई और दिल्ली में प्रतिस्पर्धा करेंगी। विशाखापत्तनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगु टाइटन्स और तमिल थलाइवाज के बीच मुकाबले से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। यह सात साल बाद होगा जब इस तटीय शहर में इस टूर्नामेंट की वापसी होगी। दिन के दूसरे मैच में बेंगलुरु बुल्स का सामना पुनेरी पलटन से होगा। अगले दिन घरेलू टीम तेलुगु टाइटन्स एक बार फिर मैदान पर उतरेगी, इस बार शाम के पहले मैच में यूपी योद्धा के खिलाफ, उसके बाद यू मुंबा का सामना गुजरात जायंट्स से होगा। तीसरे दिन सुपर संडे को तमिल थलाइवाज और यू मुंबा भिड़ेंगे। मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ अपने खिताब की रक्षा के लिए पहला मैच खेलेंगे। 12 सितंबर से जयपुर के इंडोर हॉल, एसएमएस स्टेडियम में मुकाबला होगा, जहां दो बार की चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स और बेंगलुरु बुल्स के बीच रोमांचक मुकाबले होंगे, इसके बाद तमिल थलाइवाज का सामना बंगाल वॉरियर्स से होगा। गुलाबी नगरी पीकेएल की लोककथाओं में एक विशेष स्थान रखती है, क्योंकि 2023-24 में ऐतिहासिक सीजन 10 के दौरान ऐतिहासिक 1000वें पीकेएल मैच की मेजबानी करेगा। तीसरे चरण में 29 सितंबर को चेन्नई के एसडीएटी मल्टीपर्पस इंडोर स्टेडियम में यूपी योद्धा का सामना गुजरात जायंट्स से होगा, जबकि दबंग दिल्ली के.सी. का सामना हरियाणा स्टीलर्स से भिड़ेंगे।

प्लेऑफ का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा

आगामी सीजन को लेकर प्रो कबड्डी के मशाल बिजनेस प्रमुख और लीग कमिश्नर, अनुपम गोस्वामी ने कहा कि सीजन 12 प्रो कबड्डी लीग के विकास में एक रोमांचक नया अध्याय शुरू कर रहा है। बहु-शहरी प्रारूप के साथ, हम देश भर के प्रशंसकों के लिए शीर्ष स्तरीय कबड्डी एक्शन ला रहे हैं और साथ ही प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों के साथ अपने संबंधों को और गहरा कर रहे हैं। हम विशाखापत्तनम में वापसी को लेकर विशेष रूप से उत्साहित हैं, जो लीग को उसके उत्साही प्रशंसकों के और करीब ले जाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

सार संक्षेप

नागपुर में दिव्या देशमुख का भव्य स्वागत

नागपुर। युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख, जिन्होंने हाल ही में जॉर्जिया के बटुमी में फिडे महिला विश्व शतरंज कप 2025 का खिताब जीता, का नागपुर में भव्य स्वागत किया गया। समारोह की शुरुआत डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई, जहां दिव्या का भव्य स्वागत किया गया। शहर द्वारा अपनी 'शतरंज रानी' का सम्मान किए जाने पर हवाई अड्डा जयकारों, तालियों और पारंपरिक बैंड की धुनों से गूंज उठा। हवाई अड्डे से, एक भव्य अभिनंदन रैली शहर के मध्य की ओर बढ़ी, जिसके मार्ग में लोग पुष्प वर्षा कर रहे थे और तिरंगा लहरा रहे थे। विभिन्न सामाजिक और खेल संगठनों ने दिव्या का स्वागत किया और उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया। दिव्या ने वैश्विक शतरंज मंच पर नागपुर, महाराष्ट्र और भारत का नाम रोशन किया है। नागपुर शहर की सड़कें दिव्या को बधाई देने वाले बैनर, पोस्टर और होर्डिंग्स से सजी हुई थीं, जबकि युवा शतरंज खिलाड़ियों ने रैली में भाग लिया और उन्हें अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बताया। यह भव्य स्वागत समारोह उनकी उल्लेखनीय विश्व चैंपियनशिप जीत के शहरव्यापी जश्न में बदल गया।

इंडिया चैम्पिंयस ने सेमीफाइनल से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। डब्ल्यूसीएल के अनुसार, भारतीय टीम के आधिकारिक रूप से नाम वापस लेने के बाद, विश्व चैंपियनशिप लीग में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैम्पियंस के बीच होने वाला सेमीफाइनल रद्द कर दिया गया है। एक्स पर साझा किए गए एक बयान में, डब्ल्यूसीएल ने कहा कि डब्ल्यूसीएल में, हमने हमेशा खेल की शक्ति में विश्वास किया है जो दुनिया को प्रेरित करती है और सकारात्मक बदलाव लाती है। हालांकि, जनता की भावनाओं का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए - आखिरकार, हम जो कुछ भी करते हैं वह हमारे दर्शकों के लिए है। बयान में आगे कहा गया है, हम इंडिया चैम्पियंस के सेमीफाइनल से नाम वापस लेने के फैसले का सम्मान करते हैं, और हम पाकिस्तान चैंपियंस की प्रतिस्पर्धा के लिए तत्परता का भी उतना ही सम्मान करते हैं।

शेल्टन ने टोरंटो ओपन में मन्नारिनो को हराया

टोरंटो। बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के अपने पहले मैच में एड्रियन मन्नारिनो को 6-2, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। शेल्टन ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी 25वीं जीत दर्ज की। 22 वर्षीय बेन शेल्टन फिलहाल पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर हैं। वह पिछले 10 में से 8 मुकाबले जीत चुके हैं। चौथे वरीय अमेरिकी खिलाड़ी ने एटीपी स्टैट्स के अनुसार अपने पहले सर्व पर 90 प्रतिशत (28 में से 31) अंक जीते और जिन दो ब्रेक प्वॉइंट्स का सामना किया, उन्हें भी बचा लिया।